5100+ अभ्यास प्रश्न

YouTube : Rojgar with Ankit

मूलविधि एवं भारतीय संविधान

Special For UPSI

- 250+ प्रश्न सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक निर्णय
- भारतीय दंड संहिता
- दंड प्रक्रिया संहिता
- भारतीय संविधान का उद्देश्य
- मौलिक अधिकार महत्वपूर्ण संसदीय व्यवस्था एवं अनुसूचियाँ

अंकित भाटी
सुशील चौधरी

Youtube : Rojgar with Ankit

मूलविधि एवं भारतीय संविधान

SPECIAL FOR UPSI

लेखक

अंकित भाटी	सुशील चौधरी
SSC CGL 2012 ASO Selected	उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती 2016 में Sub-Inspector Selected

Giriraj Publishing House
Debuting a Difference

Copyright © 2021 Giriraj Publishing House

No Part of this book may be reproduced or distributed in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or mean including information retrieval system without the prior written permission of the Publishers.

Price : ₹ 249/-

Published by : **Giriraj Publishing House**

1/2161, Gali No. 16, East Ram Nagar, Shahdara, Delhi-110032

E-mail:girirajpublishinghouse@gmail.com

Contact No. : 8851295273, 8800546873

Printed by : **Giriraj Publishing House**

Subscribe Now : **Rojgar with Ankit**

Preface

प्रिय पाठको,

जैसा कि आप सब को पता है कि किसी भी लड़ाई को जीतने के लिये कुशल रणनीति तथा उसी अनुरूप कठोर अभ्यास अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षों के प्रश्नपत्र को देखे तो यह पता चलता है कि भारतीय संविधान और मूल विधि से लगभग 22 से 24 प्रश्न पूछने का चलन रहा है। इस प्रकार यह UPSI के सामान्य ज्ञान में आने वाले प्रश्नों का लगभग 60 प्रतिशत भारतीय संविधान एवं मूलविधि का हिस्सा है। अत: इस किताब को ध्यानपूर्वक पढ़ा जाये तो आप UPSI के सामान्य ज्ञान के खण्ड को आसानी से पास कर सकते है।

हमारा स्पष्ट रूप से यह मानना है कि यह आपकी तैयारी को सही दिशा देने में सहायक होगी और आप सभी से यह पता चला है कि पुस्तक पढ़ने से पूरा पाठ्यक्रम तो तैयार हो जाता है किन्तु प्रश्नों को हल करने में पूर्ण सहजता नहीं आ पाती है। इसलिए हमने यह अपेक्षा व्यक्त की है कि हम इस समस्या को दूर करने के लिए आपको 5100+ प्रश्नों का अभ्यास सेट व्याख्या सहित उपलब्ध करा रहे है। जो आपके लिए सफलता की कुंजी साबित होगी। पुस्तक को कई बार प्रुफ रीडिंग करके त्रुटि रहित बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है।

विशेष योगदान

मनीष चौधरी, हितेश चौधरी

लेखक

अंकित भाटी, सुशील चौधरी

Index (विषय सूची)

1. सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय _______________01
2. IPC 1860 की महत्वपूर्ण धाराएँ : एक दृष्टि में _______________25
3. CRPC- 1973 प्रमुख धाराएँ : एक दृष्टि में _______________26
4. भारतीय दण्ड संहिता (IPC) एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता (CRPC) _______________30
5. सूचना का अधिकार अधिनियम (2005) RTI _______________71
6. महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति के सदस्यों आदि को संरक्षण देने सम्बन्धी विधिक प्रावधान _______________78
7. पर्यावरण संरक्षण एवं वन्य जीवन संरक्षण _______________84
8. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 _______________88
9. जनहित याचिका _______________95
10. साइबर अपराध (Cyber Crime) _______________98
11. आयकर अधिनियम एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम _______________102
12. राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम और निवारक नज़रबंदी कानून NSA/TADA/MISA/POTA`रासुका` 1980 _______________106
13. यातायात नियम _______________111
14. भूमि सुधार, भूमि अधिग्रहण एवं भू-राजस्व संबंधी कानून _______________118
15. उत्तर प्रदेश पुलिस एवं सम्बंधित अधिनियम _______________121
16. संविधान के कुछ महत्वपूर्ण अनुच्छेद _______________123
17. राज्यव्यवस्था – एक परिचय _______________127
18. भारतीय संविधान का विकास _______________133
19. भारतीय संविधान का निर्माण एंव इसकी प्रमुख विशेषताएं _______________140
20. संविधान की प्रस्तावना _______________152
21. भारतीय संघ एवं उसका राज्यक्षेत्र तथा राज्यों का पुनगर्ठन _______________159
22. नागरिकता (citizenship) _______________166

23. मूल अधिकार (FUNDAMENTAL RIGHTS) ______________**171**

24. राज्य के नीति निदेशक तत्व ______________**199**

25. मूल कर्त्तव्य (FUNDAMENTALS RIGHTS) ______________**209**

26. विधायिका ______________**213**

27. राष्ट्रपति ______________**258**

28. उपराष्ट्रपति ______________**274**

29. प्रधानमंत्री एंव संघीय मंत्रिपरिषद ______________**479**

30. महान्यायवादी (ATTORNY-GENERAL OF INDIA) ______________**290**

31. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ______________**296**

32. राज्य की कार्यपालिका ______________**298**

33. राज्य विधानमंडल ______________**305**

34. मुख्यमंत्री ______________**313**

35. न्यायपालिका ______________**315**

36. आपात उपबंध ______________**339**

37. केंद्र राज्य सम्बन्ध ______________**344**

38. भारत मै निर्वाचन, मतदान व्यवहार एवं दलिए व्यवस्था ______________**354**

39. आयोग/परिषद/अधिकरण ______________**361**

40. अनुसूचित एवं जनजाति क्षेत्र ______________**375**

41. कुछ राज्यों के लिए विशेष उपबंध और भाषा सम्बन्धी उपबंध ______________**378**

42. स्थानीय स्वशासन ______________**380**

43. BEST 250+ QUESTIONS FOR UPSI ______________**391**

SET 1 सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय

1. किस वाद में न्यायालय ने कहा कि दो या दो से अधिक बच्चे वाला व्यक्ति सरपंच नहीं बन सकता है?

A. एम. सी. मेहता बनाम भारत संघ (1986)
B. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)
C. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य (1979)
D. परमानन्द कटारा बनाम भारत संघ (1986)

उत्तर: (B) व्याख्या: उच्चतम न्यायालय ने जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003) में कहा कि इसमें अनुच्छेद-14 व 25 का उल्लंघन नहीं है। हरियाणा राज्य का यह कानून राष्ट्र हित में माना गया (जिससे जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण रखा जा सके)
अत: यह कानून उच्चतम न्यायालय ने तर्कसंगत माना।

2. किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान को अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार का उल्लंघन माना-

A. महान्यायवादी बनाम लिच्छमा देवी (1961)
B. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन (1980)
C. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश (1998)
D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ (2001)

उत्तर: (D) व्याख्या: न्यायालय ने बताया सार्वजनिक स्थल पर कोई धूम्रपान नहीं करेगा। अन्यथा 1000 हजार रुपये जुर्माना और 6 माह का कारावास।

3. किस वाद में न्यायालय ने प्रतिपादित किया कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा किसी घटना का आँखों देखा हाल प्रसारित करने का अधिकार अनुच्छेद (19(1)a) तहत मौलिक अधिकार है। (UPSI 2017)

A. इमैनुअल बनाम केरल राज्य (1986)
B. मेनिका गाँधी बनाम भारत संघ
C. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश (1998)
D. साकल पेपर्स लिमिटेड बनाम भारत संघ (1962)

उत्तर: (B)

4. एक मानवाधिकार कार्यकर्त्ता द्वारा दायर की गई किस जनहित याचिका ने इस बात पर बल दिया कि चिकित्सा के पेशे से जुड़े हर सदस्य का यह सर्वोपरि दायित्व है कि वह किसी भी प्रक्रियागत औपचारिकता की प्रतीक्षा न करके, हर घायल नागरिक की जल्द से जल्द चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराए। (UPSI 2017)

A. एस. पी. गुप्ता बनाम भारत संघ (1982)
B. मध्य प्रदेश राज्य बनाम मदनलाल
C. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य
D. परमानंद कटारा बनाम संघ (1989)

उत्तर: (D) व्याख्या: SC ने कहा कि Art.-21 के तहत प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता में प्राथमिक चिकित्सा पाना भारत में लोगों का मौलिक अधिकार है।

5. किस वाद में SC ने कहा कि कैदियों को अपने काम के लिए उचित मजदूरी पाने का हक है।

A. U. P. C. एन. बनाम भारत संघ (2000)
B. दीना बनाम भारत संघ (1983)
C. इमैनुअल बनाम केरल राज्य (1986)
D. लुसी ग्रे बनाम गोवा राज्य (1992)

उत्तर: (B) व्याख्या: SC ने माना कि यदि कैदियों से कारागार में काम कराया जाता है और उन्हें पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है तो अनुच्छेद 23 का उल्लंघन होगा।

6. वाद एवं उस वाद में उच्चतम न्यायालय की व्यवस्था के त्रुटिपूर्ण युग्म को पहचानिए?

A. इंदिरा साहनी वाद- अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए चिकनी परत
B. विशाखा वाद- अपने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से कामकाजी महिलाओं का संरक्षण
C. सेलवी बनाम कर्नाटक राज्य-नारकोटिक्स एवं पालीग्राफी कराना वर्जित है
D. मि. X बनाम मिसेज 'Z'-DNA टेस्ट कराना वर्जित है

उत्तर: (D) व्याख्या: SC ने कहा अनुच्छेद 20(3) के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को स्वयं के विरूद्ध गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, लेकिन साक्ष्य के लिए DNA टेस्ट कराया जा सकता है।

7. किस वाद में SC ने कहा कि एकान्तता के अधिकार (Right to Privacy) Art-21 के तहत मौलिक अधिकार है?

A. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य (1994)
B. महाराष्ट्र राज्य बनाम श्रीमति दूबल (1987)
C. विजय शर्मा बनाम भारत संघ (2008)
D. PUCN बनाम भारत संघ (2002)

उत्तर: (A) व्याख्या: SC ने कहा अनुच्छेद 21 के तहत निजता का अधिकार मौलिक अधिकार है।

8. निम्नलिखित किस मामले में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया गया कि मृत्युदण्ड केवल 'विरल से विरलतम' मामलों में दिया जाना चाहिए?

A. आर. बनाम गोविन्दा
B. हुस्नारा बनाम पंजाब राज्य
C. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य
D. सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन

(UPSI) Uttrakhand PCS (Pre)2015

उत्तरः (C)

9. **''संसद के किसी भी अधिनियम को कानून की मान्यता नहीं दी जा सकती। यदि वह संविधान की मौलिक संरचना का उल्लंघन करता है।'' किस ऐतिहासिक मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह बात कही थी?**

A. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

B. भारतीय रिजर्व बैंक बनाम जयंती लाल मिस्त्री

C. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

D. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (UPSI) 2017)

उत्तरः (D)

12. **किस वाद में ऋषिकेश महापालिका क्षेत्र में अंडा बेचने पर राज्य द्वारा लगाया गया प्रतिबंध साधारण जनता के हित में तर्क संगत माना गया?**

A. कौशल्या सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (1964)

B. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2004)

C. सोदान सिंह बनाम नई दिल्ली नगरपालिका कमेटी (1989)

D. कामेश्वर सिंह बनाम बिहार राज्य (1972)

उत्तरः (B)

13. **किस वाद में न्यायालय ने कहा कि राज्य द्वारा वैश्याओं का भ्रमण पर लगाया गया प्रतिबंध तर्कसंगत है।**

A. कौशल्या सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (1964)

B. कामेश्वर सिह बनाम बिहार राज्य (1972)

C. PUCN बनाम भारत संघ (2000)

D. दीना बनाम भारत संघ (1983)

उत्तरः (A)

14. **किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फुटपाथ पर व्यापार करना हमारा मौलिक अधिकार है।**

A. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2004)

B. दीना बनाम भारत संघ (1983)

C. सोदान सिंह बनाम नई दिल्ली नगरपालिका कमेटी (1989)

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (C)

15. **किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोग बिना हथियार व शांतिपूर्ण ढंग से सभा सम्मेलन व धरना प्रदर्शन कर सकते है। जो हमारे मौलिक अधिकार में आता है।**

A. दीना बनाम भारत संघ (1983)

B. PUC एन बनाम भारत संद्य (2000)

C. कामेश्वर सिंह बनाम बिहार राज्य (1972)

D. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2004)

उत्तरः (C) Note:हम धरना प्रदर्शन कर सकते है लेकिन हम हड़ताल नहीं कर सकते है। हड़ताल 19(i)b के अनुसार हमारा मौलिक अधिकार नहीं है।

16. **किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने भविष्यलक्ष्मी प्रभाव का सिद्धांत प्रतिपादित किया था।**

A. शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ (1951)

B. केशवानंद भारतीय बनाम भारत संघ (1973)

C. गोलकनाथ बनाम (1967) पंजाब राज्य

D. मिनर्वा मिल बनाम भारत संघ (1980)

उत्तरः (C)

17. **उच्चतम न्यायालय ने निम्न में से किस वाद में किन्नर (ट्रांसजेंडर) को तीसरे लिंग के रूप में स्वीकार किया है, जिन्हें सभी अधिकार एवं आरक्षण का अधिकार प्राप्त है-**

A. नालसा (NLSA) बनाम भारत संघ

B. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

C. मिनर्वा मिल्स यूनियन ऑफ इंडिया

D. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (A)

18. **किस वाद में न्यायालय ने कहा कि किसी महिला के गर्भावस्था के दौरान लिंग परीक्षण नहीं कराया जायेगा, इससे अनु.-21 का उल्लंघन होगा-**

A. सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन

B. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

C. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

D. विजय शर्मा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

19. **उच्चतम न्यायालय ने निम्नलिखित में से किस वाद में अनु.-21 के तहत जिविकोपार्जन का अधिकार मौलिक अधिकार बताया है?**

A. प्रभुदत्त बनाम भारत संघ

B. ओलेगा तेलीस बनाम बाम्बे म्युन्सिपल कार्पोरेशन

C. कॉमन काज बनाम भारत संघ

D. एम. सी. महता बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)ओलेगा तेलीस बनाम बाम्बे म्युन्सिपल कॉर्पोरेशन

20. **प्रेस की स्वतंत्रता के किस वाद में समाचारों को जानने का अधिकार आता है?**

A. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

B. PUCN बनाम भारत संघ (2002)

C. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य (1994)

D. प्रभुदत्त बनाम भारत संघ (1982)

उत्तरः (D)

21. **SC के अनुसार निम्नलिखित में कौन-सा सह-सम्मान मरना अनुच्छेद-21 के तहत मौलिक अधिकार है?**

A. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

B. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

C. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ (2018)

D. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (C)

22. किस वाद में SC ने कहा कि अनुच्छेद 19(1)(D) के अन्तर्गत विदेश घूमना हमारा मौलिक अधिकार है?

A. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

B. प्रभुदत्त बनाम भारत संघ

C. कॉन कॉज भारत संघ

D. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

23. किस वाद में न्यायालय ने कहा कि Art-21 के तहत भारत के लोगों के लिए स्वच्छ वातावरण या पर्यावरण पाना मौलिक अधिकार है।

A. परमानन्द कटारा बनाम भारत संघ

B. एम. सी. मेहता बनाम भारत संघ (1986)

C. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य (1979)

D. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन (1980)

उत्तरः (B)

24. किस वाद में न्यायालय ने कहा Art-21 के तहत भारत के लोगों के लिए नि:शुल्क विधिक सहायता पाना मौलिक अधिकार है।

A. महान्यायवादी बनाम लिच्छमा देवी (1996)

B. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य (1979)

C. चमेली सिंह बनाम भारत संघ

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (B)

25. किस वाद में न्यायालय ने कहा कि किसी व्यक्ति को फांसी की सजा सुनाई गई है तो उसे सार्वजनिक स्थल पर फांसी नहीं दी जाएगी।

A. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

B. महान्यावादी बनाम लिच्छमा देवी

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (B)

26. किस वाद में न्यायालय ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति को हथकड़ी नही लगायी जाएगी।

A. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ (2004)

B. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन (1980)

C. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

D. प्रभुदत्त बनाम भारत संघ (1982)

उत्तरः (B)

27. किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद-21 के तहत आश्रय (घर मकान) पाना मौलिक अधिकार है।

A. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (1998)

B. केशवानंद बनाम केरल राज्य (1973)

C. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ (2018)

D. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

28. किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रगान गाने के लिए किसी व्यक्ति को बाध्य नहीं किया जाएगा।

A. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

B. इमैनुअल बनाम केरल राज्य (1986)

C. नवतेज सिंह जोहर बनाम भारत संघ (2018)

D. ज्ञान कौर बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

29. किस वाद में न्यायालय ने कहा अनु.-19(i)a के तहत विचार एवं अभिव्यक्ति की आजादी में प्रेस की स्वतंत्रता अंतर्निहित है।

A. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

B. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

C. नालसा (NLSA) बनाम भारत संघ

D. साकल पेपर्स लिमिटेड बनाम भारत संघ (1962)

उत्तरः (D)

30. किस वाद में न्यायालय ने कहा कि अनु.-21 के तहत नि:शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करना भारत के लोगों का मौलिक अधिकार है।

A. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

B. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

C. एम. एम. हासकार बनाम महाराष्ट्र राज्य (1978)

D. इंदिरा सहानी बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

31. किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनु. 19(i)a के तहत झण्डा फहराना हमारा मौलिक अधिकार है।

A. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ (2004)

B. मिनर्वा मिल्स बनाम यूनियन आफ इंडिया

C. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

D. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

उत्तरः (A)

32. किस न्यायिक वाद में उच्चतम न्यायालय ने न्यायिक पुनर्रावलोकन को मूल ढाँचा घोषित किया है।

A. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

B. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

C. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

D. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

उत्तरः (A)

Note :**इस वाद में मौलिक अधिकार व राज्य नीति-निर्देश तत्वों को एक दूसरे के पूरक बताया गया है।**

33. टेलीफोन को टेप करना अनु.-21 का उल्लंघन बताया है। यह सुप्रीम कोर्ट ने किस वाद में कहा है।

A. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

B. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

C. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

D. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिवर्टीज बनाम भारत संघ

उत्तरः (D)

34. किस वाद में SC के अनुसार अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अभिरक्षा (Police Custody रिमांड) 15 दिनों से अधिक की नहीं हो सकेगी, यदि आवश्यक हुआ तो इसके बाद अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा (Judicial custody) में रखा जायेगा?

A. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)

B. हुस्नारा खातून बनाम राज्य (1979)

C. देवेन्द्र कुमार बनाम हरियाणा राज्य

D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

35. SC के अनुसार किस वाद में पुलिस की प्रताड़ना को अनुच्छेद-21 का उल्लंघन माना गया है?

A. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश (1998)

B. मध्य प्रदेश राज्य बनाम मदनलाल

C. लूसी ग्रे बनाम गोवा राज्य (1992)

D. शकीला अब्दुल गफ्फार बनाम बसंत रघुनाथ ठोकने (2003)

उत्तरः (D)

36. किसवाद में अनु-21 के तहत जीने के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया है?

A. ज्ञानकौर बनाम भारत संघ

B. P. U. C. N. बनाम भारत संघ

C. दीना बनाम भारत संघ

D. ओमप्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2004)

उत्तरः (A)

37. किस वाद में SC के अनुसार शादी के बाद पत्नी से बिना पत्नी की अनुमति के यौन-संबंध बनाना और बच्चे पैदा करने के लिए दबाव बनाना अनु.-21 का उल्लंघन माना गया है।

A. एम. एम. हासकार बनाम महाराष्ट्र राज्य

B. प्रेमशंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

C. सुचीता श्रीवास्तव बनाम चण्डीगढ़ प्रशासन

D. नालसा (NLSA) बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

38. SC के किस वाद में AIDS पीड़ित के सार्वजनिक स्थल पर घूमने पर रोक लगाई गई है?

A. लूसी ग्रे बनाम गोवा राज्य

B. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

C. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (A)

39. न्यायालय ने किस वाद में बताया है कि मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं किया जा सकता और संविधान संशोधन की शक्ति को सीमित किया है?

A. महान्यवादी बनाम लिच्छमा देवी

B. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

C. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

D. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (D)

40. सुप्रीम कोर्ट ने किस वाद में फेक एनकाउंटर करना अनु.-21 का उल्लंघन बताया है।

A. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिवर्टीज बनाम भारत संघ

B. मोनिका गाँधी बनाम भारत संघ

C. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

D. परमानंद कटारा बनाम संघ (भारत)

उत्तरः (A)

41. बकरा ईद पर गाय नही काट सकते है। इस पर राज्य रोक लगा सकता है। यह सुप्रीम कोर्ट किस वाद में कहा था।

A. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ

B. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

C. पश्चिम बंगाल राज्य बनाम आशुतोष लाहिडी

D. मिर्नावा मिल्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया

उत्तरः (C)

42. सुप्रीम कोर्ट ने किस वाद में कहा कि पंथनिरपेक्षता संविधान का मूल ढाँचा है।

A. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

B. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

C. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

D. S. R. बोम्मई बनाम भारत संघ

उत्तरः (D)

43. सुप्रीम कोर्ट ने किस वाद में कहा था कि प्रस्तावना संविधान का अंग नहीं है। तथा संशोधन नहीं कर सकते है। जहाँ संविधान की भाषा संदिग्ध या मौन है। वहां हम प्रस्तावना का सहारा लेते है। और फैसला सुनाते है।

A. वेरुवाडी संघ केस

B. केशवानन्द भारती बनाम केरल

C. गोलखनाथ बनाम पंजाब राज्य

D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

44. सुप्रीम कोर्ट ने किस वाद में बताया कि प्रस्तावना संविधान का अंग है। मौलिक ढाँचे को छोड़कर संशोधन कर सकते है तथा यह न्याय योग्य नहीं है।

A. वेरुवाडी संघ केस

B. केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य

C. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

D. M. C. मेहता बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

Note : सुप्रीम कोर्ट अब केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य के वाद को ही मान्य मानता है।

45. निम्नलिखित में से किस वाद में SC के अनुसार भारत रत्न देने से उपाधियों का अन्त अनु.-18 का उल्लंघन नहीं हो रहा है?

A. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

B. परमानन्द कटारा बनाम भारत संघ

C. बालाजी राघवन बनाम भारत संघ

D. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

उत्तर: (C)

46. 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के कारखाने, खान या अन्य संकटपूर्ण कार्य में नियुक्त नहीं किया जा सकता SC के अनुसार किस वाद के अन्तर्गत है?

A. एम. सी. महता बनाम तमिलनाडु राज्य (1996)

B. मोनिका गाँधी बनाम भारत संघ

C. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ

D. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

उत्तर: (A)

47. उच्चतम न्यायालय ने निम्नलिखित में से किस वाद में कॉलेजों में होने वाली रैकिंग पर रोक लगाई है?

A. वच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

B. केरल विश्वविद्यालय बनाम काउंसिल प्रिंसिपल्स ऑफ कॉलेज (2007)

C. S. R. वोम्मर्ड बनाम भारत संघ

D. M. C. मेहता बनाम भारत संघ

उत्तर: (B)

48. किस वाद के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय में वैश्याओं के बच्चों के लिए सार्वजनिक रूप से शिक्षा प्रदान करने की मांग की गई थी?

A. इमैनुअल बनाम केरल राज्य

B. गौरव जैन बनाम भारत संघ

C. लुसी ग्रे बनाम गोवा राज्य

D. दीना बनाम भारत संघ

उत्तर: (B) व्याख्या: इस वाद के अन्तर्गत गौरव जैन ने जनहित याचिका के तहत वैश्याओं के बच्चों के लिए सार्वजनिक शिक्षा की मांग की थी, लेकिन न्यायालय ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

49. स्वच्छ हवा, स्वच्छ भोजन, स्वच्छ पानी पाना अनु.-21 के तहत भारत के लोगों का मौलिक अधिकार है, SC के अनुसार यह किस वाद में उल्लेखित है?

A. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य

B. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

C. विजय शर्मा बनाम श्रीमति इबल

D. PVCN बनाम भारत संघ

उत्तर: (C)

50. वोटर लिस्ट में नाम आ जाने से आप भारत के नागरिक नहीं है। SC ने यह किस वाद में कहा था?

A. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

B. देवेन्द्र कुमार बनाम बिहार राज्य

C. भंवारू खान बनाम भारत संघ

D. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

उत्तर: (C)

51. किस वाद में जार क्रम की धारा - 497 को असंवैधानिक घोषित किया गया है, क्योंकि इसके तहत अनु.-15(1) का अतिक्रमण होता है।

A. यूसुफ अब्दुल अजीज बनाम बम्बई राज्य

B. एम.एम. हासकार बनाम महाराष्ट्र राज्य

C. इंदिरा सहानी बनाम भारत संघ

D. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

उत्तर: (A)

52. SC/ST, OBC में शैक्षिक संस्थान में आरक्षण हेतु SC के अनुसार किस वाद में दर्शाया गया है?

A. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ

B. चम्पाकम दोराईजन वाद

C. नवजोत सिंह जोहर बनाम भारत संघ

D. इमैनुअल बनाम केरल राज्य (1986)

उत्तर: (B)

53. किस वाद में SC ने बताया कि OBC को 27% आरक्षण दिया गया है?

A. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

B. नालसा (NLSA) बनाम भारत संघ

C. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

D. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

उत्तर: (D) व्याख्या: OBC के बाद में 27% आरक्षण दिया गया है जो 50% से अधिक नहीं हो सकता, अनु.-16(4) के तहत, और पदोन्नति में आरक्षण नहीं था इसे निष्प्रभाव करने के लिए 77वाँ संविधान किया गया और 16(4)क जोड़कर पदोन्नति में भी आरक्षण दिया जाने लगा है।

54. किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि कोई क्षेत्र भारतीय सीमा के अन्दर है। और किसी विदेश को दिया जायेगा। तो इसके लिए संविधान संशोधन मान्य होगा।

A. वेरुवाडी संघ 1960

B. महान्यवादी बनाम लिच्छमा देवी (1996)

C. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)

D. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

उत्तर: (A)

Note : अनु. 4 में अनु. 2 व अनु. 3 के तहत बनाई गई विधि को अनु. 368 के अधीन संविधान संशोधित नहीं किया जायेगा।

55. किस वाद में SC ने फैसला सुनाया कि गैर-सरकारी संस्थानों और अल्पसंख्यक संस्थानों में आरक्षण नहीं दिया जायेगा।

A. P. A. ईमानदार बनाम महाराष्ट्र राज्य

B. S. P. आनन्द बनाम H. D. देवगौड़ा (1996)

C. दीना बनाम भारत संघ

D. इपरु बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामला (2006)

उत्तरः (A) व्याख्याः इस वाद को निष्क्रय करने के लिए 93वां संविधान संशोधन करके 15(5) जोड़ा गया जिसमें गैर सरकारी संस्थानों में भी आरक्षण दिया जाने लगा, लेकिन अल्पसंख्यक संस्थानों में आज भी अपवाद है। बाद में ''अशोक ठाकुर बनाम भारत संघ'' में SC ने 15(5) को वैध ठहराया था।

56. मादक पदार्थ (शराब, गांजा, अफीम आदि) का व्यापार करने का अधिकार किसी व्यक्ति का मूल अधिकार नहीं है यह केवल राज्य सरकार के पास है।

A. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)

B. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश (1998)

C. महान्यवादी बनाम लिच्छमा देवी (1996)

D. लाखनलाल बनाम उड़ीसा राज्य (1977)

उत्तरः (D)

57. सरकारी डॉक्टर गैर-सरकारी संस्थानों में अभ्यास नहीं कर सकते SC के अनुसार यह निम्नलिखित में से किस वाद में उल्लेखित है?

A. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

B. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

C. सुकुमार मुखर्जी बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1993)

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (C)

58. उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में बताया कि चरित्रहीन महिला को भी निजता का अधिकार है?

A. महाराष्ट्र राज्य बनाम मधुकर नारायण (1991)

B. S. R. वोम्मई बनाम भारत संघ

C. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

D. लूसी ग्रे बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (A)

59. SC के अनुसार किस वाद में पुलिस रात को किसी नागरिक का दरवाजा नहीं खटखटा सकती यह अनु.-21 का उल्लंघन है?

A. खड़गसिंह बनाम पंजाब राज्य

B. एम. एम. हासकार बनाम महाराष्ट्र राज्य

C. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

D. नालसा (NLSA) बनाम भारत संघ

उत्तरः (A) व्याख्याः इस वाद के अनुसार महिला को महिला पुलिस आरक्षी द्वारा दिन में ही गिरफ्तार किया जा सकता है।

60. प्राथमिक शिक्षा निःशुल्क पाना हमारा मौलिक अधिकार है उच्चतम न्यायालय के अनुसार यह निम्नलिखित में से किस वाद में उल्लेखित है?

A. उन्नीकृष्णन बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (1993)

B. A. R. चौहान बनाम पंजाब राज्य 2001

C. इपरु बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामला (2006)

D. दीना बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

61. निम्नलिखित में से किस वाद में M. P. MLA या MLC या कोई अन्य सदस्य किसी अपराध का दोषी हो और न्यूनतम 2 वर्ष का कारावास हो तो वह सदस्य अपनी तत्काल सदस्यता खो देगा।

A. S. P. आनन्द बनाम H. D. देवगौड़ा (1996)

B. वच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

C. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

D. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

उत्तरः (D) व्याख्याः इसके अन्तर्गत सदस्य को 5 वर्षो के लिए प्रतिबंधित किया जायेगा।

62. किस वाद के अनुसार दूसरी शादी दण्डनीय अपराध है, लेकिन वैध मानी जायेगी?

A. महान्यवादी बनाम लिच्छमा देवी

B. सरला मुदगल बनाम भारत संघ

C. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

D. प्रेमशंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

उत्तरः (B)

63. व्यस्क अर्न्तजातीय विवाह का अधिकार भारत के लोगों का मौलिक अधिकार है निम्नलिखित में से SC के अनुसार किस वाद में उल्लेखित है?

A. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिवर्टीज बनाम भारत संघ

B. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

C. लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

D. मोनिका गाँधी बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

64. किस वाद में SC के अनुसार मृत्युदण्ड देना संवैधानिक है इसमें अनु-14, 19, 21 का उल्लंघन नहीं माना जाता।

A. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ

B. जयप्रकाश सिंह बनाम बिहार राज्य (2012)

C. पश्चिम बंगाल राज्य बनाम आशुतोष लाहिडी

D. मिनर्वा मिल्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया

उत्तरः (B)

65. अनुदान एक संस्था के अल्पसंख्यक स्वरूप को नहीं बदल सकता यह SC ने किस वाद में कहा है?

A. S. R. वोम्मर्ड बनाम भारत संघ

B. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

D. सेंट स्टीफेंस कॉलेज

उत्तरः (D)

66. किस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि अगर राष्ट्रपति किसी व्यक्ति को क्षमा करता है तो इसकी जाँच की जा सकती है। क्योंकि फैसला किसी दबाव में आकर तो नहीं दिया गया।

A. इपरू बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामला (2006)

B. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

C. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य

D. दीना बनाम भारत संघ

उत्तरः (A) Note : राष्ट्रपति क्षमा दान देता है **अनु. 72 के** अनुसार

67. किस केस में सर्वोच्च न्यायलय ने कहा था कि, "किसी भी नागरिक को मंत्रिपरिषद का सदस्य या (PM) प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। चाहे वो लोक सभा व राज्य सभा का सदस्य हो या न हो। पर उसे 6 महीने के अन्दर किसी भी सदन की सदस्यता ग्रहण करनी होती है।

A. AR चौहान बनाम पंजाब राज्य 2001

B. S. P. आनन्द बनाम H. D. देवगौड़ा 1996

C. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

D. लूसी ग्रे बनाम गोवा राज्य

उत्तरः (B)

68. किस मामले में न्यायालय ने कहा था कि अगर कोई व्यक्ति मंत्री बन गया और वह सदस्यता ग्रहण नहीं कर पाया तो 6 महीने के अन्दर उसे अपना त्याग पत्र देना पड़ेगा। और उसे दोबारा मंत्री नहीं बनाया जाएगा।

A. AR चौहान बनाम पंजाब राज्य 2001

B. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

C. ज्ञानकौर बनाम भारत संघ

D. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (A)

69. SC के अनुसार निम्नलिखित में से किस वाद में अनुसूचित क्षेत्रों में सरकारी जमीन खनन या कम्पनी के लिए पट्टे पर नहीं दी जायेगी।

A. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ

B. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

C. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

D. मिर्नावा मिल्स यूनियन ऑफ इंडिया

उत्तरः (B)

70. जो लोग अनायास ही राज्य की हिरासत में हैं उनके प्रति सरकार का सुरक्षा का दायित्व है, यह किस वाद के अंतर्गत है।

A. नीलावती बेहरा बाम उड़ीसा राज्य

B. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

C. S. R. वोम्मई बनाम भारत संघ

D. मेनका गाँधी बनाम दिल्ली प्रशासन

उत्तरः (A)

71. SC के अनुसार बलात्कार समझौते का विचार अवैध है यह किस वाद में उल्लेखित है।

A. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

B. एम.एम. हासकर बनाम महाराष्ट्र राज्य

C. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

72. उच्च न्यायालय के अनुसार निम्नलिखित में से किस वाद में तात्कालिक न्याय का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।

A. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

B. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिवर्टीज बनाम भारत संघ

C. मिनर्वा मिल्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया

D. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य (1979)

उत्तरः (D)

73. SC ने किस वाद में कहा कोई भी अविवाहित माँ बच्चे के पिता को बिना बताये बच्चे का एक मात्र अभिभावक बनने का आवेदन प्रस्तुत कर सकती है।

A. A, B, C बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCT)

B. M. C. महता बनाम तमिलनाडु राज्य

C. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

D. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

74. किस वाद के अन्तर्गत SC द्वारा RBI को सूचना के अधिकार अधिनियम में शामिल कर लिया गया।

A. चम्पाकम दोराईजन वाद

B. RBI बनाम जयंती लाल मिस्त्री

C. नवजोत सिंह जोहर बनाम भारत संघ

D. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

उत्तरः (B)

75. किस वाद में समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान है। जो अनु.-39(D) में उल्लेखित है।

A. देवेन्द्र कुमार बनाम हरियाणा राज्य

B. मध्य प्रदेश बनाम मदनलाल

C. रणधीर सिंह बनाम भारत संघ

D. PUCN बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

76. मृत्यु दण्ड के आजीवन कारावास में बदलने की शक्ति राष्ट्रपति को प्राप्त है यह SC के अनुसार किस वाद में कहा गया है।

A. लाखनलाल बनाम उड़ीसा राज्य (1977)

B. शेरसिंह बनाम स्टेट ऑफ पंजाब

C. वेरूवाडी संघ 1960

D. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

77. बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट पर विचार करते समय निरूध व्यक्ति का न्यायालय के समक्ष उपस्थित रहना आवश्यक नहीं है यह SC ने किस वाद में दर्शाया है।

A. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

B. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

C. कालू सान्यालD. M. डार्जिलिंग

D. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

उत्तरः (C)

78. किन्नर को तीसरे लिंग के अनुसार स्वीकार किया गया है, यह SC ने किस वाद में कहा है।

A. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)

B. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य (1979)

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ (2001)

D. नेशनल लीगल सर्विस ऑथर्टी बनाम भारत संघ

उत्तरः (D)

79. SC ने किस वाद में कहा कि अनु.-72 और 161 के तहत दायर दया याचिकाएँ प्राप्त होने के तीन महीनों के अन्दर निपटा देनी चाहिए।

A. शेरसिंह बनाम पंजाब राज्य

B. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

C. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

D. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिवर्टीज बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

80. जनहित याचिका के जरिए नसबंदी के लक्ष्य हासिल में धांधलियों को उजागर करने के उद्देश्य से आर्थिक मुआवजा सुरक्षा सल्य-चिकित्सा के दिशा-निर्देश, SC ने किस वाद में दिए थे।

A. ज्ञानकौर बनाम भारत संघ

B. देविका विश्वास बनाम भारत संघ

C. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2004)

D. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

81. सरकारी अधिकारियों ने शिकायतकर्ता को मृत घोषित कर दिया था उसे तब पता चला जब वह ऋण अनुमोदन के लिए बैंक गया यह घटना किस वाद में है।

A. लाल बिहारी मुकद्मा (1975-1994)

B. चम्पाकम दोराईजन वाद

C. M. C. महता बनाम तमिलनाडु राज्य

D. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (A)

82. निम्नलिखित में से किस वाद में SC के अनुसार बंधुवा मजदूरों को मुक्त व पुर्नवास की व्यवस्था है।

A. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

B. शेरसिंह बनाम स्टेट ऑफ पंजाब

C. नीरजा चौधरी बनाम उत्तर प्रदेश

D. P. U. C. N. बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

83. मौलिक अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है लेकिन 9वीं अनुसूची बाध्य योग्य नहीं है जिसमें न्याय पुर्नाविलोकन नहीं कर सकते यह किस वाद में दर्शाया गया है।

A. A, B, C बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCT)

B. चम्पाकम दोराईजन वाद

C. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

D. शंकरी प्रसाद बनाम भारत सरकार

उत्तरः (D)

84. राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्ति का पुर्नावलोकन किया जा सकता है यह SC के अनुसार किस वाद में उल्लेखित है।

A. AR चौहान बनाम पंजाब राज्य 2001

B. ज्ञानकौर बनाम भारत संघ

C. इपुरु बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (2006)

D. बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (C)

85. निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करना भारत के लोगों का मौलिक अधिकार है। यह SC ने किस वाद में बताया है।

A. सेंट स्टीफेंस कॉलेज

B. मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

D. लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

उत्तरः (B)

86. उच्च जाति की महिला का पिछड़ी जाती के पुरुष से विवाह करने के बाद उस महिला का आरक्षण का अधिकार नहीं होगा यह SC के किस वाद में उल्लेखित है।

A. इंडियन एक्सप्रेस न्यूज बनाम भारत संघ

B. इपरू बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामला (2006)

C. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

D. दीना बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

87. साक्षात्कार के आधार पर नियुक्ति नहीं की जा सकती यह उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में उल्लेखित किया है।

A. शेर सिंह बनाम पंजाब राज्य

B. ज्ञानकौर बनाम भारत संघ

C. प्रवीन सिंह बनाम पंजाब राज्य

D. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

उत्तरः (C)

88. उच्चतम न्यायालय के अनुसार निम्नलिखित में से किस वाद में जीवकोपार्जन करना भारतीयों का मौलिक अधिकार है।

A. सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य

B. P. U. C. N. बनाम भारत संघ

C. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

D. लाल बिहारी मुकद्मा (1975-1994)

उत्तरः (A)

89. किस वाद में उच्चतम न्यायलय ने कहा कि जनहित याचिका को एक बार दायर करने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता?

A. शीला वारसे बनाम भारत संघ व अन्य 1986

B. उपेंद्र वक्शी बनाम भारत संघ

C. चेरिमन बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तरः (A)

90. प्रदूषण को रोकने के संबंध में निम्न में से कौन जनहित वाद है?

A. दामोदर राव बनाम एसओ कार्पोरेशन हैदराबाद 1987 एस, सी

B. तरूण भगतसिंह बनाम भारत संघ, 1993 एस. सी.

C. मुरली एस. देबरा बनाम भारत संघ, 2001 एससी

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (D) Note : दामोदर राव मामले में सार्वजनिक उद्यान समाप्त कर आवास गृह बनाने से रोका गया।

- तरूण भगत मामले में वन प्रदेश में खनन गतिविधि पर रोक लगाई गई।
- मुरली डी देवरा मामले में सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान निषिद्ध किया गया।

91. किस वाद में एसिड अटैक पीड़ित व्यक्ति को पूर्ण उपचार दवा भोजन आवश्यक सर्जरी व और 2 महीने के अंदर 3 लाख रुपये उपलब्ध कराया जाए।

A. लक्ष्मी बनाम भारत संघ (2015)

B. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

C. M. C. महता बनाम भारत संघ

D. विशाका बना राजस्थान राज्य

उत्तरः (A)

92. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि अपनी पत्नी का भरण-पोषण करने का पति का उत्तरदायित्व है।

A. लोकतंत्र के लिए नागरिक बनाम असम राज्य

B. शमीमा फारूकी बनाम शाहिद खान (2015)

C. परमानन्द कटारा बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (B)

93. किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह निर्धारित किया कि पत्र लिखकर भी जनहित याचिका दायर की जा सकती है?

A. एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ (1982)

B. पीपुल्स यूनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स बनाम भारत संघ, (1982)

C. वी. पुरुषोत्तम राय बनाम भारत संघ (2002)

D. डॉ. बी. सिंह बनाम भारत संघ (2004)

उत्तरः (A)

94. उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में कहा कि जनहित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान प्रक्रिया से संबंधित औपचारिकताओं में नहीं पड़ना चाहिए।

A. रामशरण बनाम भारत संघ

B. रूरल लिटिगेशन एंड इंटाइलमेंट केन्द्र बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

C. उपर्युक्त**(A)**तथा **(B)** दोनों

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तरः (C) व्याख्याः उपर्युक्त दोनों वाद में न्यायालय ने प्रक्रिया की औपचारिकताओं से दूर रहने के लिए कहा ताकि पीड़ित पक्ष को बिना किस परेशानी के त्वरित न्याय मिल सके।

95. किस जनहित याचिका मामले में अदालत ने पंचायतों में विशिष्ट कार्यलयों के पद के लिए ''दो या दो से अधिक जीवित बच्चों वाले व्यक्ति'' को अयोग्य ठहराया है?

A. विशिका बनाम राजस्थान राज्य

B. एम. सी. महता बनाम भारत संघ

C. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

D. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

उत्तरः (D)

96. महिलाओं के कल्याण के लिए निम्न में से कौन जनहित वाद है?

A. गौरव जैन बनाम भारत संघ

B. उपेंद्र बक्शी बनाम भारत संघ

C. डोमोस्टिक वर्किंग विमेन फोरम बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (D) व्याख्याः गौरव जैन मामले में न्यायालय ने कहा कि राज्य, गैर-सरकार संगठन और जनहित भावना से युक्त व्यक्तियों का कर्तव्य है कि वे उन महिलाओं की सहायता के लिए आगे आएं जो रेडलाइट एरिया में रहती है।

97. ''त्वरित न्याय का अधिकार'' एक ऐसा मौलिक अधिकार है जिसकी गारंटी जीवन के अधिकार के तहत दी जाती है। मूलतः एक जनहित याचिका के कारण ही इसकी घोषणा हुई थी, वह याचिका .... थी।

A. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

B. लोकतंत्र के लिए नागरिक बनाम असम राज्य

C. बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ

D. एस. पी. गुप्ता बनाम भारत संघ

उत्तरः (A) व्याख्याः हुस्नाराखातून बनाम बिहार राज्य के बाद में न्यायालय ने यह निर्णय निर्णित किया कि, ''त्वरित न्याय का अधिकार'' एक ऐसा मौलिक अधिकार है। जिसकी गारंटी जीवन के अधिकार के तहत दी जाती है। यह मूलतः एक जनहित याचिका थी।

98. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि मजिस्ट्रेट अन्य एजेंसी के द्वारा पुनः अन्वेषण हेतु निर्देश देने का क्षेत्राधिकार नहीं रखता।

A. चन्द्र वाबू एवं मोरनेस बनाम राज्य (2015)

B. बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ

C. चेरियन बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (A)

99. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि लोकायुक्त पुलिस स्टेशन से सम्बंध पुलिस इंस्पेक्टर I. P. C. , CRPC बौर P. C. एक्ट के उपबंधों के तहत किसी व्यक्ति के विरूद्ध संज्ञेय अपराध अभिलिखित करने का अधिकार रखता है।

A. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

B. यूनस जिया बनाम कर्नाटक राज्य (2015)

C. बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ

D. एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

100. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि विशेष लोक अभियोजक धारा 24(8) जिसे विचारक के लिए नियुक्ति किया गया है। अपील में धारा 301 के आधार पर प्रस्तुत नहीं हो सकता है।

A. के अनवझगन बनाम कर्नाटक राज्य (2015) S. C. C

B. गौरव जैन बनाम भारत संघ

C. उपेन्द्र वक्शी बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तरः (A)

101. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि गंभीर मामलों में एफ.आई.आर अभिखण्डित नहीं की जा सकती क्योंकि वह लोकनीति और दाण्डिक न्याय प्रशासन प्रणाली के विरूद्ध होगा।

A. डोमेस्टिक वर्किंग वुमेन कोरम बनाम भारत संघ

B. एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ

C. मध्य प्रदेश राज्य बनाम राजवीर सिंह (2016)

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (C)

102. न्यायालय ने किस जनहित वाद में दियासलाई बनाने में बच्चे को नियोजन से मना किया?

A. एम. सी. महता बनाम तमिलनाडु राज्य, (1991)

B. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

C. कुदलबाला बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

D. उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तरः (A) व्याख्याः एम. सी. मेहता बनाम तमिलनाडु राज्य, (1991) में न्यायालय ने निर्धारित किया कि दियासलाई बनाने वाले कारखाने में जहाँ तीली में ज्वलनशील मशाला लगाया जाता है, बच्चों को नियोजित नहीं किया जा सकता।

103. स्वास्थ्य से संबंधित जनहित वाद कौन-सा है?

A. अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड बनाम चंद्रिका दास

B. शोभारानी बनाम मधुकर रेड्डी

C. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ (1989)

D. उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तरः (C) व्याख्याः उच्चतम न्यायालय ने परमानंद कटारा मामले में कहा कि प्रत्येक रोगी को चाहे वह पुरुष हो या स्त्री, जवान हो या बूढ़ा अथवा बच्चा तुरंत चिकित्सीय सुविधा मिलनी चाहिए।

104. एक मानवाधिकार कार्यकर्ता द्वारा दायर की गई किस जनहित याचिका ने इस बात पर बल दिया, कि चिकित्सा के पेशे से जुड़े हर सदस्य का यह सर्वोपरि दायित्व है कि वह किसी भी प्रक्रियागत औपचारिकता की प्रतीक्षा न करके, हर घायल नागरिक को जल्द-से-जल्द चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराए?

A. मध्य प्रदेश राज्य बनाम मदनलाल

B. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

C. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

D. एस. पी. गुप्ता बनाम भारत संघ

उत्तरः (B) व्याख्याः परमानंद कटारा बनाम भारत संघ के मामले में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि चिकित्सकीय सहायता भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है।

105. किस वाद में प्रस्तावना को संविधान का अभिन्न अंग माना गया?

A. केशवानंद भारती का वाद

B. इनरी बेरूबाड़ी का वाद

C. मेनका गाँधी का वाद

D. गोलकनाथ का वाद

उत्तरः (A) व्याख्याः भारतीय संविधान की उद्देशिका से संबंधित प्रमुख वाद इनरी बेरूबाड़ी का वाद तथा केशवानंद भारती का वाद है। ''केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य, 1973'' के बाद में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि संविधान की उद्देशिका संविधान का भाग है।

106. किस न्यायिक मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह माना कि पहली शादी के रहते हुए दूसरी शादी करना एक दंडनीय अपराध है, हालांकि इससे दूसरी शादी अमान्य नहीं होगी?

A. सरला मुद्‌गल बनाम भारत संघ

B. पी.ए. इनामदार बनाम महराष्ट्र राज्य

C. मध्य प्रदेश राज्य बनाम महाराष्ट्र राज्य

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (A)

107. किस वाद में अभिनिर्धारण किया गया कि निर्णय सुनाए जाने के पूर्व किसी भी समय आरोप को परिवर्तित करने या उसमें वृद्धि करने की न्यायालय को शक्ति है।

A. अनन्त प्रकाश सिन्हा बनाम हरि (2016)

B. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

C. अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड बनाम चंडिका दास

D. उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तरः (A)

108. किस वाद में बताया गया है कि पति-पत्नी को उनके सामाजिक स्टेटस के अनुसार, मान-सम्मान से जीवन जीने लायक भरण-पोषण देने के कर्त्तव्य से बाध्य है।

A. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

B. पी.ए. इनामदार महाराष्ट्र राज्य

C. भुवन मोहन सिंह बनाम मीना

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (C)

109. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया है कि H. C. विचारण न्यायालय में न उठाये गये आधारों पर निर्णय में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

A. डी. पी. जोशी बनाम मध्य भारत राज्य

B. मद्रास राज्य बनाम चम्पाकम दोराइजन

C. नंद गोपाल बनाम केरल राज्य

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C)

110. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि यह न्यायालय का कर्त्तव्य है कि उचित दण्डादेश पारित करे। दण्डादेश अभियुक्त के लिए ही उचित न हो बल्कि पीड़ित और समाज के पक्ष में भी हो।

A. देवदास बनाम भारत संघ

B. सुरेश बनाम हरियाणा राज्य

C. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B)

111. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि जल अभियुक्त स्वयं न्यायालय के समक्ष हाजिर होकर सरेंडर हेतु प्रार्थनाप्रत्र दे तथा साथ ही जमानत हेतु आवेदन करे तो पहले उच्च न्यायालय सरेंडर की कार्यवाही करे।

A. प्रदीप जैन वनाम भारत संघ

B. वालाजी बनाम मैसूर राज्य

C. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

D. संदीप कुमार नाफना बनाम महाराष्ट्र राज्य

उत्तरः (D)

112. निम्नलिखित में से किस वाद में ''पंथनिरपेक्षता'' को भारतीय संविधान का मूलभूत (आधारित) लक्षण कहा गया है?

A. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

B. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

C. एस. आर. बोम्मई बनाम भारत संघ

D. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

उत्तरः (C) व्याख्याः एस. आर. बोम्मई बनाम भारत संघ, (1994) के बाद में अभिनिर्धारित किया गया था कि पंथ निरपेक्षता संविधान का मूल ढांचा है।

- पंथनिरपेक्षता शब्द भारतीय संविधान की उद्देशिका में 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया है।

113. निम्नलिखित कौन-सा द्विविवाह के अपराध, वैयक्तिक विधियों और देश में समान नागरिक संहिता के लिए अत्यधिक आवश्यकता के बीच टकराव से संबंधित है। अदालत ने यह माना कि इस्लाम में परिवर्तित होने के बाद एक हिन्दू आदमी की दूसरी शादी अमान्य होगी, अगर पहली शादी भंग नहीं हुई है।

A. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

B. सरला मुद्गल बनाम भारत संघ

C. श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (B) व्याख्याः सरला मुद्गल बनाम भारत संघ, (1995) के मामले में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि इस्लाम में परिवर्तित होने के बाद एक हिन्दू व्यक्ति की दूसरी शादी अवैध होगी, यदि पहली शादी भंग नहीं हुई है।

114. उच्चतम न्यायालय के निम्नलिखित में से किस निर्णय के पश्चात संविधान संशोधन द्वारा सामाजिक तथा शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान जोड़े गए?

A. टी. देवदासन बनाम भारत संघ

B. डी. पी. जोशी बनाम मध्य भारत संघ

C. मद्रास राज्य बनाम चंपाकम दोराईजन

D. एम.आर. बालाजी बनाम मैसूर राज्य

उत्तरः (C)

115. निम्नलिखित में से किस मामले में निर्णय के कारण संविधान में पहला संशोधन हुआ?

A. K. M. नानावती बनाम महाराष्ट्र राज्य

B. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

C. चंपाकम दोराईजन बनाम मद्रास राज्य

D. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (C) व्याख्याः चम्पाकस दोराइजन बनाम मद्रास राज्य के मामले में निर्णय के कारण संविधान में पहला संशोधन हुआ। यह आरक्षण से संबंधित था, जिसमें न्यायालय ने अनु. 16(2) के अंतर्गत समता के अधिकार का उल्लंघन माना। इस निर्णय को निष्प्रभावी करने के लिए संविधान में पहला संशोधन हुआ।

116. किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती है?

A. बालाजी बनाम मैसूर राज्य

B. देवदासन बनाम भारत संघ

C. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

D. प्रदीप जैन बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

117. SC के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि जब अभियुक्त द्वारा धारा 313 1(6) का आक्षेप अपील न्यायालय में उठाया जाता है तो अपील न्यायालय अभियुक्त और उसके अधिवक्ता को उसके विरूद्ध स्थापित परिस्थितियों का स्पष्टीकरण देने हेतु आहत कर सकता है।

A. नरसिंह बनाम हरियाणा राज्य (2015)

B. मेनका गाँधी का वाद

C. पी.ए. इननामदार बनाम महाराष्ट्र राज्य

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (A)

118. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया है कि धारा 132 साक्ष्य अधिनियम में प्राप्त साक्ष्य वह साक्ष्य नहीं है। जिसका उपयोग I. P. C. की धारा 319 के उद्देश्य से किया जा सके।

A. अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड बनाम चंडिका दास

B. आर. दिनेश कुमार बनाम राज्य 2015

C. शोभारानी बनाम मधुकर रेड्डी

D. उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तरः (B)

119. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया है कि I. P. C. की धारा 307 के मामले में पक्षकारों में अपराध को शमन कराने का समझौता जबकि धारा 307 का अपराध अशमनीय प्रकृति का है।

A. कुदलबाला बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

B. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

C. मेनका गाँधी का वाद

D. मोहर सिंह बनाम राजस्थान राज्य (2015)

उत्तरः (D)

120. किस वाद में एक बार अभियुक्त का चिकित्सीय परीक्षण किया जा चुका था। अभियोजन पश्चावर्ती प्रक्रम पर पुनः परीक्षण करना चाहता है। निर्धारित किया गया कि यह अभियुक्त का सर्वोच्च कर्त्तव्य है कि वह अन्वेषण में सहायता करे। यदि उसे आपत्ति है तो वह इसे विचारण में उठा सकता है।

A. शिवा वल्लभानेनी बनाम कर्नाटक राज्य

B. वालाजी बनाम मैसूर राज्य

C. लिलि थॉमसन बनाम भारत संघ

D. S. R. वोम्मई बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

121. किस मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ''जो लोग अनायास ही राज्य की हिरासत में हैं, उनके प्रति सरकार का विशेष दायित्व है। यह सुनिश्चित करना पुलिस या जेल अधिकारियों की एक बड़ी जिम्मेदारी है कि उनकी हिरासत में किसी नागरिक को उसके जीवन के अधिकार से वंचित न किया जाए।

A. K. M. नानावटी बनाम महाराष्ट्र सरकार

B. नीलावती बेहेरा बनाम उड़ीसा सरकार

C. चम्पकम बेहेरा बनाम उड़ीसा सरकार

D. गोलकनाथ बनाम पंजाब सरकार

उत्तरः (B) व्याख्याः नीलाबती बेहरा बनाम उड़ीसा राज्य, (1993) में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि जो लोग अनायास ही राज्य की हिरासत में है, उनके प्रति सरकार का विशेष दायित्व है।

122. निम्नलिखित में कौन-सा/से इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ मामले में पारित फैसले के बारे में सही है/हैं?

(P)आरक्षण किसी भी तरह से मानदंड के 50% से अधिक नहीं होगा।

(Q)आरक्षण नीतियों के दौरान नवोन्नत वर्ग को अनिवार्य रूप से बाहर रखा जाना चाहिए।

(R) पदोन्नति में कोई आरक्षण नहीं होना चाहिए।

A. केवल (P)
B. (P),(Q)और (R) सभी
C. केवल (P) और (R)
D. केवल (P)और (Q)

उत्तरः (B)

123. किस न्यायिक मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह कहा कि कलात्मक स्वतंत्रता के नाम पर, महात्मा गाँधी जैसे किसी ''ऐतिहासिक रूप से सम्मानित'' व्यक्तित्व के विरूद्ध असभ्य शब्द प्रयोग नहीं किए जा सकते।

A. उत्तर प्रदेश राज्य बनाम राज नारायण

B. देवीदास बनाम महाराष्ट्र राज्य

C. लोक स्वातंत्र्य संगठन बनाम भारत संघ

D. कृष्णमूर्ति बनाम शिवकुमार

उत्तरः (B) व्याख्याः देवीदास बनाम महाराष्ट्र के न्यायिक मामले में उच्चतम न्यायलय (2015) ने यह कहा कि कलात्मक स्वतंत्रता के नाम पर महात्मा गाँधी जैसे किसी ''ऐतिहासिक रूप से सम्मानित'' व्यक्ति के विरूद्ध असभ्य शब्द प्रयोग नहीं किए जा सकते हैं।

124. निम्नलिखित में से किस मामले में यह फैसला किया गया था कि कई आजीवन कारावास एक साथ चलेंगे, और एक ही क्षमा दूसरे को प्रभावित नहीं करेगी?

A. A, B, C बनाम राज्य (दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)

B. यूथ बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया बनाम भारत संघ

C. मुथुरामलिंगम बनाम राज्य

D. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ

उत्तरः (C) व्याख्याः मथुरामलिंगम बनाम राज्य (2016) के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह फैसला किया था, कि कई आजीवन कारावास एक साथ चलेंगे और एक की क्षमा दूसरे को प्रभावित नहीं करेगी।

125. किस वाद में विचारण न्यायालय द्वारा पत्नी की हत्या के मामले में दोषमुक्ति को उच्च न्यायालय दोषसिद्धि में उलट दिया।

A. शीला वारसे बनाम भारत संघ

B. तरूण भगत सिंह बनाम भारत संघ

C. हरिजन भात्ला तेजा बनाम गुजरात राज्य

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C)

126. किस वाद में जहाँ अभियोक्त्री के साथ, जो कि दृष्टिहीन एवं एक अशिक्षित लड़की है, विवाह के वचन देने के बहाने पर यौन मैथुन किया गया था। अभियोक्त्री को धारा 357 'क' के अधीन वलात्संग के अपराध के लिये मुआवजे का हकदार निर्णीत किया गया।

A. टेकन उर्फ टेकराम बनाम छत्तीसगढ़ राज्य

B. K. M. नानावटी बनाम महाराष्ट्र सरकार

C. चम्पाकम दोराईजन बनाम मद्रास सरकार

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (A)

127. किस वाद में अभि निर्धारित किया गया कि सरकारी डॉक्टर की अपेक्षा के कारण मृत्यु के मामले में अभियोजन के लिए अनुमति आवश्यक है। क्योंकि अपीलार्थीगण सरकारी हॉस्पिटल में शल्य क्रिया कर रहे थे।

A. उपेद्र वक्शी बनाम भारत संघ

B. मनोरमा तिवारी और अन्य बनाम सुनेन्द्र नाथ राय

C. लोकतंत्र के लिए नागरिक बनाम असम राज्य

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B)

128. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभि निर्धारित किया गया कि 'अन्य प्राधिकारी' शब्द में इंटरनेशनल कमीशन ऑन इरीगेशन एण्ड ड्रेनेज (ICID) सम्मिलित नहीं है क्योंकि यह राज्य का भाग नहीं है।

A. K. K. सक्सेना बनाम इंटरनेशनल कमीशन ऑन इरीगेशन एण्ड ड्रेनेज

B. मुरली एस. देबरा बनाम भारत संघ

C. चेरियन बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (A)

129. संविधान की 9वीं अनसूची के न्यायिक पुनर्विलोकन को उच्चतम न्यायालय के किस मामले के विनिश्चय अनुज्ञेय बनाया गया है?

A. IR कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य

B. M. नागराज बनाम भारत संघ

C. मिनर्वा मिल्स लि. बनाम भारत संघ

D. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

उत्तरः (A) व्याख्याः SC ने IR कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य/2007 के विनिश्चिय से संविधान की नौवीं अनुसूची के न्यायिक पुनर्विलोकन को अनुज्ञेय बनाया गया है।

130. किस विवादित मामले में सर्वोच्च न्यायालय की बेंच ने कहा कि, ''न्यायिक समीक्षा संविधान की बुनियादी विशेषता है और नौंवी अनुसूची में एक ऐसा अधिनियम सम्मिलित करना, जिसे या जिसके हिस्से को न्यायिक समीक्षा की शक्ति का प्रयोग करते हुए असंवैधानिक माना गया है संविधान के मूल ढांचे को नष्ट करना या नुकसान पहुँचाना है।

A. मेनका गाँधी बनाम भारत सरकार

B. कॉमन कॉज बनाम भारत सरकार

C. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

D. आईआर कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य

उत्तरः (D) व्याख्याः आईआर कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य (2007) में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि न्यायिक समीक्षा संविधान की बुनियादी संरचना है।

131. किस वाद में उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने संसद के अनुच्छेद- 368 के अधीन संविधान संशोधन करने की शक्ति की समीक्षा की?

A. मिनर्वा मिल्सस बनाम यूनियन ऑफ इंडिया

B. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

C. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

D. इंदिरा नेहरू गाँधी बनाम राजनारायण

उत्तरः (A) व्याख्याः मिनर्वा मिल्स वाद में उच्चतम न्यायलय ने 42वें संविधान संशोधन से अनु. 368 में जोड़े गए खण्ड 4 और 5 को शून्य घोषित कर दिया।

132. निम्नलिखित में से कौन-सा वाद दुराश्याय के सिद्धांत और सांविधिक अपराध से संबंधित है?

A. आर. बनाम प्रिंस

B. मैकनाटेन का वाद

C. डी.पी.पी. बनाम बियर्ड

D. आर. बनाम डडले एवं स्टीफेन

उत्तरः (A)

133. निम्न में कौन-सा वाद सामान्य आशय से संबंधित नहीं है।

A. कृषि देव पांडेय बनाम स्टेट ऑफ यू.पी.

B. आर. बनाम टॉल्सन

C. महबूब शाह बनाम एंपरर

D. बारींद्र कुमार घोष बनाम एंपरर

उत्तरः (B)

134. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि न्यायपालिका की 'राज्य' के संदर्भ में दोहरी स्थिति है। जब न्यायालय न्यायिक कार्य कर रहा होता है। तब वह 'राज्य' की परिभाषा में नहीं आता किन्तु जब न्यायालय प्रशासनिक कार्य कर रहा होता है तो राज्य की परिभाषा में आता है।

A. रिजु प्रसाद शर्मा बनाम असम राज्य

B. (A, B, C) बनाम राज्य (दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)

C. देवीदास बनाम महाराष्ट्र राज्य

D. मुथुरामलिंगम बनाम राज्य

उत्तरः (A)

135. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि निजी संस्थानों पर अनु.-14 व 16 लागू नहीं होते है।

A. मुरली एम. देवरा बनाम भारत संघ

B. दुर्गापुर कैजुअल वर्कर्स यूनियन बनाम फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया

C. मिनर्वा मिल्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया

D. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

उत्तरः (B)

136. SC के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर काम करने के लिए मेम्बरशिप कार्ड इश्यु करने से इंकार कर दिया क्योंकि महराष्ट्र में पिछले पाँच वर्षो से डोमीसाइल नहीं।

A. IR कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य

B. मिनर्वा मिल्स लि. बनाम भारत संघ

C. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

D. चारू खुराना बनाम भारत संघ

उत्तरः (D)

137. SC के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि यदि कोई विधान या पब्लिक अथॉरिटी कारण अभिलिखित नहीं करता है तो उसका निर्णय मनमाना अस्पष्ट, विभेदीकारी तथा अनु.-14 और 21 का उल्लंघन माना जायेगा।

A. बी.ए. लिगारेड्डी बनाम कर्नाटक राज्य ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (2015)

B. कॉमन कॉज बनाम भारत सरकार

C. आर बनाम टॉल्सन

D. आर बनाम प्रिंस

उत्तरः (A)

138. निम्नलिखित किस वाद में आपराधिक वध और हत्या में अंतर स्पष्ट किया गया था?

A. रेग बनाम गोविंदा

B. KM नानावती बनाम बम्बई राज्य

C. R. बनाम डडले एंड स्टीफेन

D. डायरेक्टर ऑफ पब्लिक फॉजिक्यूशन बनाम वियर्ड

उत्तरः (A) व्याख्याः रेग बनाम गोविन्दा के वाद में भारतीय दंड संहिता की धारा 299 में परिभाषित 'सदोष मानव वध' तथा धारा 300 में परिभाषित हत्या में अंतर स्पष्ट किया गया है। KM नानावती बनाम बम्बई राज्य के वाद में गंभीर एवं अचानक प्रकोपन के अधीन प्राइवेट प्रतिक्षा का अधिकार से संबंधित है।

139. किस न्यायिक मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह माना कि बलात्कार या बलात्कार के प्रयास के किसी भी मामले में, समझौते का विचार अवैध है? तद्नुसार उच्चतम न्यायालय ने ऐसे सभी मामलों में मध्यस्थता की संभावना को खारिज कर दिया।

A. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

B. श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ

C. A. A. इमामदार बनाम भारत संघ

D. मध्य प्रदेश राज्य बनाम मदनलाल

उत्तरः (D) व्याख्याः मध्य प्रदेश बनाम मदनलाल (2015) के मामले में SC ने यह अभिनिर्धारित किया कि बलात्कार या बालात्कार के प्रयास के किसी भी मामले में समझौते का विचार अवैध है।

140. एस वरदराजन *बनाम* मद्रास राज्य का वाद संबंधित है-

A. भारतीय दंड संहिता की धारा 366ए से

B. भारतीय दंड संहिता की धारा 364ए से

C. भारतीय दंड संहिता की धारा 363ए से

D. उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तरः (C) व्याख्याः एस. वरदराजन बनाम मद्रास राज्य (196S) SC का वाद भारतीय दंड संहिता की धारा 363 से संबंधित है। धारा 363 के अंतर्गत व्यापहरण (Kidnapping) के अपराध के लिए दंड का उपबंध करता है। व्यापहरण से संबंधित प्रावधान धारा 359, 360 व 361 में किया गया है।

141. केशवानंद भारती *बनाम* केरल राज्य मामले में अदालत ने कितने बहुमत से फैसला दिया था कि, जबकि संसद के पास 'व्यापक' अधिकार हैं, लेकिन उसे संविधान के मूलभूत तत्वों या मौलिक विशेषताओं को प्रभावहीन करने या नष्ट करने का अधिकार नहीं है?

A. 7-6 B. 12-1

C. 3-2 D. 4-3

उत्तरः (A) व्याख्याः केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य, (1973) SC के मामले में SC ने फैसला दिया कि संसद को व्यापक अधिकार है किन्तु संविधान के मूलभूत संरचना (basic structure) को बुलाने का अधिकार नहीं है। इस मामले में कुल 13 न्यायधीश थे, जिसमें 7-6 के आधार पर यह निर्णय दिया गया।

142. SC के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि यदि कोई विधान या पब्लिक अथॉरिटी कारण अभिलिखित नहीं करता है तो उसका निर्णय मनमाना अस्पष्ट, विभेदकारी तथा अनु.'19 और 21 का उल्लंघन माना जायेगा।

A. आर बनाम प्रिंस

B. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

C. बी.ए. लिगारेड्डी बनाम कर्नाटक राज्य ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी

D. (A, B, C) बनाम राज्य (दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)

उत्तरः (C)

143. SC के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि विकास प्राधिकरण द्वारा एक ही व्यक्तियों के ग्रुप को तीन प्लाट का आवंटन अनुच्छेद-14 का उल्लंघन है ऐसा कृत्य लोकनीति के विरूद्ध है।

A. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

B. सिटी इंडसिट्रयल डेवलपमेंट कारर्पोरेशन बनाम प्लेटिनम इंटरनमेंट (2015)

C. वी.ए. लिगारेड्डी बनाम कर्नाटक ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (B)

144. काव्य कविताएं उन्हीं प्रतिबंधों के अधीन है जिनको अधीन वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, कला अभिव्यक्ति का माध्यम है। यह वाद न्यायालय ने किसमें कहा है।

A. देवीदास रामचन्दर तुलजापुरकर बनाम महाराष्ट्र राज्य

B. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य

C. PVCN बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (A)

145. सुप्रीम कोर्ट ने किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता का प्रयोग करते हुए ऐसी डिक्री पारित कर सकेगा या ऐसा आदेश कर सकेगा जो उसके समक्ष लंबित किसी वाद या विषय में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक हो।

A. रेग बनाम गोविंदा

B. KM नानावती बनाम बम्बई राज्य

C. भगवान देवी बनाम सुनील कुमार राजपूत

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C)

146. उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में अभिनिर्धारित किया कि लोक अभियोजक को दुर्भावनापूर्ण संरक्षण तथा लोक जीवन में ईमानदारी के बीच एक सुन्दर संतुलन बनाये रखना चाहिए।

A. सुब्रमणियम स्वामी बनाम मनमोहन सिंह 2013

B. मंजूर अली खान बनाम भारत संघ 2014

C. केवल (A)

D. A और B दोनों

उत्तरः (D)

147. उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में अभिनिर्धारित किया कि Art 19(1)9 इंटरनेट द्वारा अभिव्यक्ति सहित चाहे किसी भी माध्यम से अभिव्यक्ति की जाए लागू होता है।

A. महान्यायवादी बनाम लिच्छमा देवी

B. प्रेम शंकर बनाम दिल्ली प्रशासन

C. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

D. श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ 2015

उत्तरः (D)

148. 2015 के किस वाद में अभिनिर्धारित किया कि उद्देशिका एवं अनु.-14 में अवसर की समानता को प्राप्त करने का आवश्यक तत्व निर्णित किया गया है महिलाओं को अनु. 293 9d) और 243(1) के तहत पंचायत चुनावों में दिया गया आरक्षण महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया प्रशसीय कदम है।

A. R. बनाम डडले बनाम स्टीफेन

B. चारू खुराना बनाम भारत संघ

C. श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B)

149. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि (अनु. 14, 44, 19, 21, 25, 26) अपीलार्थीनी माता के व्यक्तिगत अधिकार का उल्लंघन होता है यदि उसे अपने बच्चे के पिता का नाम बताने की बाध्य किया जाता है।

A. विशाखा बनाम राजस्थान राज्य

B. एम. सी. महता बनाम भारत संघ

C. उपर्युक्त दोनों

D. A, B, C बनाम राज्य N. C. T. दिल्ली (2015)

उत्तरः (D)

150. किस न्यायिक मामले में SC ने यह कहा कि सत्ताधारी दलों को सरकार द्वारा प्रायोजित विज्ञापनों में राजनैतिक नेताओं तथा विशिष्ट व्यक्तियों की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए?

A. ABC बनाम राज्य (दिल्ली राजधानी प्रदेश)

B. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

C. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

D. लोक स्वातंत्र्य संगठन बनाम भारत संघ

उत्तरः (C) व्याख्याः वर्ष 2015 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया कि सत्ताधारी दलों को सरकार द्वारा प्रायोजित विज्ञापनों में राजनैतिक नेताओं तथा विष्टि व्यक्तियों की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

151. अभयानंद मिश्र बनाम बिहार राज्य निदर्शक वाद है-

A. दुष्प्रेरणा पर

B. आपराधिक मनः स्थिति पर

C. प्राइवेट प्रतिरक्षा पर

D. आपराधिक प्रयास पर

उत्तरः (D) व्याख्याः अभयानंद मिश्र बनाम बिहार राज्य का मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 511 में उल्लेखित आपराधिक प्रयत्न एक महत्वपूर्ण निदर्शक वाद है।

152. वासुदेव बनाम पेप्सू राज्य किस बचाव से संबंधित वाद है।

A. मित्रता से

B. तथ्य की भूल से

C. सामान्य आशय से D. सामान्य उद्देश्य से

उत्तर:(A) व्याख्या: भारतीय दंड संहिता की धारा 86 पर आधारित स्वैच्छिक भत्ता से संबंधित वाद है।

153. इनमें से किस ऐतिहासिक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय रिजर्व बैंक को सूचना के अधिकार के अधिनियम के दायरे में ले लिया?

A. भारतीय रिजर्व बैंक बनाम जयंतीलाल मिस्त्री

B. राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ

C. लोक-स्वातंत्र्य संगठन बनाम भारत संघ

D. समान उद्देश्य बनाम भारत संघ

उत्तर: (A) व्याख्या: भारतीय रिजर्व बैंक बनाम जयंतीलाल मिस्त्री (2015) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय रिजर्व बैंक सूचना के अधिकार के अधिनियम के दायरे में ले लिया।

154. SC के किस वाद में अभिनिर्धारित किया है कि, Art 20(i) कोई व्यक्ति expost facto law ''कार्योत्तर विधियों से सरंक्षण का सिद्धांत'' के अधीन न तो दोषसिद्ध किया जायेगा, न ही दण्डित किया जायेगा लेकिन मामले का विचारण किया जा सकता है।

A. आर बनाम प्रिंस

B. मिनर्वा मिल्स लि. बनाम भारत संघ

C. चारू खुराना बनाम भारत संघ

D. मोहन लाल बनाम राजस्थान राज्य (2015)

उत्तर: (D)

155. किस मामले में अभिनिर्धारित किया कि अनु. 20(2) किसी अपराध के लिए किसी व्यक्ति को एक बार से अधिक अभियोजित और दंडित करने पर प्रतिबंध लगाती है।

A. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य

B. भारत संघ बनाम पुरुषोत्तम 2015

C. भगवान देवी बनाम सुनील कुमार राजपूत

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (B)

156. धारा 132 साक्ष्य अधिनियम साक्षी को आत्म अभिसंशत के सिवाय आपवादिक परिस्थितियों के बाह्य करती है। जबकि अनु 20(3) केवल अभियुक्त व्यक्ति को उसके स्वयं के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है। यह किस वाद में है।

A. दिनेश कुमार बनाम राज्य 2015

B. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

C. PUCN बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर: (A)

157. किस वाद में दर्शाया गया है कि अनु. 21 एवं 141 अपने घर में शांति से रहने का अधिकार जीने के अधिकार का एक भाग है।

A. फूलवन्ती बनाम राम सिंह

B. गुजरात मेरीटाइम बोर्ड बनाम CC पांड्या

C. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

D. बलवन्त सिंह बनाम कमिश्नर ऑफ पुलिस 2015

उत्तर: (D)

158. किस वाद में बताया कि Art 21 ''प्रत्येक व्यक्ति को प्राण एवं दैहिक स्वंत्रता का अधिकार है।'' शब्द ''व्यक्ति में भारत आने वाले विदेशी भी सम्मिलित है।

A. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

B. मध्य प्रदेश बनाम मदनलाल

C. पी. ए. इनामदार बनाम महाराष्ट्र राज्य

D. ईशाक इसान्गा मुसम्त्रा बनाम महाराष्ट्र राज्य 2015

उत्तर: (D)

159. किस वाद में गृहविहीन और आश्रयविहीन लोगों को आश्रय स्थल उपलब्ध कराना राज्य का दायित्व है। तथा आश्रय विहिन लोगों को रात्रि में आश्रय पाने का अधिकार अनु. 21 में जीने के अधिकार में है।

A. पी. यू. सी. एल बनाम भारत संघ

B. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर: (A)

160. अपीलार्थी उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका के अन्तर्गत कोई तथ्य नहीं उठा सकता है। यह सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में कहा गया है।

A. फूलवन्ती बनाम राम सिंह

B. गुजरात मेरीटाइम बोर्ड बनाम C. C. पांड्या

C. उपर्युक्त दोनों

D. उपुर्यक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (C)

161. जहाँ बन्दी प्रत्यक्षीकरण की याचिका यद्यपि याची द्वारा उचित रूप से दाखिल न की गई हो और न ही समुचित उपचार की मांग की गई हो। यह सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में है।

A. R बनाम डडले एंड स्टीफेन

B. चेरूकुरी मनी बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

C. ABC बनाम राज्य NCT दिल्ली (2015)

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर: (B)

162. उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में कहा कि मृत्यु दण्डादिष्ट के भाई द्वारा दाखिल की गई दया याचिका का प्रभाव यह होगा। मानो दया याचिका स्वयं दोषसिद्ध द्वारा दाखिल की गई है। (अनुच्छेद 72, 16, 32, 21 एवं 41)

A. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

B. याकूब अब्दुल इज्जाक मेमन बनाम महाराष्ट्र राज्य

C. लोक स्वातंत्र्य संगठन बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त तीनों

उत्तर: (B)

163. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि अपीलार्थी A तथा अपीलार्थी B शादी के बाद दो बच्चों के माँ-बाप बन चुके है। तो अपीलार्थी A के पिता द्वारा की गई याचिका (विवाह लड़की अपीलार्थी A की बिना सहमति के हुआ है) तो वह शादी निरस्त की जाती है।

A. चमेली बनाम उत्तर प्रदेश

B. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

C. साकल पेपर्स लिमिटेड बनाम भारत संघ

D. तत्रस्सुम जहाँ बनाम उत्तराखण्ड राज्य (2015)

उत्तरः (D)

164. निम्नलिखित कौन-सा मामला भारतीय अदालत में दायर किया गया एक निर्वाह व्यय से संबंधित मुकद्मा था। इस मामले में 62 वर्षीय मुस्लिम महिला को उसके पति ने 1978 में तलाक दे दिया था। उसने अपने बच्चों के भरण-पोषण के लिए धन मांगा और SC में मुकद्मा जीत भी लिया, परन्तु उसे निर्वाह व्यय नहीं दिया गया क्योंकि उसी दरमियान देश के कानूनों में बदलाव कर दिए गए थे।

A. शायरा बानो

B. आयशा बीबी

C. शबनम हाशमी

D. शाह बानो

उत्तरः (D) व्याख्याः यह मामला वर्ष 1978 का है। इंदौर निवासी, 62 वर्षीय पाँच बच्चों की माँ शाह बानो को उसके पति मोहम्मद खान ने तलाक दे दिया था। शाह बानो ने गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून की शरण ली, 7 वर्ष पश्चात मामला SC में पहुँचा था।

165. किस न्यायिक मामले में SC ने यह राय दी कि अनुसूचित क्षेत्रों में सरकारी जमीन, आदिवासियों की जमीन और वन्य भूमि, गैर-आदिवासियों अथवा निजी कंपनियों को, खनन अथवा औद्योगिकी कार्यों के लिए पट्टे पर नहीं दी जा सकती तथा ऐसे कार्य केवल आदिवासियों अथवा सरकारी उपक्रम द्वारा ही किए जा सकते हैं?

A. एबीसी बनाम (दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश) राज्य

B. मध्य प्रदेश राज्य बनाम मदनलाल

C. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

D. पी. ए. इनामदार बनाम महाराष्ट्र राज्य

उत्तरः (C)

166. उच्चतम न्यायालय ने किस न्यायिक फैसले में कहा कि भक्ति में लैगिंक भेदभाव नहीं हो सकता जिसमें न्यायालय ने सभी महिलाओं को प्रवेश की अनुमति दी इस पीठ की एक मात्र महिला जज इन्दु मलहोत्रा ने बहुमत के इस फैसले के खिलाफ अपना फैसला दिया।

A. इंडियन यंग लॉयर एशोसिएसन एण्ड अदर स्टेट ऑफ केरला

B. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

C. लोक स्वास्थ्य संगठन बनाम भारत संघ

D. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

167. लोकहित वाद दायर किया जा सकता है-

A. किसी भी व्यक्ति द्वारा

B. जिसके मूल अधिकारों का अतिक्रमण हुआ है।

C. किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा

D. सरकार द्वारा

उत्तरः (C) व्याख्याः भारत में लोकहित अथवा जनहित याचिका (वाद) में न्यायालय को किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा सूचित करने पर न्यायालय स्वयं उसकी जाँच कराकर या वस्तुस्थिति को देखकर जनहित में निर्णय देता है।

168. किस वाद में कहा कि आवासीय इलाके में पैथोलाजिकल लैब चलाई जा रही थी जिससे जन, स्वास्थ्य, सुरक्षा और शांति को खतरा हो सकता था।

A. अनिरूद् कुमार बनाम एम.सी.डी 2015

B. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

C. लोक स्वास्थ्य संगठन बनाम भारत संघ

D. कोई नहीं

उत्तरः (A)

169. किस न्यायिक निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने 158 साल पुराने इस कानून को समाप्त कर दिया, पीट ने IPC की धारा 947 को गैर-कानूनी करार दिया, इस कानून के द्वारा पति को किसी महिला का मालिक समझा जाता था यह कानून व्यभिचार को गैर कानूनी मानता है।

A. बालाजी बनाम मैसूर राज्य

B. केशवानंद भारती का वाद

C. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

D. जोसेफ साइन बनाम भारत संघ

उत्तरः (D)

170. उच्चतम न्यायालन ने किस वाद में स्पष्ट किया कि SC/ST को सरकारी नौकरियों में पदोन्नित देने के मामले में आरक्षण देने के लिए क्वांटिफिएबल डाटा की जरूरत नहीं होगी।

A. SR. वोम्गई बनाम भारत संघ

B. इमैनुअल बनाम केरल राज्य (1986)

C. जरनैल सिंह बनाम लक्ष्मी नारायण गुप्ता

D. समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य

उत्तरः (C) व्याख्याः इससे पहले 2006 में नागराज मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इन्हें प्रमोशन तभी दिया जा सकता जब सरकार इनके पिछड़े वर्ग के बारे में क्वांटिफिएबल डेटा दे। 5 जजों की पीठ में क्वांटिफिएबल डाटा की जरूरत को इंदिरा साहनी के मामले के फैसले के खिलाफ बताया।

171. किस चर्चित मामले में SC ने कहा कि अपना धर्म परिवर्तन इच्छानुसार करना मौलिक अधिकार है।

A. साफिन जहॉन बनाम बनाम अशोकन के. एम.

B. P. V. C एन बनाम भारत संघ (2000)

C. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

D. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

उत्तरः (A) व्याख्याः SC ने इस मामले में केरल HC के फैसले को उलट दिया जिसमें हादिया और साफिन जहाँ की शादी को इस आधार पर अवैध करार दिया था।

172. किस वाद में निर्धारित किया कि मैच फिक्सिंग की जाँच करने हेतु स्थापित प्रोत्र समिति के द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को प्रारंभिक अन्वेषण नहीं किया जा सकता है।

A. BCCI बनाम क्रिकेट एसोसिएशन बिहार

B. BCCI बनाम क्रिकेट एसोसिएशन महाराष्ट्र

C. BCCI बनाम क्रिकेट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

D. BCCI बनाम क्रिकेट एसोसिएशन मध्य प्रदेश

उत्तरः (A)

173. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में कहा गया कि अनुच्छेद 137 के अधीन उच्चतम न्यायालय की पुनर्विलोकन की शक्ति अत्यंत सीमित है। और इसे अपील के समान नहीं माना जा सकता है।

A. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

B. सुरेन्द्र कोली बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B)

174. किस मामले में SC की पीठ ने कहा कि स्माइल फारूकी मामले में जो बातें कही गई हैं, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के आलोक में देखा जाना चाहिए, कोर्ट ने यह भी कहा कि यह अयोध्या के भूमि विवाद मामले में संगत नहीं है।

A. अनन्त प्रकाश सिन्हा बनाम हरि (2016)

B. केशवानंद भारती का वाद

C. भुवन मोहन सिंह बनाम मीना

D. एम. सिद्दकी बनाम एल.आरएस महंत सुरेश दास

उत्तरः (D) व्याख्याः उच्चतम न्यायालय ने यह फैसला 2:1 से दिया और अयोध्या राम जन्मभूमि विवाद के किसी बड़ी पीठ को सौंपने से मना कर दिया।

175. किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने भीड़ द्वारा देश भर के लोगों को भार दिये जाने की निंदा की-

A. तहसीन एस. पूनावाला बनाम भारत संघ

B. मुरली एस. देबरा बनाम भारत संघ, 2001 एससी

C. विरीका बनाम राजस्थान राज्य

D. रामीमा फांरूकी बनाम भारत संघ

उत्तरः (A) व्याख्याः न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि भीड तंत्र की डरावनी गतिविधियों को देश में हावी होने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

176. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि अनु. 136 के अन्तर्गत उन व्यक्तियों द्वारा अपील की संपोषणीयता जो मूल कार्यवाही में पक्षकार नहीं थे। अपील कर सकते है।

A. बंगाल अम्बुजा हाउसिंग विकास लि. बनाम प्रमिला सैफुई

B. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य

C. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

D. दीना बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

177. उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालतों के लिए किस वाद में कहा कि मूल एवं तात्विक बातों को विचार में नहीं लिया गया है कि निचली आदलतों द्वारा बिना साक्ष्यों को देखते हुए निष्कर्ष निकाला गया है। जिसमें न्याय की हानि हुई है। उच्चतम न्यायालय द्वारा अवश्य ही हस्तक्षेप किया जायेगा। यह किस वाद में है।

A. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

B. निजाम बनाम राजस्थान राज्य

C. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B)

178. सुप्रीम कोर्ट ने किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि उच्चतम न्यायालय की पूर्ण निर्णय करने की शक्ति न्यायालय द्वारा तकनीकि सिद्धांतों पर होने वाले अन्याय को रोकता है एवं न्यायालय सारवान विधि की अवहेलना करके पूर्ण एवं अंतिम न्याय प्रदान करने के लिए नई संरचना का निर्माण नहीं कर सकता है।

A. कुलवंत सिंह बनाम दयाराम

B. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

C. P. U. C. N. बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (A)

179. किस मामले में अभिनिर्धारित किया कि उच्चतम न्यायालय दो पीठों के बीच असहमति के मामले में किसी एक सह-पीठ द्वारा दिये गये निर्णय से बाध्य होगा। उच्चतम न्यायालय इन सह-वेंचो के विरूद्ध विपरीत निर्णय नहीं दे सकता है।

A. V. K. S. शेयर एण्ड स्टॉक बैंक ऑफ राजस्थान लिमिटेड बनाम ब्रोकिंग सर्विसेज लिमिटेड

B. परमानन्द कटारा बनाम भारत संघ

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (A)

180. SC ने अपने किस फैसले से दो व्यस्कों के बीच सहमति से समलैंगिक सम्बंधों को आपराधिक मानने वाले 157 साल पुराने कानून को अंततः समाप्त कर दिया। ऐसा करते हुए कोर्ट ने आई.पी.सी. की धारा 377 को असंवैधानिक करार दे दिया। यह फैसला पाँच जजों की पीठ ने दिया-

A. नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ

B. लोक स्वास्थ्य संगठन बनाम भारत संघ

C. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

D. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

181. SC की संविधान पीठ ने आधार अधिनियम की धारा 33(2), 47 और 57 को समाप्त कर दिया; इससे जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा के अपवाद को भी गैरकानूनी करार दिया और यह कि निजी क्षेत्र आधार डाटा की मांग नहीं कर सकता।

A. P. U. C. एन बनाम भारत संघ (2000)

B. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

C. जस्टिस के. एस. स्वामी (रिटायर्ड) बनाम भारत संघ

D. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

182. गरिमापूर्ण मौत का अधिकार एक मौलिक अधिकार है, इस फैसले ने इस बात को माना। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस फैसले में इच्छामृत्यु को सही ठहराया और मृत्युपूर्व वसीयत बनाकर इस बारे में निर्देश देने की अनुमति भी दे दी और कहा कि यह कानूनी रूप से वैध होगा-

A. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

B. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

C. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

D. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ (2004)

उत्तरः (A)

183. किस वाद में SC ने IPC की धारा 498(A) के दुरुपयोग को रोकने के लिए राजेश शर्मा मामले में जो दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, उसमें संशोधन किया और कल्याणकारी समिति की बात को नकार दिया।

A. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

B. सोशल एक्सन फोरम फोर मानवाधिकार बनाम यूनियन ऑफ इंडिया

C. राजगोपाल बनाम तमिलनाडु राज्य

D. नवजोत सिंह जोहर बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

184. किस वाद में बिना सबूत के याची के विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अंतर्गत अभियोजन कार्यवाही करके राज्य प्राधिकारियों ने उपेक्षा और गैर-जिम्मेदारी का कार्य किया है। जिससे याची के ख्याति, मान-सम्मान की क्षति मानसिक कष्ट और आर्थिक हानि भी कारित हुआ। ''अतः राज्य याची को 10 लाख रु. का प्रतिकर दे।

A. डॉ. राम लखन सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार

B. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ

C. दीना बनाम भारत संघ

D. नीलावती बेहरा बनाम उड़ीसा राज्य

उत्तरः (A)

185. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि 'एसिड अटैक से पीड़ित को विकलांग श्रेणी का प्रमाणपत्र जारी किया जाए। तथा उन्हें उपचार, पुनर्वास व अन्य सुविधा प्रदान किया जाए।

A. दीना बनाम भारत संघ (1983)

B. आर. बनाम गोविन्दा

C. लक्ष्मी बनाम भारत संघ

D. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

186. किस मामले में SC ने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपल को दिल्ली सरकार के मंत्रीमंडल की सलाह के अनुरूप कार्य करना होगा। सिर्फ भूमि पुलिस और आय व्यवस्था के मामले में ही उसको अपने विवेक से निर्णय लेने का अधिकार है।

A. Govt. ऑफ NCT ऑफ दिल्ली बनाम भारत संघ

B. लाखनलाल बनाम उड़ीसा राज्य (1977)

C. S. P. आनन्द बनाम HD देवगौड़ा (1996)

D. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

187. SC की पीठ ने किस मामले में वस्तु एवं सेवा कर (GST) अधिनियम (2017) को वैध ठहराया, कोर्ट ने वस्तु एवं सेवा कर मुआवजा शुल्क नियम, 2017 को भी सही ठहराया।

A. शेर सिंह बनाम पंजाब राज्य

B. चेरिमन बनाम भारत संघ

C. भारत संघ बनाम मोहित मिनिरल Pvt. Ltd.

D. लक्ष्मी बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

188. किस न्यायिक निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कोर्ट की कार्यवाही का सीधा प्रसारण आम लोगों के हित में है।

A. स्वपनिल त्रिपाठी बनाम भारतीय उच्चतम न्यायालय

B. सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशाशन

C. एम. सी. मेहता बनाम भारत संघ (1986)

D. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिवर्टीज बनाम भारत संघ

उत्तरः (A) व्याख्याः उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 145 के अधीन शीघ्र ही इसके लिए नियमों का निर्धारण किया जाएगा।

189. किस मामले में SC ने पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगा दी कोर्ट ने कहा कि सिर्फ ऐसे व्यापारी ही इनकी बिक्री कर सकते हैं जिनके पास इसका लाइसेंस है।

A. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

B. अर्जुन गोपाल बनाम भारत संघ

C. गौरव जेन बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B) व्याख्याः कोर्ट ने उस समय का निर्धारण भी कर दिया जिस समय पटाखे छोड़े जा सकते है।

190. किस मामले में उच्चतम न्यायालय की जज पीठ ने जज लोया की मौत की जाँच कराने के बारे में दायर याचिका को खारिज कर दिया।

A. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)

B. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

C. तहसीन जूनावाला बनाम भारत संघ

D. दीना बनाम भारत संघ

उत्तरः (C) व्याख्याः मुख्य न्यायधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता में जज D. Y. चन्द्रपूर्ण और ए. एम. खानविलकर ने जज की मौत के इस मामले में दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सभी स्वतंत्र जाँच की अर्जी खारिज कर दी।

191. SC ने किस न्यायिक निर्णय में कहा कि सभी दीवानी और आपराधिक मामलों में जिन पर स्थगन लगा हुआ है आज से 6 माह पूरे होने पर यह स्थगन स्वतः समाप्त हो जायेगा।

A. P. U. C. N. बनाम भारत संघ

B. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

C. लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

D. एशियन रिसर्फेशिंग ऑफ रोड एजेंसी Pvt. बनाम CBI

उत्तरः (D)

192. किस मामले में SC ने 2015 में हुए रफाल लड़ाकू विमान सौदे की जाँच की अपील की याचिका अस्वीकार कर दी। अदालत ने इस सौदे से संबंधित किसी भी पक्ष जैसे निर्णय लेने की प्रक्रिया, मूल्य निर्धारण और खरीद की प्रक्रिया की जाँच की अपील स्वीकार नहीं की।

A. मनोहर लाल शर्मा बनाम नरेन्द्र दामोदर दास मोदी

B. मनोहर लाल शर्मा बनाम भारत संघ

C. A औरB दोनों

D. कोई नहीं

उत्तरः (A)

193. उच्चतम न्यायालय के किस न्यायिक निर्णय में अपील की विशेष अनुमति लिए बिना ही कोई पीड़ित किसी आरोपी के बरी होने के खिलाफ अपील कर सकता है।

A. मल्लिकार्जुन कोडागली बनाम स्टेट ऑफ कर्नाटका

B. KM नाजावती बनाम महाराष्ट्र राज्य

C. मोहर सिंह बनाम राजस्थान राज्य (2015)

D. P. U. C. एन बनाम भारत संघ (1983)

उत्तरः (A)

194. किस वाद में अभिनिर्धारित किया कि उपचारात्मक याचिका को पुनर्विचार याचिका के निरस्त हो जाने के बाद ही प्रस्तुत किया जा सकता है।

A. कालू सान्यालDM दार्जिलिंग

B. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य

C. A,B,C बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCT)

D. याकूब रज्जाक मेनन बनाम महाराष्ट्र राज्य सचिव गृह विभाग और अन्य

उत्तरः (D)

195. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत, 1989 के प्रावधानों का दुरूपयोग रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी किए और इस अधिनियम का दुरूपयोग रोकने के लिए अब सरकारी कर्मचारियों को पूर्व अनुमति के बिना इस अधिनियम के तहत गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।

A. नवीन सिंघल बनाम भारत संघ

B. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (20030

C. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

D. डॉ. काशीनाथ बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र

उत्तरः (D)

196. हरियाणा पंचायत चुनाव में पंचायत सदस्यों और प्रधानों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता नियत करने संबंधी संशोधन अधिनियम व उसके प्रावधान विधिक और संवैधानिक है। यह किस वाद में है।

A. लोकतंत्र के लिए नागरिक बनाम असम राज्य

B. विशाखा बनाम राजस्थान राज्य

C. राजबाला और अन्य बनाम हरियाणा राज्य और अन्य

D. एस. पी. गुप्ता बनाम भारत संघ (1982)

उत्तरः (C)

197. SC ने किस मामले में इसरो के पूर्व वैज्ञानिक ''नोबी नारायण को 50 लाख रुपये मुआवाजा देने का निर्णय किया और उसके खिलाफ साजिस में पुलिस की भूमिका की जाँच का जिम्मा सौंपा गया।

A. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश (1998)

B. एस. नोबी नारायण बनाम सी.बी. मैथ्यूज एंड अदर्स

C. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

D. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ (2004)

उत्तरः (B)

198. न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा की अगुवाई में SC ने कहा भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर अपने फैसले में सांसदो और विधायकों को वकील के रूप में प्रैक्टिस करने पर रोक लगाने से मना कर दिया।

A. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

B. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश (1998)

C. विशाखा बनाम राजस्थान राज्य

D. अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम भारत संघ

उत्तरः (D)

199. कठुआ में आठ साल की एक लड़की के साथ हुए बलात्कार और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को पंजाब के पठानकोट सत्र न्यायालय में ट्रांसफर कर दिया। यह किस मामले में था।

A. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

B. मोहम्मद अख्तर बनाम स्टेट ऑफ J & K

C. जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003)

D. लिलि थॉमस बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

200. SC ने U. P. राज्य मंत्रियों के वेतन, भत्ते और अतिरिक्त प्रावधान, अधिनियम की धारा 4)3) में किए गए संशोधन की गैर-कानूनी करार दे दिया और पूर्व मुख्यमंत्रियों को इसके तहत बंगला देने के प्रावधान को समाप्त कर दिया। कोर्ट ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री को बंगला प्राप्त करने का हक नहीं है।

A. हुस्नारा खातून बनाम बिहार राज्य

B. एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ

C. लोक प्रहरी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

D. लोकतंत्र के लिए नागरिक बनाम असम राज्य

उत्तरः (D)

201. SC ने तीन सदस्यों की पीठ ने भीमा कोरेगाँव मामले में एसआईटी गठित करने की माँग को खारिज कर दिया और कहा कि ये गिरफ्तारियाँ सरकार की आलोचना की वजह से नहीं हुई है।

A. तरूण भगतसिंह बनाम भारत संघ, 1993 एससी

B. विशाका बनाम राजस्थान राज्य

C. रोमिला थॉपर बनाम भारत संघ

D. उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तरः (C)

202. SC के किस फैसले में कहा कि विदेशी विधि फर्म भारत में अपना कार्यालय स्थापित नहीं कर सकते और न ही आते-जाते हुए अपने मुवक्किलो को कानूनी सलाह दे सकते है।

A. बार कार्उंसिल ऑफ इंडियंस बनाम A. K. बालाजी

B. शीला वारसे बनाम भारत संघ व अन्य (1986)

C. सेंट सटीफेंस कॉलेज

D. P. U. C. N. बनाम भारत संघ

उत्तरः (A) व्याख्याः बार काउंसित ऑफ इण्डिया बनाम A. K. बालाजी

203. अगर किसी भी आरोपी के खिलाफ पुलिस द्वारा दायर आरोप पत्र मजिस्ट्रेट ने किसी तकनीकी कारण से वापस कर दिया है। तो उस स्थिति में आरोपी को स्वतः जमानत का अधिकार प्राप्त है।

A. बच्चन सिंह बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (2006)

B. जावेद बनाम हरियाणा राजय (2003)

C. रामस्वरूप बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान

D. शेरसिंह बनाम पंजाब राज्य

उत्तरः (C)

204. SC ने कहा कि सभी मुख्य जिला और सत्र अदालतों में एमबीए डिग्रीधारी पेशेवर अदालत प्रबंधकों की नियुक्ति का निर्देश दिया है। ताकि कोर्ट के प्रशासन को सक्षमता से चलाया जा सके। कोर्ट ने इस बात पर अफसोस जाहिर की कि अदालतों में सुविधाओं के बारे में कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

A. ऑल इंडिया जज एसोएशियन बनाम भारत संघ

B. S. P. आनन्द बनाम HD देवगौड़ा (1996)

C. वच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य

D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

205. किस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिन मामलों में अभियुक्तों को मौत की सजा दी गई है। उन मामलों में विशेष अनुमति याचिका को बिना कारण बताए खारिज नहीं किया जा सकता।

A. S. P. आनन्द बनाम HD देवगौड़ा (1996)

B. नीलावती बेहरा बनाम उड़ीसा राज्य

C. बाबा साहेब मारूति कामले बनाम महाराष्ट्र राज्य

D. कालू सान्यालDM दार्जिलिंग

उत्तरः (C)

206. प्रावधान धारा-376-दोषसिद्धि की वैधता निर्णय सार - जहाँ कि घटना के बाद पीड़िता (परिवादिनी) का डाक्टर द्वारा परीक्षण नहीं कराया गया, कोई भी मेडिकल परीक्षण नहीं कराया गया, परिवादिनी पहले भी अन्य अनेक मामलों में परिवाद किया और सभी परिवाद झूठे पाए गए, यह किस वाद में है।

A. मध्य प्रदेश राज्य बनाम राजवीर सिंह (2016)

B. गंगा प्रसाद महतो बनाम बिहार राज्य

C. प्रभुदत्त बनाम भारत संघ

D. KM नाजावती बनाम महाराष्ट्र राज्य

उत्तरः (B)

207. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि यह दाण्डिक न्याय प्रबंधन के हित में है कि केवल सत्यनिष्ठा को धारण करने वाले सक्षम अधिवक्ताओं को ही नियुक्त किया जाए अन्यथा न्याय के हनन की संभावना होगी।

A. उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य बनाम अजय कुमार शर्मा

B. मोहर सिंह बनाम छत्तीसगढ़ राज्य (2015)

C. **(A)** तथा**(B)** दोनों

D. उपर्युक्त से कोई नहीं

उत्तरः (A)

208. ऐसिड अटैक के अपराध के लिए धारा 307/34 के बजाय धारा 326 के अंतर्गत दोषसिद्ध एवं दण्डित करने के उच्च न्यायालय के निर्णय की वेधना किस न्यायिक निर्णय में उल्लेखित है।

A. मध्य प्रदेश राज्य बनाम राजवीर सिंह (2016)

B. हिमाचल प्रदेश राज्य बनाम विजय कुमार उर्फ पप्पु

C. मेनका गाँधी का वाद

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (B) व्याख्याः एसिड अटैक एक असभ्य और क्रूर अपराध है, अपराधी किसी भी प्रकार की दया के पात्र नहीं है पीड़िता के एसिड अटैक के द्वारा 16% जल जाने के कारण धारा 326 के अन्तर्गत दोषसिद्धी एवं 5 वर्ष का दण्ड नियोजित किया।

209. 5 व्यक्तियों की हत्या और लूट के अपराध में बाल साक्षी के साक्ष्य पर मृत्यु दण्ड की वैधता, उच्चतम न्यायालय के किस न्यायिक निर्णय में उल्लेखित है।

A. मोहर सिंह बनाम राजस्थान राज्य (2015)
B. दिगम्बर वैष्णव बनाम छत्तीसगढ़ राज्य
C. S. R. वोम्मई बनाम भारत संघ
D. **(A)** और **(B)** दोनों

उत्तरः (B) व्याख्याः किसी बाल साक्षी के असंतुष्ट साक्ष्य के आधार पर दोषसिद्ध नहीं किया जा सकता।

210. SC के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि किसी 'हिस्ट्रीशीटर' जिसके विरूद्ध जघन्य अपराध का आरोप हो, को सामान्यतः केवल समानता के आधार पर जमानत नहीं प्रदान कि जाना चाहिए (धारा 939)

A. मुरली एस देबरा बनाम भारत संघ, 2001 एससी
B. चेरिमन बनाम भारत संघ
C. नीरू यादव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2015)
D. एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)धारा 439

211. किस न्यायिक निर्णय में SC ने अभिनिर्धारित किया कि सी.डी. एक दस्तावेज है और औपचारिक सबूत की आवश्यकता नहीं है। संबंधित पक्ष, यथास्थिति, अभियोजन या प्रतिरक्षा पक्ष के अधिवक्ता का उक्त दस्तावेज पर उसके स्वीकृति या इंकार का दृष्टांकन धारा 294 के प्रयोजनार्थ प्राप्त है।

A. शमशेर सिंह बनाम हरियाणा राज्य (2015)
B. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य
C. A. R चौहान बनाम पंजाब 2001
D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

212. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया की यद्यपि (I. P. C.) के प्रावधानों के अन्तर्गत परिवाद या याचिका में संशोधन के लिए कोई प्रावधान नहीं है। किन्तु परिवाद/याचिका की अशुद्धियां दूर करने के लिए परिवाद पर प्रक्रिया जारी करने से पहले उसमें संशोधन की अनुमति दी जा सकती है।

A. नवीन जिंदल बनाम भारत संघ (2004)
B. एस. सुकुमार बनाम एस. सुनाद रघुराम
C. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ
D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ

उत्तरः (B)

213. अपीलार्थी द्वारा दोषसिद्ध और दण्डित जमानत के लिए 'आवेदन उच्च न्यायालय द्वारा नामंजूर - अपीलार्थी को ऐसी शर्तो के अध्यधीन जो कि विचारण न्यायालय द्वारा अधिरोपित की जाए, उच्च न्यायालय के समक्ष अपील लम्बित रहने के दौरान जमानत पर छोड़े जाने का निर्देश दिया गया। यह किस वाद में है।

A. एस. सी. महता बनाम तमिलनाडु राज्य (1996)
B. कुरियन जोसेफ बनाम हेमन्त गुप्ता
C. M. C. मेहता बनाम भारत संघ
D. ओम प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

उत्तरः (B)

214. दो पड़ोसियों के बीच एक दीवार निर्माण के व्यय को लेकर उत्पन्न विवाद में कारित एक व्यक्ति की मृत्यु के अपराध में अपीलार्थी को IPC की धारा 302/34 के अन्तर्गत आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किए जाने की वैधता है। यह किस वाद के अन्तर्गत है।

A. S. R. वोम्मई बनाम भारत संघ
B. नंदलाल बनाम महाराष्ट्र भारत संघ
C. बालाजी बनाम भारत संघ
D. KM. नाजावती बनाम महाराष्ट्र राज्य

उत्तरः (B)

215. किस वाद में SC के समक्ष महाराष्ट्र के होटलों, जलपान ग्रहों, मंत्रालयों में अशीलल नृत्य पर प्रतिबंध और महिलाओं जो उस पर कार्यरत हैं, और उनकी गरिमाओं का संरक्षण अधिनियम (2016) है।

A. इंडियन होटल एण्ड रेस्टोरेंट बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र राज्य
B. A, B, C बनाम राज्य (दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)
C. K, K सक्सेना बनाम इंटर नेशनल कमिशन ऑन दूरीगेरान एण्ड ट्रेनेज
D. मुरली देवरा बनाम भारत संघ (2001)

उत्तरः (A)जलपान ग्रहों, मद्रालयों

216. उच्चतम न्यायालय के किस न्यायिक निर्णय में अभिनिर्धारित किया गया कि जो न्यायालय अग्रिम जमानत प्रदान करता है, वह नये तत्वों/परिस्थितियों की जानकारी पर उसे निरस्त भी कर सकता है। (धारा 933-939)।

A. सुधीर कुमार बनाम महाराष्ट्र राज्य (2015)
B. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
C. एस. सी. महता बनाम भारत संघ
D. उपरोक्त सभी

उत्तरः (A) (धारा 438 - 439)

217. SC के किस न्यायिक निर्णय में अभिनिर्धारित किया गया कि यदि 90 दिन के भीतर आरोप-पत्र प्रस्तुत कर दिया गया है। तब जमानत का दावा नहीं किया जा सकता है। 90 दिन की गणना प्रतिप्रेषण की तिथि से किया जायेगा न कि धारा 57 के अन्तर्गत गिरफ्तारी की तिथि से।

A. एमसी मेहता बनाम भारत संघ (1986)
B. ज्ञानकौर बनाम भारत संघ
C. रवि प्रकाश एवं अरविन्द सिंह बनाम बिहार राज्य
D. जावेद बनाम हरियाणा राज्य

उत्तरः (C)

218. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि जब अभियुक्त स्वयं न्यायालय के समक्ष हाजिर होकर सरेंडर हेतु प्रार्थनाप्रत्र दे तथा साथ ही जमानत हेतु आवेदन करे तो पहले उच्च न्यायालय सरेंडर की कार्यवाही करे।

A. सेट स्टीफेस कॉलेज

B. लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

C. दीना बनाम भारत संघ

D. संदीप कुमार वाफना बनाम महराष्ट्र राज्य

उत्तरः (D)

219. किस वाद में अभिनिर्धारित किया गया कि अपीलार्थी के विरूद्ध अभिकथन रोगी को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से जिला अस्पताल में अंतर्गत करने के लिए सरकारी यान उपलब्ध कराने में पदीय कर्त्तव्य के निर्वहन बिहारी मुकद्दमा (1975-1944)।

A. लाल बिहारी मुकद्दमा (1975-1994)

B. चेरिमन बनाम भारत संघ

C. विशाका बनाम भारत संघ

D. अमल कुमार झा बनाम छत्तीसगढ़ राज्य (2016)

उत्तरः (D)

220. SC के किस वाद में धारा 41 IPC के अधीन गिरफ्तारी के मामलों में निर्धारित किया कि धारा 27 के तहत सस्वीकृति वही लागू होगी। जहाँ की गिरफ्तारी अनुज्ञेय है।

A. AR चौहान बनाम पंजाब राज्य 2001

B. A, B, C बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCT)

C. R. B. I. बनाम जंयती लाल मिस्त्री

D. रामदेव फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड बनाम गुजरात राज्य

उत्तरः (D)

221. SC के किस वाद में एक बार अभियुक्त का चिकित्सीय परीक्षण किया जा चुका था। अभियोजन पश्चातवर्ती प्रक्रम पर पुनः परीक्षण कराना चाहता है। कि यह अभियुक्त का सर्वोच्च कर्त्तव्य है कि वह अन्वेषण में सहायता करे।

A. शिवा वल्लभानेनी बनाम कर्नाटक राज्य 2015

B. देविका विश्वास बनाम भारत संघ

C. चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश

D. A, B, C बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCT)

उत्तरः (A)

222. सुप्रीम कोर्ट के किस वाद में कहा गया है कि स्त्री में हर, उम्र विकृत चिन्त, मन्त स्त्री आती है।

A. तारा सिंह बनाम स्टेट

B. स्टेट ऑफ पंजाब बनाम मेजर सिंह

C. डॉ. विमला बनाम दिल्ली प्रशासन

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B) Note : धारा 354 व धारा 10 स्त्री की परिभाषा का है।

223. किस वाद में बताया गया है कि कपट में दो तत्व है। धोखा व क्षति।

A. डॉ. विमला बनाम दिल्ली प्रशासन

B. मिट्ठू सिंह बनाम स्टेट ऑफ पंजाब

C. M. H. हास्कोट बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र

D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (A) Note : धारा 25 में कपटपूर्वक को समझाया गया है।

224. किस वाद में कहा गया है कि बाहर से बन्द कर ताला लगाकर आग लगा देना हत्या है।

A. तारा सिंह बनाम स्टेट

B. हुस्नारा खातून बनाम स्टेट ऑफ बिहार

C. शवलपेंटा बनाम स्टेट ऑफ हैदराबाद

D. उपरोक्त सभी

उत्तरः (C)

225. किस वाद में सुप्रीम कोर्ट ने धारा 303 को असंवैधानिक बताया गया।

A. मिट्ठू सिंह बनाम स्टेट ऑफ पंजाब

B. वच्चन सिंह बनाम स्टेट आफ पंजाब

C. शवलपेंटा बनाम स्टेट आफ हैदराबाद

D. उपरोक्त सभी

उत्तरः (A)

Note : भारतीय दंड संहिता की **धारा 303** के अनुसार जो भी कोई आजीवन कारावास के दण्डकोश के अधीन होते हुए हत्या करेगा तो उसे मृत्युदण्ड से दण्डित किया जाएगा।

226. सुप्रीम कोर्ट के कौन-से वाद में धारा 34 के सामान्य आशय से सम्बंधित वाद है।

A. गोराचन्द गोपी वाद

B. गनेश सिंह बनाम रामराजा

C. रामचन्द्र 1970 का वाद

D. V. N. श्रीकांतैया बनाम स्टेट ऑफ मैसूर

E. वशीर बनाम स्टेट ऑफ इलाहाबाद

F. उपरोक्त सभी

उत्तरः (D)

SET 2 IPC 1860 की महत्वपूर्ण धाराएँ : एक दृष्टि में

- **धारा 1**- संहिता का नाम और उसके प्रवर्तन का विस्तार
- **धारा 2**-भारत के भीतर किये गए अपराधों का दण्ड
- **धारा 3**-भारत से परे किये गए किन्तु उसके भीतर विधि के अनुसार विचारणीय अपराधों का दण्ड
- **धारा 4**-राज्य-क्षेत्रातीत अपराधों पर संहिता का विस्तार
- **धारा 11**-'व्यक्ति' को परिभाषित करती है
- **धारा 12**-'लोक' को परिभाषित करती है
- **धारा 17**-'सरकार' को परिभाषित करती है
- **धारा 18**-'भारत' को परिभाषित करती है
- **धारा 19**-'न्यायाधीश' को परिभाषित करती है
- **धारा 20**-'न्यायालय' को परिभाषित करती है
- **धारा 21**-'लोक सेवक' को परिभाषित करती है
- **धारा 22**-'जगम सम्पत्ति को परिभाषित करती है
- **धारा 23**-'सदोष अभिलाभ' व सदोष हानि को
- **धारा 24**-'बेईमानी' को परिभाषित करती है
- **धारा 25**-'कपटपूर्वक' को
- **धारा 28**-'कूटकरण'
- **धारा 29**-दस्तावेज
- **धारा 29क**-'इलेक्ट्रानिक अभिलेख
- **धारा 33**- 'कार्य' लोप को
- **धारा 34**-सामान्य आशय को अग्रसर करने में कई व्यक्तियों द्वारा किये गए कार्य
- **धारा 35**-आपराधिक ज्ञान या आशय से किया गया कार्य
- **धारा 36**-अंशत: कार्य द्वारा और अंशत: लोप द्वारा कारित परिणाम
- **धारा 40**-'अपराध' को परिभाषित करता है
- **धारा 43**-अवैध करने के लिए वैध रूप से आबद्ध
- **धारा 50**-'धारा' को परिभाषित करता है
- **धारा 51**-'शपथ' को परिभाषित करता है
- **धारा 52**-'सद्भावपूर्वक' को
- **धारा 52क**-'संश्रय'
- **धारा 53**-'दण्ड'
- **धारा 54**-मृत्यु दण्डादेश का लघुकरण
- **धारा 55**-आजीवन कारावास के दण्डादेश का लघुकरण
- **धारा 57**-दण्डावधियों की भिन्ने
- **धारा 73**-एकान्त परिरोध
- **धारा 74**-एकान्त परिरोध की अवधि
- **धारा 76**-विधि द्वारा आबद्ध या तथ्य की मूल के कारण अपने आपको विधि द्वारा आबद्ध होने का विश्वास करने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य
- **धारा 82**-सात वर्ष से कम आयु के शिशु का कार्य कोई बात अपराध नहीं है जो सात वर्ष से कम आयु के शिशु द्वारा की जाती है।
- **धारा 83**-सात वर्ष से ऊपर किन्तु बारह वर्ष से कम आयु के बच्चे द्वारा किया गया कार्य अपराध नहीं है।
- **धारा 84**-विकृत चित व्यक्ति का कार्य अपराध नहीं है।
- **धारा 86**-यह धारा स्वैच्छिक मत्तता से संबंधित है अपनी इच्छा से मत्त होकर अपराध करना बचाव नहीं है।
- **धारा 94**-वह कार्य जिसको करने के लिए कोई व्यक्ति धमकियों द्वारा विवश किया गया है।
- **धारा 100**-शरीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार मृत्यु कारित पर कब होता है।
- **धारा 172**-समनों की तामील या अन्य कार्यवाही से बचने के लिए फरार हो जाना।
- **धारा 174**-लोक सेवक का आदेश न मानकर गैर-हाजिर रहना
- **धारा 175**-दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख पेश करने के लिए वैध रूप से आबद्ध व्यक्ति का लोक सेवक को दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख पेश करने का लोप
- **धारा 176**-सूचना या इत्तिला देना
- **धारा 177**-मिथ्या इत्तिला देना
- **धारा 178**-शपथ या प्रतिमान से इंकार करना, जबकि लोक द्वारा वह वैसा करने के लिए सम्यक रूप से अपेक्षित किया जाए।
- **धारा 179**-प्रश्न करने के लिए प्राधिकृत लोक सेवक का उत्तर देने से इंकार करना
- **धारा 182**-इस आशय से मिथ्या इत्तिला देना कि लोक सेवक अपनी विधिपूर्ण शक्ति का उपयोग दूसरे व्यक्ति को क्षति करने के लिए करे।
- **धारा 186**-लोक सेवक के लोक कृत्यों के निर्वहन में बाधा डालना।
- **धारा 187**-लोक सेवक की सहायता करने का लोप, जबकि सहायता देने के लिए विधि द्वारा आबद्ध हो।
- **धारा 191**-मिथ्या साक्ष्य देना
- **धारा 192**-मिथ्या साक्ष्य गठन
- **धारा 193**-मिथ्या साक्ष्य के लिए दण्ड
- **धारा 195-क** -किसी व्यक्ति को मिथ्या साक्ष्य देने के लिए धमकी देना या उत्प्रेरित करना।
- **धारा 196**-उस साक्ष्य को काम में लाना जिसका मिथ्या होना ज्ञात है।
- **धारा 197**-मिथ्या प्रमाण-पत्र जारी करना या हस्ताक्षरित करना प्रमाण पत्र को जिसका मिथ्या होना ज्ञात है। सच्चे के रूप में काम में लाना।

- **धारा 199**-ऐसी घोषणा में, जो साक्ष्य के रूप में विधि द्वारा ली जा सके किया गया मिथ्या कथन।
- **धारा 200**-ऐसी घोषणा का मिथ्या होना जानते हुए सच्ची के रूप में काम में लाना।
- **धारा 201**-अपराध के साक्ष्य का विलोमन या अपराधी को प्रतिच्छादित करने के लिए मिथ्या इत्तिला देना।
- **धारा 205**-वाद या अभियोजन में किसी कार्य या कार्यविधि के प्रयोजन से मिथ्या प्रतिरूपण।
- **धारा 211**-क्षति कारित करने के आशय से अपराध का मिथ्या आरोप।
- **धारा 228**-न्यायिक कार्यवाही में बैठे हुए लोक सेवक या साशय अपमान या उसके कार्य में विहीन।
- **धारा 268**-लोक न्यूसेंस
- **धारा 269**-उपेक्षापूर्ण कार्य जिससे जीवन के लिए संकटपूर्ण रोग का संक्रमण फैलाना सम्भाव्य हो।
- **धारा 279**-लोक मार्ग पर उतावलेपन से वाहन चलाना या हांकना।
- **धारा 291**-न्यूसेंस बन्द करने के व्यादेश के पश्चात उसका चालू करना।
- **धारा 292**-अश्लील पुस्तकों आदि का विक्रय आदि।
- **धारा 294**-अश्लील कार्य और गाने
- **धारा 299**-आपराधिक मानव वध
- **धारा 300**-हत्या
- **धारा 301**-जिस व्यक्ति की मृत्यु कारित करने का आशय था, उससे भिन्न व्यक्ति की मृत्यु करके आपराधिक मानव वध।
- **धारा 302**-हत्या के लिए दण्ड
- **धारा 303**-आजीवन सिद्ध दोष द्वारा हत्या के लिए दण्ड
- **धारा 304**-हत्या की कोटि में न आने वाले आपराधिक मानव वध के लिए दण्ड
- **धारा 304क**-उपेक्षा द्वारा मृत्यु कारित करना
- **धारा 304ख**-दहेज मृत्यु
- **धारा 305**-शिशु या उन्मत्त व्यक्ति की आत्महत्या का दुष्प्रेरण
- **धारा 306**-आत्महत्या का दुष्प्रेरण
- **धारा 307**-हत्या करने का प्रयत्न
- **धारा 308**-आपराधिक मानव वध करने का प्रयत्न
- **धारा 309**-आत्महत्या करने का प्रयत्न
- **धारा 310**-ठग
- **धारा 311**-दण्ड
- **धारा 312**-गर्भपात कारित करना
- **धारा 313**-स्त्री की सम्पत्ति के बिना गर्भपात कारित करना
- **धारा 319**-उपहति
- **धारा 3320**-घोर उपहति
- **धारा 321**-स्वेच्छया उपहति कारित करना
- **धारा 322**-स्वेच्छा घोर उपहति कारित करना
- **धारा 323**-स्वेच्छा उपहति कारित करने के लिए दण्ड
- **धारा 324**-खतरनाक आयुधो या साधनों द्वारा स्वेच्छया उपहति कारित करना
- **धारा 325**-स्वेच्छया घोर उपहति कारित करने के लिए दण्ड
- **धारा 326**-खतरनाक आयुधो या साधनो द्वारा स्वेच्छया उपहति करना
- **धारा 326क**-अम्ल, आदि का प्रयोग करके स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना
- **धारा 326ख**-स्वेच्छया अम्ल फेंकना या फेकने का प्रयत्न कना
- **धारा 334**-प्रकोपन पर स्वेच्छया उपहति कारित करना
- **धारा 336**-कार्य जिससे दूसरो का जीवन या वैयक्तिक क्षेत्र संकटापन है
- **धारा 339**-सदोष अवरोध
- **धारा 340**-सदोष परिरोध
- **धारा 341**-सदोष अवरोध के लिए दण्ड
- **धारा 342**-सदोष परिरोध के लिए दण्ड
- **धारा 349**-बल
- **धारा 350**-आपराधिक बल
- **धारा 351**-हमला
- **धारा 354**-स्त्री की लज्जा भंग करने के आशय से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
- **धारा 354क**-लैंगिक उत्पीडन और लैंगिक उत्पीड़न के लिए दण्ड
- **धारा 354ख**-निर्वस्त्र करने के आशय से स्त्री पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
- **धारा 354ग**-दृश्यरतिकता
- **धारा 354घ**-पीछा करना
- **धारा 359**-व्यपहरण
- **धारा 360**-भारत में से व्यपहरण
- **धारा 361**-विधिपूर्ण सरक्षकता में से व्यपहरण
- **धारा 362**-अपहरण
- **धारा 363**-व्यपहरण के लिए दण्ड
- **धारा 363क**-भीख मांगने के प्रयोजनों के लिए अप्राप्तव्य का व्यापहरण या विकलागीकरण
- **धारा 364क**-फिरौती आदि के लिए व्यपहरण
- **धारा 366क**-अप्राप्तव्य लड़की का उपापन
- **धारा 375**-बलात्संग
- **धारा 376**-बलात्संग के लिए दण्ड
- **धारा 376क**-पीड़िता की मृत्यु या लगातार विक्रतशी दशा कारित करने के लिए दण्ड
- **धारा 376ख**-पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ प्रथककरण के दौरान मैथुन
- **धारा 376ग**-प्राधिकार में ऐसे व्यक्ति द्वारा मैथुन
- **धारा 376घ**-सामूहिक बलात्सग
- **धारा 376ड.**-पुनरावृत्तिकर्त्ता अपराधियों के लिए दण्ड
- **धारा 377**-प्रकृति विरूद्ध अपराध
- **धारा 378**-चोरी
- **धारा 379**-चोरी के लिए दण्ड

- **धारा 380**-निवास गृह आदि में चोरी
- **धारा 381**-लिपिक या सेवक द्वारा स्वामी के कब्जे की सम्पत्ति की चोरी
- **धारा 383**-उद्दापन
- **धारा 384**-उद्दापन के लिए दण्ड
- **धारा 390**-लूट
- **धारा 391**-डकैती
- **धारा 392**-लूट के लिए दण्ड
- **धारा 393**-लूट करने का प्रयत्न
- **धारा 394**-लूट करने में स्वेच्छया कारित करना
- **धारा 395**-डकैती के लिए दण्ड
- **धारा 396**-हत्या सहित डकैती
- **धारा 399**-डकैती करने के लिए तैयारी करना
- **धारा 400**-डाकुओं की टोली का होने के लिए दण्ड
- **धारा 403**-सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग
- **धारा 405**-आपराधिक न्यासभंग (Criminal Breach of Trust)
- **धारा 406**-आपराधिक न्यासभंग के लिए दण्ड के लिए 3 वर्ष तक का कारावास या जुर्माना या दोनों
- **धारा 408**-लिपिक या सेवक द्वारा आपराधिक न्यासभंग
- **धारा 409**-लोक सेवक द्वारा या बैंकर, व्यापारी या अभिकर्त्ता द्वारा आपराधिक न्यासभंग
- **धारा 410**-चुराई गई सम्पत्ति
- **धारा 415**-छल (Cheating)
- **धारा 416**-प्रतिरूपण द्वारा छल
- **धारा 417**-छल के लिए दण्ड (1 वर्ष का कारावास व जुर्माना)
- **धारा 419**-प्रतिरूपण द्वारा छल के लिए दण्ड
- **धारा 420**-छल करना और सम्पत्ति परिदत्त करने के लिए बेईमानी से उत्प्रेरित करना
- **धारा 425**-रिष्टि
- **धारा 426**-रिष्टि के लिए दण्ड
- **धारा 441**-आपराधिक अतिचार
- **धारा 442**-गृह अतिचार
- **धारा 443**-प्रच्छन गृह अतिचार
- **धारा 444**-रात्रो पृच्छन्त गृह अतिचार
- **धारा 445**-गृह-भेदन (House braking)
- **धारा 446**-रात्रि गृह भेदन (House breaking by Night)
- **धारा 447**-आपराधिक अतिचार के लिए दण्ड
- **धारा 448**-गृह अतिचार के लिए दण्ड
- **धारा 453**-प्रच्छन्त गृह-अतिचार या गृह भेदन के लिए दण्ड
- **धारा 456**-रात्रि प्रच्छन गृह-अतिचार या रात्रौ गृह भेदन के लिए दण्ड
- **धारा 463**-कूट रचना (Forgery) की परिभाषा दी गई है।
- **धारा 464**-मिथ्या दस्तावेज रचना
- **धारा 465**-कूटरचना के लिए दण्ड
- **धारा 466**-न्यायालय के अभिलेख की या लाक रजिस्टर आदि की कूटरचना
- **धारा 467**-मूल्यवान प्रतिभूति, बिल इत्यादि की कूटरचना
- **धारा 468**-छल के प्रयोजन से कूटरचना
- **धारा 493**-विधिपूर्ण विवाह का प्रवचना से विश्वास उत्प्रेरित करने वाले पुरुष द्वारा कारित सहवास
- **धारा 494**-पति या पत्नी के जीवनकाल में पुन: विवाह करना
- **धारा 495**-वही अपराध पूर्ववर्ती विवाह को उस व्यक्ति से छिपाकर जिसके साथ पश्चातवर्ती विवाह किया जाता है।
- **धारा 497**-जारकर्म (Adultery)
- **धारा 498**-विवाहित स्त्री को आपराधिक आशय से फुसलाकर ले जाना या निरूद्ध रखना
- **धारा 498क**-किसी स्त्री के पति या पति के नातेदार द्वारा उससे प्रति क्रूरता करना
- **धारा 499**-मानहानि (Defamation)
- **धारा 500**-मानहानि के लिए दण्ड
- **धारा 501**-मानहानिकारक विषय रखने वाले मुद्रित या उत्कीर्ण पदार्थ बेचना
- **धारा 503**-आपराधिक अभित्रास
- **धारा 506**-आपराधिक अभित्रास के लिए दण्ड
- **धारा 509**-शब्द, अंग विक्षेप या कार्य जो किसी स्त्री की लज्जा का अनादर करने के लिए आशयित है।
- **धारा 510**-मत व्यक्ति द्वारा लोक स्थान में अवचार**धारा 511**-आजीवन कारावास या अन्य कारावास से दण्डनीय अपराध करने के प्रयत्न के लिए दण्ड।

❑❑❑

SET 3 CRPC- 1973 प्रमुख धाराएँ : एक दृष्टि में

- **2(क)/2(a)**- जमानतीय अपराध की परिभाषा
- **2(ग)/2 (c)**- 'संज्ञेय अपराध' की परिभाषा
- **2(घ)/2 (d)**- परिवाद की परिभाषा
- **2(छ)/2(g)**- जाँच की परिभाषा
- **2(ज)/2 (h)**- अन्वेषण की परिभाषा
- **2(ठ)/2 (i)**-असंज्ञेय अपराध की परिभाषा
- **2(ढ)/2 (n)**-अपराध की परिभाषा
- **2(ण)/2 (o)**- थाने के भार साधक अधिकारी
- **2(द)/2 (r)**- पुलिस रिपोर्ट
- **2(घ)/2 (s)**-पुलिस थाना
- **2(ज)/2 (x)**- वारंट मामला
- **धारा 8**- राज्य सरकार द्वारा महानगर क्षेत्र की घोषणा
- **धारा 9**- सेशन न्यायालय
- **धारा 10**- सहायक सेशन न्यायधीशों का अधीनस्थ होना
- **धारा 11**- न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय
- **धारा 12**- मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- **धारा 13**- विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट
- **धारा 24**- लोक अभियोजक
- **धारा 25**- सहायक लोक अभियोजक
- **धारा 29**- लोक अभियोजक
- **धारा 25**- सहायक लोक अभियोजक
- **धारा 41**- पुलिस अधिकारी द्वारा बिना वारंट के गिरफ्तारी से संबंधित
- **धारा 41ग**-राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एक पुलिस नियंत्रण कक्ष की स्थापना का प्रावधान करती है।
- **धारा 41घ**-गिरफ्तार किये गए व्यक्ति का पूछताछ के दौरान अधिवक्ता से मिलने का अधिकार
- **धारा 42**- नाम और निवास बताने से इंकार करने पर गिरफ्तारी
- **धारा 43**- प्राइवेट व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी और ऐसी गिरफ्तारी पर प्रक्रिया
- **धारा 44**- मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी
- **धारा 45**-सशस्त्र बलो (Armed forces) के सदस्यों का गिरफ्तारी से संरक्षण
- **धारा 46**-गिरफ्तारी कैसे की जाएगी
- **धारा 50**- गिरफ्तार किये गये व्यक्ति की गिरफ्तारी के आधारों और जमानत के अधिकार की इत्तिला दी जाना
- **धारा 50क**-गिरफ्तारी करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तारी आदि के बारे में नामित व्यक्ति को जानकारी देने की बाध्यता
- **धारा 53**- पुलिस अधिकारी की प्रार्थना पर चिकित्सा-व्यवसायी द्वारा अभियुक्त की परीक्षा
- **धारा 53क**-बालात्संग के अपराधी व्यक्ति की चिकित्सा-व्यवसायी द्वारा परीक्षा
- **धारा 54**- गिरफ्तार व्यक्ति की चिकित्सा परीक्षा अधिकारी द्वारा
- **धारा 54क**-गिरफ्तार व्यक्ति की शिनाख्त
- **धारा 57**- गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घण्टे भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना बाध्यकारी है।
- **धारा 70**- गिरफ्तारी के वारंट का प्रारूप और अवधि
- **धारा 81**- उस मजिस्ट्रेट द्वारा प्रक्रिया जिसके समक्ष ऐसे गिरफ्तार किया गया व्यक्ति लाया जाये
- **धारा 82**- फरार व्यक्ति के (हाजिर होने) के लिए उद्घोषणा जारी की जाती है।
- **धारा 83**- फरार व्यक्ति की सम्पत्ति की कुर्की
- **धारा 84**- कुर्की के बारे में दावे और आपत्तियाँ
- **धारा 85**- कुर्क की हुई संपत्ति को निर्मुक्त करना और वापस करना
- **धारा 87**- समन के स्थान पर या उसके अतिरिक्त वारण्ट का जारी किया जाना।
- **धारा 91**- दस्तावेज या अन्य चीज पेश करने के लिए समन
- **धारा 93**- तलाशी वारण्ट जारी किया जा सकता है।
- **धारा 97**- संदोष परिरूद्ध व्यक्तियों के लिए तलाशी (बन्दी प्रत्यक्षीकरण रिट)
- **धारा 103**-मजिस्ट्रेट अपनी उपस्थिति में तलाशी ली जाने का निर्देश दे सकता है।
- **धारा 104**-पेश की गई दस्तावेज आदि को परिबद्ध करने की शक्ति
- **धारा 106**-दोषसिद्धि पर परिशांति कायम रखने के लिए प्रतिभृति
- **धारा 108**-राजद्रोहात्मक बातों को फैलाने वाले व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति से संबंधित
- **धारा 109**-संदिग्ध व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति
- **धारा 110**-आभ्यासिक अपराधियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति
- **धारा 125**-पत्नी, संतान और माता-पिता के भरण-पोषण के लिए आदेश
- **धारा 127**-भत्ते में परिवर्तन
- **धारा 129**-सिविल के बल के प्रयोग द्वारा जमाव को तितर-बितर करना।
- **धारा 131**-जमाव को तितर-बितर करने की सशस्त्र बल के कुछ अधिकारियों की शक्ति
- **धारा 133**-न्यूसेन्स हटाने के लिए सशर्त आदेश
- **धारा 144**-न्यूसेन्स या आशक्ति खतरे के अर्जेंट मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति मजिस्ट्रेट, उपखण्ड मजिस्ट्रेट या राज्य सरकार द्वारा सशक्त मजिस्ट्रेट

- **धारा 145**-जहाँ भूमि या जल से सम्बद्ध विवादों से परिशांति भंग होना सम्भाव्य है वहाँ प्रक्रिया
- **धारा 146**-विवाद की विषयवस्तु को कुर्क करने की और रिसीवर नियुक्त करने की शक्ति
- **धारा 149**-पुलिस का संज्ञेय अपराधों का निवारण करना
- **धारा 150**-संज्ञेय अपराधों के किये जाने की परिकल्पना की इत्तिला
- **धारा 151**-संज्ञेय अपराधों का किया जाना रोकने के लिए गिरफ्तारी
- **धारा 153**-बाटो और मापो का निरीक्षण
- **धारा 154**-संज्ञेय मामलों में इत्तिला
- **धारा 155**-असंज्ञेय मामलों के बारे में इत्तिला और ऐसे मामलों का अन्वेषण
- **धारा 157**-अन्वेषण के लिए प्रक्रिया
- **धारा 159**-अन्वेषण या प्रारंभिक जाँच करने की शक्ति
- **धारा 161**-पुलिस द्वारा साक्षियों की परीक्षा
- **धारा 164**-संस्वीकृतियों और कथनों को न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिलिखित करेगा।
- **धारा 164क**-बलात्संग के शिकार हुए व्यक्ति की शारीरिक परीक्षा
- **धारा 166**-पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी कब किसी अन्य अधिकारी से तलाशी-वारण्ट जारी करने की अपेक्षा कर सकता है।
- **धारा 166क**-भारत के बाहर के किसी देश या स्थान में अन्वेषण के लिए सक्षम प्राधिकारी को अनुरोध-पत्र
- **धारा 166ख**-भारत के बाहर किसी देश या स्थान से भारत में अन्वेषण के लिए किसी न्यायालय या प्राधिकारी को अनुरोध-पत्र
- **धारा 167**-जब चौबिस घण्टे के अन्दर अन्वेषण पूरा न किया जा सके तब प्रक्रिया
- **धारा 171**-परिवादी और साक्षियों से पुलिस अधिकारी के साथ जाने की अपेक्षा न किया जाना और उनका अवरूद्ध न किया जाना।
- **धारा 172**-अन्वेषण में कार्यवाहियों की डायरी से संबंधित है।
- **धारा 182**-पत्रो, आदि द्वारा किये गए अपराध
- **धारा 183**-यात्रा या जलयात्रा में किया गया अपराध
- **धारा 188**-भारत से बाहर किया गया अपराध
- **धारा 190**-मजिस्ट्रेटों द्वारा अपराधों का संज्ञान
- **धारा 195**-लोक-न्याय के विरूद्ध अपराधों के लिए और साक्ष्य में दिये गए दस्तावेजों से संबंधित अपराधों के लिए, लोक सेवकों के विधिपूर्ण प्राधिकार के अवमान के लिए अभियोजन
- **धारा 195क**-धमकी देने आदि की दशा में साक्षियों के लिए प्रक्रिया
- **धारा 196**-राज्य के विरूद्ध अपराधों के लिए और ऐसे अपराध करने के लिए और ऐसे अपराध करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र के लिए अभियोजन
- **धारा 198**-विवाह के विरूद्ध अपराधों के लिए अभियोजन
- **धारा 198क**-भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498क के अधीन अपराधों का अभियोजन
- **धारा 199**-मानहानि के लिए अभियोजन
- **धारा 206**-छोटे अपराधों के मामले में विशेष समन
- **धारा 207**-अभियुक्त को पुलिस रिपोर्ट या अन्य दस्तावेजों की प्रतिनिलि देना
- **धारा 211**-आरोप की अन्तर्वस्तु
- **धारा 227**-उन्मोचन
- **धारा 228**-आरोप विरचित करना
- **धारा 232**-दोषमुक्ति
- **धारा 235**-दोषमुक्ति या दोषसिद्धि
- **धारा 236**-पूर्व- दोषसिद्धि
- **धारा 250**-उचित कारण के बिना अभियोग के लिए प्रतिकर
- **धारा 259**-समन-मामलों को वारण्ट मामलों में संपरिवर्तित करने न्यायालय की शक्ति
- **धारा 260**-संक्षिप्त विचारण करने की शक्ति
- **धारा 261**-द्वितीय वर्ग के मजिस्ट्रेट द्वारा संक्षिप्त विचारण
- **धारा 262**-संक्षिप्त विचारण की प्रक्रिया
- **धारा 262(2)**-एक संक्षिप्त विचारण वाले अपराध में 3 माह से अधिक दण्ड नहीं दिया जा सकता है।
- **धारा 271**-कारागार में साक्षी की परीक्षा के लिए कमीशन जारी करने की शक्ति
- **धारा 280**-साक्षी की भाषभंगी के बारे में टिप्पणियाँ
- **धारा 297**-प्राधिकारी जिनके समक्ष शपथ पत्रों पर शपथ ग्रहण किया जा सकेगा।
- **धारा 298**-पूर्व दोषसिद्धि या दोषमुक्ति कैसे साबित की जाए।
- **धारा 300**-एक बार दोषसिद्धि या दोषमुक्त किये गए व्यक्ति का उसी अपराध के लिए विचारण न किया जाना
- **धारा 306**-सह-अपराधी को क्षमादान
- **धारा 307**-क्षमादान का निदेश की शक्ति
- **धारा 311**-आवश्यक साक्षी को समन करने या उपस्थित व्यक्ति की परीक्षा करने की शक्ति
- **धारा 320**-अपराधों का शमन
- **धारा 321**-अभियोजन वापस लेना
- **धारा 323**-प्रक्रिया जब जाँच या विचारण के प्रारंभ के पश्चात मजिस्ट्रेट को पता चलता है कि मामला सुपुर्द किया जाना चाहिए।
- **धारा 325**-प्रक्रिया जब मजिस्ट्रेट पर्याप्त कठोर दण्ड का आदेश नहीं दे सकता
- **धारा 353**-निर्णय
- **धारा 357(क)**-पीड़ित प्रतिकार योजना से संबंधित
- **धारा 357(ख)**-भारतीय दण्ड संहिता की धारा 326-क या धारा 376-घ के अधीन जुर्माना प्रतिकार के अतिरिक्त
- **धारा 357(ग)**-पीड़ितों का उपचार
- **धारा 358**-निराधार गिरफ्तार करवाए गए व्यक्तियों को प्रतिकार
- **धारा 359**-असंज्ञेय मामलों में खर्चा देने के लिए आदेश
- **धारा 360**-असंज्ञेय मामलों में खर्चा देने के लिए आदेश
- **धारा 366**-सेशन न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्डादेश का पुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाना
- **धारा 366ख**-विदेश से लड़की का आयत करने से संबंधित

- **धारा 368**-दण्डादेश को पुष्ट करने या दोषसिद्धि को कातिल करने की उच्च न्यायालय की शक्ति
- **धारा 375**-बलात्संग (Rape) से संबंधित है
- **धारा 376**-छोटे मामलों में अपीलन होना
- **धारा 377**-राज्य सरकार द्वारा दण्डादेश के विरूद्ध अपील
- **धारा 379**-कुछ मामलों में उच्च न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध किये जाने के विरूद्ध अपील
- **धारा 380**-कुछ मामलों में अपील करने का विशेष अधिकार
- **धारा 384**-अपील का संक्षेपत: खारिज किया जाना
- **धारा 388**-अपील में उच्च न्यायालय के आदर्श को प्रमाणित करके निचले न्यायालय को भेजा जाना
- **धारा 389**-अपील लम्बित रहने तक दण्डादेश का निलम्बन अपीलार्थी का जमानत पर छोड़ा जाना।
- **धारा 391**-अपील न्यायालय अतिरिक्त साक्ष्य ले सकेगा या उससे लिए जाने का निर्देश दे सकेगा
- **धारा 393**-अपील पर आदेशों और निर्णयों का अंतिम होना
- **धारा 395**-उच्च न्यायालय को निर्देश
- **धारा 397**-पुनरीक्षण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अभिलेख मांगना
- **धारा 399**-सेशन न्यायाधीश की पुनरीक्षण की शक्तियाँ
- **धारा 401**-उच्च न्यायालय की पुनरीक्षण की शक्तियाँ
- **धारा 406**-मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की उच्चतम न्यायालय की शक्ति
- **धारा 407**-मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की उच्च न्यायालय की शक्ति
- **धारा 408**-मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की सेशन न्यायाधीश की शक्ति
- **धारा 414**-उच्च न्यायालय द्वारा दिये गए मृत्यु दण्डादेश का निष्पदन
- **धारा 416**-गर्भवती स्त्री को मृत्यु दण्ड का मुल्तवी किया जाना
- **धारा 432**-दण्डादेशो का निलम्बन या परिघर करने की शक्ति
- **धारा 433**-दण्डादेशों के लघुकरण की शक्ति
- **धारा 436**-किन मामलों में जमानत ली जाएगी
- **धारा 438**-गिरफ्तारी की आशंका करने वाले व्यक्ति की जमानत स्वीकृत करने के लिए निर्देश
- **धारा 439**-जमानत के बारे में उच्च न्यायालय या शेसन न्यायालय की विशेष शक्तियाँ
- **धारा 446क**-बन्ध-पत्र जमानत-पत्र का रद्दकरण
- **धारा 477**-उच्च न्यायालय की नियम बनाने की शक्ति
- **धारा 479**-वह मामला जिसमें न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है।
- **धारा 482**-उच्च्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की व्यावृत्ति।

SET 4 भारतीय दण्ड संहिता (IPC) एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता (CRPC)

1. इनमें से कौन-से अपराध के मूलभूत तत्व हैं?

1. इंसान के द्वारा किए गए
2. आपराधिक इरादा
3. कोई अवैध कार्य या चूक
4. किसी अन्य व्यक्ति के शरीर, के मन, प्रतिष्ठा या संपत्ति को चोट पहुँचाना

A. 1, 2,3 और 4 सभी B. केवल 1 और 2
C. केवल 1और 2 D. केवल 1, 2 और 4

उत्तरः (A) व्याख्याः अपराध के चार मूलभूत तत्व हैं- (1) मानव, (2) आपराधिक मन:स्थिति या दुराशय (Minsria) (3) आपराधिक कृत्य तथा (4) ऐसे कृत्य से मानव अथवा समाज की क्षति।

2. भारतीय दंड संहिता 1860 में लार्ड मैकाले द्वारा प्रारूपित संहिता का संशोधित संस्करण है। इनमें से किन देशों की दंड संहिता उसी प्रारूप पर आधारित है?

1. सिंगापुर 2. ब्रुनेई
3. श्रीलंका

A. A और C B. B और C
C. A, B और C D. A और B

उत्तरः (C) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता 1860 में लार्ड मैकाले द्वारा प्रारूपित संहिता का संशोधित संस्करण है। सिंगापुर, ब्रुनेई एवं श्रीलंका जैसे देशों की दंड संहिता उसी प्रारूप पर आधारित है।

3. भारतीय दंड संहिता में 'स्त्री' शब्द घोतक है-

A. 15 वर्ष से ऊपर की आयु वाली किसी महिला का
B. 18 वर्ष से ऊपर की आयु वाली किसी महिला का
C. 21 वर्ष से ऊपर की आयु वाली किसी महिला का
D. जन्मजात बालिका सहित किसी भी आयु की महिला का

उत्तरः (D)

4. अपराध की परिभाषा दी गई है-

A. भारतीय दंड संहिता, 1860 के अध्याय 2 में
B. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 2 (N) में
C. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 3 में
D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (B)

5. भारतीय दंड संहिता 1860 के अधीन धारा 42 में प्रयुक्त 'स्थानीय विधि' कहाँ पर लागू होगी?

A. सम्पूर्ण भारत पर
B. भारत के किसी विशिष्ट भाग पर
C. भारत के किसी भी भाग पर
D. उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तरः (B) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 42 के अनुसार, स्थानीय विधि वह विधि है, जो भारत के किसी विशिष्ट भाग पर ही लागू होती है।

6. भारतीय दंड संहिता की धारा 53 किस विषय के संबंध में है?

A. दंड B. सामान्य अपवाद
C. आपराधिक साजिश D. बहकाव

उत्तरः (A)

7. भारतीय दंड संहिता प्रवृत्त हुई।

A. 6 अक्तूबर 1860 से B. 6 दिसम्बर 1860 से
C. 1 जनवरी 1861 से D. 1 जनवरी 1862 से

उत्तरः (D)

Note : भारतीय दंड संहिता 1 जनवरी 1862 से लागू हुई। परन्तु इसे गवर्नर जरनल की अनुमति 6 अक्तूबर 1860 को ही मिल गई थी।

8. भारतीय दंड संहिता का समुद्र में क्षेत्राधिकार .... तक फैला हुआ है।

A. 12 समुद्र मील B. 8 समुद्र मील
C. 12 मील D. 8 मील

उत्तरः (A)

9. भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा-1 संबंधित है

A. अपराध की परिभाषा से
B. संहिता के नाम और उनके प्रवर्तन के विस्तार से
C. संहिता के नाम और उसके क्षेत्राधिकार से
D. उपयुक्त सभी से

उत्तरः (B) व्याख्याः भा.द.स. की धारा-1 संहिता के नाम और उसके प्रवर्तन के विस्तार से संबंधित है।

10. 'मेंसरियसा' से तात्पर्य है।

A. आशय B. ज्ञान
C. हेतु D. दुराशय

उत्तरः (D) Note : अपराध के चार आवश्यक तत्व होते हैं-
मानव
आपराधिक मन:स्थिति या दुराशय
आपराधिक कृत्य
ऐसे (आपराधिक) कृत्य से मानव अथवा समाज को क्षति

11. भारतीय दंड संहिता की धारा 24 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति को गलत तरीके से लाभ पहुँचाने या किसी अन्य व्यक्ति को गलत तरीके से हानि पहुँचाने के इरादे से कुछ भी करता है तो उसे किस इरादे से करना कहा जाता है।

A. संज्ञान B. अननुमोदन

C. बेईमानी D. कलह के

उत्तरः (C)

12. भारतीय दंड संहिता की धारा 34 पर प्रसिद्ध वाद है।

A. मैकनॉटन का वाद B. रंग बनाम गोविंदा

C. वरीन्द्र कुमार घोष बनाम इंपरर D. K. C. मैथ्यू का वाद

उत्तरः (C)

13. सामान्य आशय से संबंधित प्रावधान IPC के किस धारा में दिए गए है।

A. धारा 34 B. धारा 149

C. धारा 297 D. धारा 316

उत्तरः (A)

Note : धारा - 149 - में सामान्य उद्देश्य है

धारा - 297 - में कब्रिस्तानों आदि के बारे में

धारा - 316 - में किसी सजीव अज्ञात शिशु की मृत्यु कारित करने से संबंधित प्रावधान समाहित है।

14. राम ने एक अपराध किया जिसके लिए सजा सिर्फ 40 रुपये का जुर्माना था। लेकिन वह इस राशि का भुगतान नहीं कर सका। फिर, आईपीसी की धारा 67 के अनुसार उसे भुगतान न करने के लिए अधिकतम कितने महीने तक के लिए कैद किया जा सकता है।

A. 1 B. 2

C. 2 D. 6

उत्तरः (C)

15. निम्न में से कौन-सा वाद उन्नमन्तता के आधार पर प्रतिरक्षा से संबंधित है।

A. आर बनाम डडले एंड स्टीफेन

B. डायेरेक्टर ऑफ पब्लिक प्रोजीक्यूशन बनाम बियर्ड

C. मैकनॉट का वाद

D. आर बनाम गोविंदा

उत्तरः (C)

16. भारतीय दंड संहिता की कौन-सी धारा अनैच्छिका मत्तता के आधार पर प्रतिरक्षा से संबंधित है।

A. धारा 84 B. धारा 85

C. धारा 86 D. धारा 87

उत्तरः (B)

Note : 84: में विकृत चिंतता के आधार पर बचाव

86: में ऐच्छिक मत्तता

87: किसी व्यक्ति की मृत्यु या घोर अपर्हात कारित करने के आशय

17. भारतीय दंड संहिता के किस प्रावधान में आपराधिक षड्यंत्र के लिए दंड दिया गया है।

A. धारा 120- B B. धारा 124

C. धारा 120 A D. धारा 121 A

उत्तरः (A)

18. एक जल्लाद जो मृत्युदंड निष्पादित करता है, IPC की किस धारा के अन्तर्गत आपराधिक दायित्व से मुक्त है?

A. धारा 97 B. धारा 78

C. धारा 79 D. धारा 80

उत्तरः (B) **व्याख्याः**भारतीय दंड संहिता की धारा 78 के अंतर्गत मृत्युदण्ड को निष्पादित करने वाले जल्लाद को आपराधिक दायित्व से उन्मुक्ति प्राप्त होगी। धारा 78 यह उपबंधित करती है कि कोई बात जो न्यायालय के निर्णय आदेश के अनुसरण में की जाए अपराध नहीं है।

19. भारतीय दंड संहिता के अधीन कितने प्रकार के दंडो की व्यवस्था की गई है?

A. दो B. पाँच

C. चार D. सात

उत्तरः (B) **व्याख्याः** IPC की धारा 53 के अनुसार अपराधी इस संहिता के उपबंधों के अधीन जिन दंडों के दंडनीय है, वे इस प्रकार हैं-

- मृत्युदण्ड (ii) आजीवन कारावास (iii) कारावास, जो भांति का है। कठिन अर्थात् कठोर श्रम के साथ या सादा (iv) सम्पत्ति का अपहरण (v) जुर्माना या अर्थदंड।

20. निम्नलिखित कार्यों में से किसे द्वारा 'दुष्प्रेरण' का अपराध किया जा सकता है?

A. षड्यंत्र B. तैयारी

C. धमकी D. प्रयत्न

उत्तरः (D) **व्याख्याः** भारतीय दंड संहिता की धारा 107 के अधीन दुष्प्रेरण का अपराध तीन तरीकों से किया जा सकता है- (1) उकसाने द्वारा (2) षड्यंत्र द्वारा तथा (3) सहायता द्वारा। अतः षड्यंत्र द्वारा दुष्प्रेरण का अपराध किया जा सकता है।

21. भारतीय दंड संहिता के संदर्भ में, निम्नलिखित में कौन-सा वक्य सही है?

1. भारतीय दंड संहिता की एक धारा यह कहती है कि किसी 'अपराध' को करने के लिए 'केवल राजी हो जाना' ही अभियुक्ति को दंड देने के लिए पर्याप्त है।
2. भारतीय दंड संहिता की एक धारा यह कहती है कि आत्महत्या की कोशिश एक अपराध है।

A. केवल B B. केवल A

C. A और B दोनों D. A और B दोनों नहीं

उत्तरः (C) **व्याख्याः** भारतीय दंड संहिता की धारा 120 आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित है। यह धारा कहती है कि किसी 'अपराध' को करने के लिए केवल राजी हो जानी ही अभियुक्ति को दण्ड देने के लिए पर्याप्त है। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 309 कहती है कि आत्महत्या का प्रयत्न एक अपराध है।

22. निम्न अपराधों में से किस अपराध के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत मृत्युदंड संभावित है?

1. **धारा 122:** भारत सरकार के विरूद्ध युद्ध छेड़ने के उद्देश्य से हथियार जमा करना लोग इत्यादि जुटाना।

2. **धारा 194:** ऐसे झूठ सबूत गठना या पेश करना जिससे किसी व्यक्ति को मृत्युदंड हो सके (जिनकी वजह से किसी निर्दोष व्यक्ति को अपराधी ठहरा कर उसे मृत्युदंड दे दिया जाए)

A. सिर्फ A
B. A और B दोनों नहीं
C. A और B दोनों
D. सिर्फ B

उत्तर: (D)

23. नितेश ने अपने एक प्रकाशित लेख उत्तर प्रदेश सरकार के विरूद्ध नफरत एवं मानहानि को फैलाया है। उसे निम्न अपराध के लिए दंडित किया जा सकता है।

A. युद्ध फैलाने के लिए
B. दुष्प्रेरण के लिए
C. राजद्रोह के लिए
D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (C)

24. राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले लांछन प्राख्यान का उपबंध भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित किस धारा में किया गया है।

A. धारा 154
B. धारा 153क
C. धारा 153ख
D. उपरोक्त सभी

उत्तर: (C)

25. निम्न में से भारतीय दंड संहिता की कौन-सी धारा दंगा को परिभाषा करती है।

A. धारा 159
B. धारा 160
C. धारा 161
D. धारा 148

उत्तर: (A) Note : 160 में दंगा के लिए दंड

26. लोक सेवा के लोक कृत्यों के निर्वहन में बाधा डालना अपराध है। किस धारा में-

A. 182, IPC
B. 184 IPC
C. 186 IPC
D. 188 IPC

उत्तर: (C)

27. विधि विरूद्ध जमाव के लिए कम से कम कितने व्यक्ति आवश्यक होते हैं-

A. सात
B. पाँच
C. दस
D. छः

उत्तर: (B) व्याख्या: भारतीय दंड संहिता की धारा 141 में परिभाषित विधि विरूद्ध जमाव के लिए पाँच या पाँच से अधिक व्यक्तियों का होना आवश्यक है।

28. भारतीय दंड संहिता IPC की धारा 146 के अनुसार, जब भी गैर-कानूनी जनसमूह द्वारा या उसके किसी भी सदस्य द्वारा बल या हिंसा का प्रयोग किया जाता है, ऐसे जनसमूह के आय उद्देश्य के अभियोजन में, तो ऐसे जनमूह का हर सदस्य .... के अपराध का दोषी होता है।

A. पीछा करने
B. आतंक
C. बलवा
D. विद्रोह (राजद्रोह)

उत्तर: (C)

29. 'बलवा' के दोषी व्यक्ति को कितने वर्ष के कारावास से दंडित किया जा सकता है?

A. 6 माह
B. 2 वर्ष
C. 3 वर्ष
D. केवल जुर्माना द्वारा

उत्तर: (B) व्याख्या: भारतीय दंड संहिता की धारा 147 के अनुसार, जो कोई बलवा करने का दोषी होगा, दोनों में से किसी भांति के कारावास से जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से दंडित किया जाएगा।

30. सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए कम से कम कितने व्यक्ति होने चाहिए।

A. 2
B. 4
C. 5
D. 10

उत्तर: (C)

31. 'मिथ्या साक्ष्य देना' का अपराध परिभाषित है, IPC की धारा-

A. धारा 181 में
B. धारा 182 में
C. धारा 191 में
D. धारा 192 में

उत्तर: (C) व्याख्या: मिथ्या साक्ष्य देना भारतीय दंड संहिता की धारा 191 में परिभाषित है, जबकि धारा 192 में मिथ्या साक्ष्य गढना परिभाषित है।

32. भारतीय दंड संहिता का कौन-सा अध्याय ''वातावरण को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाने'' के अपराधों से संबंधित है?

A. अध्याय XVI
B. अध्याय XXVII
C. अध्याय XXIV
D. अध्याय XIV

उत्तर: (D)

33. बलात्संग की पीड़ित का परिचय प्रकटन भारतीय दंड संहिता की किस धारा के अंतर्गत दंडनीय है?

A. धारा 228
B. धारा 228क
C. धारा 376क
D. धारा 376ख

उत्तर: (B) व्याख्या: भारतीय दंड संहिता की धारा 228क बलात्संग की पीड़ित व्यक्ति का परिचय प्रकट करने को दंडनीय घोषित करती है।

34. IPC की निम्न धाराओं में से किन से सत्र न्यायालय के समक्ष विचारण की प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है।

A. 260 से 265
B. 238 से 250
C. 251 से 259
D. 225 से 237

उत्तर: (D)

35. दस वर्ष की अवधि तक के कारावास का दण्डादेश निम्नलिखित में से किसके द्वारा दिया जा सकता है।

A. प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट का न्यायालय
B. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय
C. सहायक सत्र न्यायधीश
D. मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट का न्यायलय

उत्तर: (C)

36. धारा 145 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन आदेश निम्न के संबंध में दिया जा सकता है।

A. कोई भी संपत्ति

B. किसी भूमि या जल की जिसके अंतर्गत फसल एवं भूमि की उपज या लाभ भी सम्मिलित है

C. ऐसे किसी भी विवाद के संबंध ने कि जिससे परिक्षति भंग होना संभालना।

D. केवल चल संपत्ति से संबंधित विवाद

उत्तरः (B)

37. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कारावास के दण्ड की सजा पारित कर सकता है-

A. सात वर्ष से अधिक की | B. सात वर्ष से अधिक की

C. आजीवन कारावास | D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (A)

38. निम्नलिखित में से कौन दण्ड प्रक्रिया सहित 1973 की 125 के अंतर्गत भरण-पोषण प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

A. अधर्मज अवयस्क संतान | B. सहोदर भाई

C. पिता | D. तलाकसुधा पत्नी

उत्तरः (B)

39. अभ्यासिक अपराधियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति, दण्ड प्रक्रिया संहिता की निम्नलिखित में से किस धारा के अंतर्गत कार्यपाल मजिस्ट्रेट के द्वारा ली जा सकती है।

A. धारा 110 | B. धारा 109

C. धारा 107 | D. धारा 133

उत्तरः (A)

40. जब पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी को उस थाने की सीमा के अंदर असंज्ञेय अपराध की किए जाने की इत्तिला दी जाती है तो वह-

A. उसे लेखबद्ध कर इत्तिला देने वाले को पढ़कर सुनाएगा

B. ऐसी इत्तिला का सार ऐसी पुस्तक में जो उस अधिकारी द्वारा रखी गई है प्रविष्टि करेगा तथा सुचनादाता के हस्ताक्षर लेगा

C. इत्तिला देने वाले को मजिस्ट्रेट के पास जाने को निर्देशित करेगा

D. घटना स्थल के लिए प्रस्थान करेगा

उत्तरः (C)

41. भारतीय दंड सहिता (भा.द.स.) की धारा 320 के अंतर्गत कितने किस्म की अपहीत को 'घोर' अपर्हात की श्रेणी में रखा गया है?

A. पाँच | B. छः

C. सात | D. आठ

उत्तरः (C)

42. दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अन्तर्गत विवाह के विरूद्ध अपराधों के लिए अभियोजन के संबंध में प्रावधान है।

A. धारा 196 | B. धारा 197

C. धारा 198 | D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C)

43. ''पुलिस अधिकारी अन्य नियोजन में नहीं लगेंगे'' यह स्पष्ट प्रावधान है।

A. धारा 9 | B. धारा 10

C. धारा 11 | D. इनमें से कोई नहीं

उत्तरः (B)

44. साक्षी द्वारा प्रश्न का उत्तर देने से इंकार करने पर, उसे दस्तावेज प्रस्तुत करने से इंकार करने पर, उसे कारावास के दण्ड से दण्डित किया जा सकता है। जिसकी अवधि होगी-

A. 30 दिन | B. 7 दिन

C. 14 दिन | D. 1 माह

उत्तरः (B)

45. भारतीय दण्ड संहिता की किस धारा में आपराधिक अतिचार परिभाषित है।

A. धारा 441 | B. धारा 440

C. धारा 452 | D. धारा 457

उत्तरः (A)

46. किसी व्यक्ति को अपनी सम्पत्ति अन्य व्यक्ति को परिदत्त करने के लिए कपटपूर्वक अथवा बेईमानीपूर्वक उत्प्रेरित करना-

A. चोरी है | B. आपराधिक इर्विनियोग है

C. कोई अपराध नहीं है | D. छल है

उत्तरः (D)

47. पुलिस अधिनियम 1861 की धारा-7 सम्बंधित है-

A. विभागीय कार्यवाही से | B. न्यायिक कार्यवाही से

C. A तथा B दोनों से | D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (A)

48. पुलिस अधिनियम में कर्तव्य इत्यादि की उपेक्षा के लिए शक्तियाँ सम्बंधी प्रावधान है।

A. धारा-27 | B. धारा-28

C. धरारा-29 | D. धारा-30

उत्तरः (C)

49. पुलिस बल के किसी सदस्य द्वारा पद त्याग करने के पूर्व सूचना देना होता है-

A. एक मास पूर्व | B. दो मास पूर्व

C. तीन मास पूर्व | D. पन्द्रह मास पूर्व

उत्तरः (B)

50. पुलिस अधिनियम, 1861 की निम्न किस धारा में कहा गया कि एक पुलिस अधिकारी सदैव कर्त्तव्य पर रहता है और जिले में कहीं भी तैनात किया जा सकता है-

A. धारा-20 | B. धारा-21

C. धारा-22 | D. धारा-23

उत्तरः (C)

51. एक प्राइवेट व्यक्ति किसी व्यक्ति को कब गिरफ्तार कर सकता है-

A. जो एक अपराधिक है

B. उसकी उपस्थिति में जमानतीय अपराध करता है

C. उसकी उपस्थिति में असंज्ञेय अपराध करता है

D. उसकी उपस्थिति में संज्ञेय और गैर-जमानतीय अपराध करता है

उत्तरः (D)

52. रेल और लोक कार्यों के आस-पास अतिरिक्त बल की प्रतिनियुक्ति का प्रावधान पुलिस अधिनियम में दिया गया है-

A. धारा-10 पुलिस अधिनियम में

B. धारा-12 पुलिस अधिनियम में

C. धारा-13 पुलिस अधिनियम में

D. धारा-14 पुलिस अधिनियम में

उत्तरः (D)

53. किसी दण्डाधिकारी को उसके क्षेत्राधिकार के बाहर आह्वान पर का निर्वाह करना है सामान्यतः-

A. वह अपने निर्वाह के द्वारा आह्वान पर का निर्वाह करवाएगा

B. पंजीकृत डाक द्वारा आह्वान द्वारा निर्वाह पर के द्वारा भेजना

C. जिस स्थान का आह्वान होना है वहाँ के कलेक्टर को आह्वान पर निर्वाह के लिए भेजना

D. उस स्थान के दण्डाधिकारी को आह्वान पर निर्वाह के लिए भेजना

उत्तरः (D)

54. भारतीय दण्ड संहिता में 'सद्भाव' शब्द परिभाषित है-

A. धारा 44 में B. धारा 52 में

C. धारा 51 में D. धारा 52क में

उत्तरः (B)

55. दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार संज्ञेय अपराध होने की प्रत्येक सूचना हस्ताक्षरित की जाएगी-

A. सूचना देने वाले व्यक्ति द्वारा

B. पुलिस वाले के भार साधक अधिकारिक के द्वारा

C. अनुसंधान (अन्वेषण) अधिकारी के द्वारा

D. संबंधित मजिस्ट्रेट द्वारा

उत्तरः (A)

56. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्न कौन-सी धारा ''दुभाषिया सत्यनिष्ठा (ठीक-ठीक) से भाषान्तर करने के लिए आबद्ध है'' संबंधित है?

A. धारा 272 से B. धारा 284 से

C. धारा 280 से D. धारा 282 से

उत्तरः (D)

57. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 154 के अधीन प्रथम सूचना रिपोर्ट दी जा सकती है।

A. केवल अजमानतीय एवं संज्ञेय अपराध किये जाने के संबंध में

B. किसी भी अपराध संबंध में

C. केवल संज्ञेय अपराध के संबंध में

D. केवल लिखित में

उत्तरः (C)

58. भारतीय दंड संहिता की धाराएँ 359-374 किन कृत्यों से संबंधित है?

A. अप्राकृतिक अपराध

B. अपहरण, बहला-फुसलाना भगा ले जाना, गुलामी और मजदूरी कराना

C. हत्या का प्रयास

D. बलात्कार सहित यौन अपराध

उत्तरः (B) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता की धारा 359-374 व्यपहरण, अपहरण, दासत्व और बलातश्रम के विषय से संबंधित है।

59. भारतीय दंड संहिता की किस धारा में फिरौती के लिए अपहरण का उपबंध है?

A. धारा 364 B. धारा 362

C. धारा 363क D. धारा 364क

उत्तरः (D) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता की धारा 364क फिरौती के लिए व्ययहरण (Kidnapping for ransom) का उपबंध करती है।

60. निम्नलिखित वादों में से किस वाद में लैंगिक उत्पीड़न के शमन के लिए उच्चतम न्यायालय ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शक सिद्धांत दिए हैं?

A. विशाखा बनाम राजस्थान राज्य

B. ऐपरल एक्सपोर्ट कार्पोरेशन बनाम A. K. चौपड़ा

C. चयेरमैन रेलवे बोर्ड बनाम चन्द्रिका दास

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (A)

61. IPC की किस धारा में 'दहेज मृत्यु' संबंधी विधि अंतर्विष्ट है?

A. धारा 304ख B. धारा 304

C. धारा 299 D. धारा 302

उत्तरः (A)

62. किस मामले में आत्मरक्षा का अधिकार उपलब्ध नहीं होगा?

A. लोक सेवक द्वारा किया गया कार्य

B. आपराधिक अतिचार को रोकने में

C. जंगम संपत्ति की रक्षा में

D. उपरोक्त सभी में

उत्तरः (A)

63. आत्मरक्षा का अधिकार है-

A. अपने शरीर के प्रति अपराध से प्रतिरक्षा

B. दूसरे के शरीर की प्रतिरक्षा

C. चोरी, लूट आदि अपराध से प्रतिरक्षा

D. उपरोक्त सभी

उत्तरः (D) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता की धारा 96 के अनुसार, कोई बात अपराध नहीं है, जो प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार के प्रयोग में की जाती है।

64. भारतीय दंड संहिता की किस धारा में दंगा (Affray) परिभाषित किया गया है।

A. धारा 159　　B. धारा 160
C. धारा 161　　D. धारा 148

उत्तरः (A) व्याख्याः IPC की धारा 159 में दंगा (Affray) को परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार जबकि दो या अधिक व्यक्ति किसी लोक स्थान में लड़कर (झगड़कर) लोक शांति में विघन डालते हैं तब यह कहा जाता है, कि वे दंगा करते हैं।

65. के एम नानावती बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र एक प्रमुख वाद है।

A. विकृतचिंता
B. दुर्घटना के संबंध में
C. कूट रचना के संबंध में
D. गंभीर एवं अचानक प्रकोपन के संबंध में

उत्तरः (D)

66. मृत्युदंड विरले में से विरलतम अपराधों में ही दिया जाना चाहिए, अभिनिर्धारित किया गया था।

A. वच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य में
B. रामेश्वर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में
C. टी.वी. वथेस्वरन बनाम तमिलनाडु राज्य में
D. उत्तर प्रदेश राज्य बनाम MK एंथोनी में

उत्तरः (A) Note : इस वाद में यह धारित किया गया कि मृत्युदंड विरले में से विरलतम अपराधों में ही दिया जाना चाहिए।

67. किस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 303 को रद्द कर दिया था, जिसके अनुसार एक आजीवन कैदी द्वारा की गई हत्या के लिए उसे अनिवार्य मृत्युदंड दिया जाना चाहिए।

A. पी.ए. इनामदार बनाम महाराष्ट्र राज्य
B. ए.डी.एम. जबलपुर बनाम एस. शुक्ला
C. मिट्ठू बनाम पंजाब राज्य
D. श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ

उत्तरः (C)

68. भारतीय दंड संहिता में चोरी परिभाषित है-

A. धारा 378　　B. धारा 391
C. धारा 380　　D. धारा 396

उत्तरः (A)

69. भारतीय दंड संहिता में लूट परिभाषित है-

A. धारा 378 में　　B. धारा 383 में
C. धारा 390 में　　D. धारा 391 में

उत्तरः (C)

70. 'डकैती' का अपराध करने के लिए निम्नांकित में से क्या आवश्यक है।

A. चोरी　　B. उद्यापन
C. छल　　D. चोरी या उद्यापन

उत्तरः (D) Note : IPC की धारा 391 में डकैती को परिभाषित किया गया है।

71. राम गुस्से में श्याम को मारने का प्रयत्न करता है। श्याम को ऐसी स्थिति में प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार भारतीय दंड संहिता की किस धारा में होगा।

A. धारा 97　　B. धारा 98
C. धारा 100　　D. धारा 96

उत्तरः (A) धारा 97

72. जेल का एक चिकित्सक एक बच्ची को उसकी सहमति के बिना एनीमा देने के लिए कोठरी में बंद करता है। वह दोषी है।

A. किसी भी अपराध के लिए नहीं　　B. व्यपहरण के लिए
C. सदोष परिरोध के लिए　　D. सदोष अवरो के लिए

उत्तरः (C)

73. दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अंतर्गत तलाशी वारण्ट जारी किया जाता है।

A. धारा 92　　B. धारा 93
C. धारा 94　　D. धारा 96

उत्तरः (C)

74. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498-A के अंतर्गत निर्दयता में निहित है।

A. केवल शारीरिक निर्दयता　　B. केवल मानसिक निर्दयता
C. स्त्री का उत्पीडना　　D. पत्नी द्वारा निर्दयता

उत्तरः (C)

75. 'अ' अपने को (C) होने का जिसकी मृत्यु हो चुकी है, बहाना करके छल करता है। 'अ' दण्ड का दोषी है।

A. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 के अंतर्गत
B. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 419 के अंतर्गत
C. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 418 के अंतर्गत
D. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 417 के अंतर्गत

उत्तरः (B)

76. दण्ड प्रक्रिया सांहिता 1973 की निम्न किस धारा के अधीन अभियुक्त को मजिस्ट्रेट द्वारा पुलिस रिपोर्ट तथा अन्य दस्तावेजों की प्रतिलिपि प्रदान की जाती है।

A. धारा 205　　B. धारा 209
C. धारा 207　　D. धारा 208

उत्तरः (C)

77. दण्ड प्रक्रिया सांहिता, 1973 (CRPC) की निम्न किस धारा के अधीन अभियुक्त को मजिस्ट्रेट द्वारा पुलिस रिपोर्ट तथा अन्य दस्तावेजों की प्रतिलिपि प्रदान की जाती है?

A. धारा 205　　B. धारा 209

C. धारा 207 D. धारा 208

उत्तरः (C)

78. पुलिस अधिनियम, 1861 के अंतर्गत 'पुलिस' शब्द में ऐसे व्यक्ति सम्मिलित है जो इस अधिनियम के अंतर्गत-

A. भर्ती किये गये है B. प्रशिक्षित किये गये है
C. नियुक्त किये गये है D. चयनित किये गये है

उत्तरः (A)

79. शरीर की आत्मरक्षा का अधिकार स्वेच्छापूर्वक मृत्यु कारित करने का अधिकार प्रदान करता है। यदि घटित अपराध-

A. जब मृत्यु कारित की जाएगी ऐसी युक्तियुक्त आशंका पैदा होती है
B. जब साधारण अपर्हात कारित की जाएगी ऐसी युक्तियुक्त आशंका प्रयक्त होती है
C. जब चोरी से अपराध चोर के भागने पर चोरी की सम्पत्ति बरामद करना हो
D. जब स्वेच्छापूर्वक अपर्हात कारित करने के पश्चात भागने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार करना है।

उत्तरः (A)

80. महिला की लज्जा भंग करने संबंधी हमला दंडनीय है।

A. भारतीय दंड संहिता में B. दंड प्रक्रिया संहिता में
C. भारतीय संविधान में D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (A) Note: महिला की लज्जा भंग करने संबंधी हमला भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। जिसमें 5 वर्ष तक का कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा।

81. प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार किससे संबंधित है-

A. शरीर से B. सम्पत्ति से
C. शरीर व संपत्ति दोनों से D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C) Note: भारतीय दंड संहिता की धारा 97 के अनुसरण में, प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार शरीर व सम्पत्ति दोनों से संबंधित है।

82. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 नीचे दिए गए विकल्पों में से किससे संबंधित है।

A. दहेज मृत्यु B. बलात्कार
C. हत्या D. कन्या भ्रूण हत्या

उत्तरः (B) Note: भारतीय दंड संहिता की धारा 376 बलात्कार के लिए दंड से संबंधित है। धारा 375 में बलात्कार की 7 परिस्थितियों को बताया गया है।

83. भारतीय दंड संहिता की धारा 405-409 किस विषय से संबंधित है।

A. शरारत B. जवरन वसूलि
C. आपराधिक विश्वास भंग D. छल

उत्तरः (C)

84. छल की सजा का संबंध निम्न में से आईपीसी की किस धारा से है।

A. धारा 415 B. धारा 417
C. धारा 416 D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (B) Note : इस धारा के तहत सजा की अवधि 1 वर्ष तक की हो सकेगी, या जुर्माने से, या दोनों से दंडित किया जाएगा।

85. निम्न में कौन-सा अपराध है। जिसकी तैयारी आईपीसी में दंडनीय है।

A. हत्या B. दहेज हत्या
C. भारत सरकार के विरूद्ध युद्ध छेड़ना D. चोरी

उत्तरः (C) Note: भारतीय दंड संहिता की धारा 122 के अंतर्गत भारत सरकार के विरूद्ध युद्ध करने की तैयारी को दंडनीय बनाया गया है।

86. निम्न में से कौन-सी भारतीय दंड संहिता की धारा भारतीय संविधान की धारा 14 व 21 के अधीन असंवैधानिक करार दी गई है?

A. धारा 301 B. धारा 303
C. धारा 306 D. धारा 314

उत्तरः (B) व्याख्याः 'मिट्ठू सिंह बनाम पंजाब राज्य' के मामले में उच्चतम न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 303 को इस आधार पर असंवैधानिक घोषित किया है कि यह धारा संविधान के अनु. 14 एवं 21 द्वारा प्रदत्त समानता तथा जीवन एवं स्वतंत्रता के अधिकारों का हनन करती है।

87. भारतीय दंड संहिता की धारा 304 B के अंतर्गत, 'दहेज मौत' के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को न्यूनतम कितने वर्ष की सजा देने का प्रावधान है? [UPSI]

A. 7 वर्ष B. 12 वर्ष
C. 5 वर्ष D. 3 वर्ष

उत्तरः (A)

88. भारतीय दंड संहिता की किस धारा में आपराधिक षड्यंत्र को परिभाषित किया गया है?

A. धारा 120क B. धारा 121
C. धारा 154 D. धारा 159

उत्तरः (A) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता की धारा 120क में 'आपराधिक षड्यंत्र' (Criminal conspinracy) को परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार, जब दो या दो से अधिक व्यक्तिगत कोई अवैध कार्य अथवा कोई ऐसा कार्य जो अवैध नहीं है।

89. भारतीय दंड संहिता की धारा 307 का संबंध निम्न में से किससे है? [UPSI]

A. खतरनाक हथियारों का उपयोग कर स्वेच्छा से चोट पहुँचाना
B. अप्राकृतिक अपराध
C. हत्या का प्रयास
D. अनुचित निरोध और अनुचित बंधन

उत्तरः (C) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता की धारा 307 हत्या के प्रयत्न से संबंधित है। दोषी पाए जाने पर 10 वर्ष तक कारावास और अर्थदंड का उपबंध है। कुछ परिस्थिति में आजीवन कारावास भी हो सकता है।

90. IPC की धारा 320 में गहरी चोट/घोर उपहति (Grsevous hurt) में कितने प्रकार के चोटों को सम्मिलित किया गया है?

A. 5 B. 6
C. 7 D. 8

उत्तरः (D) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता की धारा 320 में गहरी चोट (Grievous hurt) में 8 प्रकार के चोटों को सम्मिलित किया गया है।

91. IPC की धारा में विधि-विरूद्ध जमाव (Unlawful Assimbly) को परिभाषित किया गया है?

A. 141 B. 142
C. 146 D. 149

उत्तरः(A) व्याख्याः भारतीय दंड संहिता की धारा 141 में विधि विरूद्ध जमाव (Unlawful Assimbly) को परिभाषित किया गया है।

92. गलत उत्तर बताए।

A. किसी संज्ञेय अपराध के सम्बंध में सूचना
B. सूचना किसी पुलिस अधिकारी को दी गई हो
C. सूचना समय के अनुसार प्रथम होनी चाहिए
D. इसे सदैव लिखित होना चाहिए

उत्तरः (D)

93. 'क' के द्वारा एक असंज्ञेय अपराध की सूचना देने पर थाना प्रभारी ने उसका सारांश किया। तत्पश्चात उसने निम्न कार्यवाही की। थाना प्रभारी का कौन-सा कार्य निधि सम्मत था।

A. अपराध का अनुसंधान किया
B. आरोपी को बंदी बनाया
C. न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया
D. उसने 'क' को दण्डाधिकारी के पास पहुँचने के लिए निर्देशित किया

उत्तरः (D)

94. सी.आर.पी.सी. में पूर्व दोषसिद्धि को साबित करने के संबंधित कौन-सा प्रावधान है।

A. धारा 296 B. धारा 297
C. धारा 298 D. धारा 299

उत्तरः (C)

95. क को य के गृह के द्वारा की चाभी मिल जाती है, जो य से खो गई थी और वह उस चाभी से द्वारा खोलकर य के गृह में प्रवेश करता है। यहाँ क दोषी है-

A. चोरी का B. छल का
C. गृह भेदन का D. लूट का

उत्तरः (C)

96. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 में सदोष लाभ एवं सदोष हानि को परिभाषित किया गया है।

A. धारा 22 में B. धारा 23 में
C. धारा 24 में D. धारा 37 में

उत्तरः (B)

97. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 83 के अन्तर्गत किसी शिशु को कार्य की प्रकृति समझने में सक्षम माना जाता है, जबकि वह-

A. सात वर्ष से अधिक परन्तु बारह वर्ष से कम आयु का है
B. सात वर्ष से अधिक परन्तु चौदह वर्ष से कम आयु का है
C. सात वर्ष की आयु का है
D. आठ वर्ष से अधिक परन्तु चौदह वर्ष से कम आयु का है

उत्तरः (B)

98. 'ब' की हत्या करने के विचार से 'अ' में रामनगर में रात्रि को प्रवेश करता है जबकि 'ब' शहर से बाहर गया हुआ था 'अ' दोषी है-

A. हत्या का
B. गृह अतिचार का
C. हत्या के प्रयत्न का
D. निजी भी अपराध का नहीं

उत्तरः (C)

99. जब कई व्यक्तियों द्वारा आपराधिक कृत्य किये जाते हैं, तब-

A. केवल मुख्य अपराधी ही कृत्य के लिए उत्तरदायी है
B. केवल सक्रिय कर्ता ही कृत्य के उत्तरदायी है
C. प्रत्येक व्यक्ति आपराधिक कृत्य के लिए ऐसे ही उत्तरदायी होगा जैसे उसने स्वयं अपराध किया हो
D. उनमें से कोई भी उत्तरदायी नहीं होगा

उत्तरः (C)

100. धारा 34 भारतीय दंड संहिता में प्रयुक्त वाक्यांश ''सभी के सामान्य आशय के अग्रसरण में-

A. प्रारंभ से ही वहाँ है
B. 1870 के संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया
C. वहाँ है ही नहीं
D. 1886 के संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया

उत्तरः (B)

101. दंगा के अपराध के लिए अपराधी को कितनी अवधि के कारावास से दण्डित किया जा सकता है।

A. एक वर्ष B. एक माह
C. तीन माह D. छः माह

उत्तरः (B)

102. निम्न में से किसमें शरीर में प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार मृत्यु कारित करने तक नहीं होता है।

A. बलात्संग के आशय से किया गया हमला
B. व्यपहरण करने के आशय से किया गया हमला
C. अपहरण करने के आशय से किया गया हमला

D. सदोष अवरोध करने के आशय से किया गया हमला

उत्तरः (D)

103. सम्पत्ति की प्राइवेट (निजी) प्रतिरक्षा के अधिकार के क्रियान्वयन में मृत्यु कारित नहीं की जा सकती।

A. लूट में

B. शत्री गृहभेदन में

C. निवास हेतु निर्मित भवन में अग्नि द्वारा रिष्टि में

D. चोरी में

उत्तरः (D)

104. निम्नलिखित में से कौन-सा वाद विकृतचित्रता के आधार पर बचाव संबंधी सिद्धांत प्रतिपादित करता है।

A. आर. बनाम प्रिंस

B. मैकनाटन केस

C. आर बनाम डडले खण्ड स्टीफेन

D. महबूब शाह बनाम इम्परर

उत्तरः (B)

105. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अपराध के लिए संपत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार स्वेच्छा से मृत्यु कारित करने तक है।

A. चोरी

B. आपराधिक युर्विनिभोग

C. लूट

D. आपराधिक अतिचार

उत्तरः (C)

106. जब कई व्यक्तियों द्वारा आपराधिक कृत्य किये जाते हैं, तब-

A. केवल मुख्य अपराधी ही कृतय के लिए उत्तरदायी है

B. केवल सक्रिय कर्ता ही कृत्य के उत्तरदायी है

C. प्रत्येक व्यक्ति आपराधिक कृत्य के लिये ऐसे ही उत्तरदायी होगा जैसे उसने स्वयं अपराध किया है

D. उनमें से कोई भी उत्तरदायी नहीं होगा

उत्तरः (C)

107. आत्महत्या करने के लिए दुष्प्रेरणा की सजा का प्रावधान आईपीसी की किस धारा में किया गया है

A. धारा 306 B. धारा 307

C. धारा 308 D. धारा 309

उत्तरः (A)

108. भारतीय दंड संहिता की धारा 415-420 का संबंध किससे है?

A. शरारत B. जबरन वसूली

C. धोखाधड़ी D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (C)

109. भारतीय दंड संहिता की धारा 377............. के विषय में है।

A. हत्या का प्रयास

B. खतरनाक हथियारों का उपयोग कर, स्वेच्छा से चोट पहुँचाने

C. अप्राकृतिक अपराध

D. सदोष अवरोध तथा सदोष परिरोध

उत्तरः (C) Note : भारतीय दंड संहिता की धारा 377 में अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने को अपराध माना गया था।

लेकिन 2018 में उच्चतम न्यायालय ने धारा 377 को रद्द कर दिया है।

'नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत सरकार' वाद में हुआ ये निर्णय'।

110. रामू, सोहन के घर में खिड़की से घुसता है, रामू ने निम्न में से कौन-सा अपराध किया?

A. अतिचार B. गृह अतिचार

C. सेंधमारी D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (C) Note : उक्त समस्या में रामू ने भारतीय दंड संहिता की धारा 445 के अंतर्गत सेंधमारी/गृह भेदन का अपराध किया।

111. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 2(C) परिभाषित करती है।

A. जमानतीय अपराध B. गैर-जमानतीय अपराध

C. संज्ञेय अपराध D. असंज्ञेय अपराध

उत्तरः (C)

112. दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत जाँच की जाती है।

A. केवल मजिस्ट्रेट द्वारा

B. पुलिस अधिकारी द्वारा

C. सत्र न्यायालय द्वारा

D. मजिस्ट्रेट या न्यायालय द्वारा

उत्तरः (D)

113. एस. वरदराजन बनाम स्टेट का संबंध निम्न में से किससे है?

A. धारा 366-A, IPC B. धारा 364-A, IPC

C. धारा 363 IPC D. इनमें से कोई नहीं

उत्तरः (C) व्याख्याः एस. वरदराजन बनाम स्टेट नामक वाद का संबंध भारतीय दंड संहिता की धारा 363 से संबंधित है।

114. निम्न में से किस केस में अस्वस्थ मन (Unsound mind) का बचाव के रूप में होने का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है?

A. मैकनॉटन केस B. आर.वी. प्रिंस केस

C. आर.वी. डडले और स्टीफेन केस D. वी. गोविंदा

उत्तरः (A) व्याख्याः मैकनॉटन के केस में अस्वस्थ मन(Unsound mind) का बचाव के रूप में होने का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है।

115. निम्न में से किसका संबंध आत्मरक्षा के अधिकार से है?

A. जयदेव बनाम स्टेट

B. महबूब शाह बनाम इंपरर

C. R बनाम प्रिंस

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तरः (A) व्याख्याः जयदेव बनाम स्टेट ऑफ पंजाब का संबंध आत्मरक्षा के अधिकार से है।

116. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 किस दिनांक से प्रवृत्त हुई?
A. 1 जनवरी, 1973 B. 1 अक्तूबर, 1973
C. 1 जनवरी, 1974 D. 1 अप्रैल, 1974

उत्तरः (D) व्याख्याः दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 अप्रैल, 1974 के प्रथम दिन से प्रवृत्त होगी। यह उपबंध संहिता की धारा 1(3) में किया गया है। अतः दंड प्रक्रिया संहिता 1 अप्रैल, 1974 प्रवृत्त हुई।

117. जमानतीय अपराध कौन-से हैं?
A. दंड प्रक्रिया संहिता की प्रथम अनुसूची में जिनमें जमानतीय अपराध का उल्लेख किया गया है
B. सभी समान विचारण के प्रकरण
C. सभी असंज्ञेय अपराध के प्रकरण
D. सभी प्रकरण जो सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय नहीं है।

उत्तरः (A)

118. दंड प्रक्रिया संहिता धारा 2(x) के अनुसार, वारंट मामला वह होता है, जो ऐसे अपराध से संबंधित है। जिसकी सजा मृत्युदंड आजीवन कारावास अथवा कितने वर्षों से अधिक अवधि का कारावास हो सकता है। [UPSI]
A. दस B. सात
C. दो D. तीन

उत्तरः (C) व्याख्याः वारंट मामला वह होता है, जो एक ऐसे अपराध से संबंधित है। जिसकी सजा मृत्युदण्ड, आजीवन कारावास अथवा दो वर्षों से अधिक का कारावास हो सकता है।

119. पुलिस अधिनियम की धारा 15(3) (जो विक्षुब्ध या संकटपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित है) के अन्तर्गत पुलिस बल का खर्च निम्न में से किसके द्वारा वहन किया जाएगा।
A. उस क्षेत्र में निवासियों द्वारा B. राज्य सरकार के द्वारा
C. स्थानीय निकायों द्वारा D. पुलिस विभाग द्वारा

उत्तरः (A)

120. विकृतचित्रता की दशा को साबित करने का भार होता है-
A. चिकित्सक पर B. अभियुक्त पर
C. अभियोजन पर D. पुलिस अधिकारी पर

उत्तरः (B)

121. भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत निम्न में से किस अपराध की तैयारी दण्डनीय है-
A. हत्या B. दहेज हत्या
C. भारत सरकार के विरूद्ध युद्ध करना D. चोरी

उत्तरः (C)

122. ग्राम पुलिस अधिकारी की नियुक्ति प्रावधान किस धारा में वर्णित है?
A. धारा 21 B. धारा 22
C. धारा 20 D. इनमें कोई नहीं

उत्तरः (D) इनमें कोई नहीं

123. पुलिस अधिकारी बिना दावे वाली संपत्ति को अपने भार-साधन में लेंगे और इसके व्ययन की बातें मजिस्ट्रेट के आदेशों के अधीन होंगे, का प्रावधान पुलिस अधिनियम भी किस धारा में है-
A. धारा 25 B. धारा 15
C. धारा 25 D. धारा 22

उत्तरः (A)

124. जब दो या दो से अधिक व्यक्ति कोई अवैध कार्य अथवा कोई ऐसा कार्य जो अवैध नहीं है, अवैध साधनों द्वारा करने या करवाने को सहमत होते हैं तब ऐसा करार-
A. आपराधिक षड्यंत्र होता है
B. आपराधिक दुष्प्रेरण होता है
C. आपराधिक षड्यंत्र औरदुष्प्रेरण दोनो होते हैं
D. कोई नहीं

उत्तरः (A)

125. पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा-7 के अन्तर्गत महानिरीक्षक की विधायी शक्तियाँ अधीन है।
A. अनुच्छेद-32 के B. अनुच्छेद-33 के
C. अनुच्छेद-310 के D. अनुच्छेद-311 के

उत्तरः (D)

126. पुलिस बल का राजपत्रित अधिकारी नहीं है।
A. महानिरिक्षक B. पुलिस अधीक्षक
C. उप अधीक्षक D. निरीक्षक

उत्तरः (D)

127. गिरोह रजिस्टर (Gang Register) में किन-किन मामलों को दर्ज करते हैं।
A. पशु चोरी B. डकैती
C. रेल के डिब्बे की चोरी D. उपरोक्त सभी

उत्तरः (D)

128. दुष्प्रेरण का दुष्प्रेरण अपराध है। यह सीधे निगम्य है।
A. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 110 से
B. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 100 से
C. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 108 से
D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (C)

129. सशक्त रिजर्व सेवा की अवधि सामान्यतः कितने महीने से अधिक होनी चाहिए?
A. एक B. दो
C. चार D. सात

उत्तरः (A)

130. निम्नलिखित में से राजद्रोह के रूप में कौन-सा दण्डनीय है?
A. सरकार को उलट देने के लिए उसकी कठोर आलोचना
B. लोगों को विधि और विधिक प्राधिकार का आज्ञानुवर्तन से प्रेरित रहने को उत्प्रेरित करना

C. उपभोक्ता से कोई नहीं
D. A तथा B दोनों

उत्तरः (B)

131. स्थानान्तरण के संबंध में निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों तथा सहायक उपनिरिक्षकों को किसी एक जिले में कितने समय तक रहने दिया जायेगा?

A. 6 वर्ष
B. 5 वर्ष
C. 4 वर्ष
D. 3 वर्ष

उत्तरः (B)

132. 'अ' 'ब' को मिथ्या साक्ष्य देने के लिए उत्प्रेरित करता है। यहाँ यदि 'ब' मिथ्या साक्ष्य नहीं देता तो 'अ'-

A. किसी अपराध का दोषी नहीं है
B. मिथ्या साक्ष्य के दुष्प्रेरक के रूप में दोषी है
C. मिथ्या साक्ष्य के लिए बिहित अधिकतम दण्ड के एक चौथाई दण्ड एवं अर्थदण्ड के लिए उत्तरदायी है
D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C)

133. यदि अपराध, कारावास और दोनों से दण्डनीय है, तो वह अवधि जिसके लिए जुर्माना देने में व्यक्तिक्रम होने की दशा के लिए न्यायालय अपराधी को कारावासित करने का निर्देश दे, कारावास की उस अवधि के-

A. एक-तिहाई
B. आधा
C. एक-चाथाई
D. दो-तिहाई

उत्तरः (C)

134. निम्न में से कोई दण्ड प्रक्रिया की धारा 164 के अधीन संस्वीकृति कथन अभिलिखित करने हेतु अधिकृत है।

A. एक पुलिस अधिकारी
B. एक कार्यपाल मजिस्ट्रेट
C. न्यायिक मजिस्ट्रेट
D. न तो न्यायिक मजिस्ट्रेट और न कार्यपालक

उत्तरः (C)

135. राज्य सरकार में अधीक्षण निहित होने संबंधी प्रावधान किस धारा में दिए है।

A. धारा-1
B. धारा-2
C. धारा-3
D. उपरोक्त सभी

उत्तरः (D)

136. असंज्ञेय अपराध में अभिप्रेत है, ऐसा अपराध जिसमें-

A. एक पुलिस अधिकारी बिना वारंट के गिरफ्तारी नहीं कर सकता
B. एक पुलिस अधिकारी अपने विवेक के आधार पर गिरफ्तार कर सकता है
C. एक पुलिस अधिकारी बिना वारंट के गिरफ्तार करने का प्राधिकार रखता है
D. परिवादी के निवेदन पर गिरफ्तार किया जा सकता है

उत्तरः (A) एक पुलिस अधिकारी बिना वारंट के गिरफ्तारी नहीं कर सकता।

137. कोई भी न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम वर्ग निम्न में से किस सजा को पारित करने के लिए अधिकृत होता है।

A. मृत्युदण्ड
B. किसी भी अवधि के लिए कारावास
C. ऐसी अवधि के लिए कारावास जो तीन वर्षों से अनधिक हो
D. ऐसी अवधि के लिए कारावास जो दो वर्षों से अनधिक हो

उत्तरः (C) Note : 1973 की धारा 29 की उपधारा (2) के अनुसार, प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट का न्यायालय तीन वर्ष तक की अवधि का कारावास या दस हजार तक जुर्माना या दोनों का दंड लगा सकता है।

138. द्वितीय श्रेणी के मजिस्ट्रेट के न्यालय द्वारा निम्न में कौन-सा दंडकोश पारित किया जा सकता है।

A. दो वर्ष से अनधिक अवधि के लिए कारावास
B. एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए कारावास
C. छः महीने से अनधिक अवधि के लिए कारावास
D. केवल पाँच हजार रुपये से अनधिक जुर्माना

उत्तरः (B)

139. पुलिस अधिकारी बिना मजिस्ट्रेट के आदेश तथा बिना वारंट के किसी व्यक्ति को गिरफ्तारी कर सकेगा।

A. जो पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में संज्ञेय अपराध करता है
B. जो संहिता के अधीन या राज्य सरकार के आदेश द्वारा अपराधी उद्घोषित किया गया हो
C. जो पुलिस अधिकारी द्वारा उसके विधिपूर्ण कर्तव्यों के निष्पादन में वाधा कारित करता है
D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (D)

140. एक प्रमुख न्यायिक दंडाधिकारी दंडादेश दे सकता है-

A. 3 वर्ष से अनधिक अवधि के लिए कारावास का या पाँच हजार रुपये से अनधिक जुर्माने का या दोनों का
B. पाँच वर्ष से अनधिक अवधि के लिए कारावास का या दस हजार रुपये से अनधिक जुर्माने का या दोनों का
C. सात वर्ष से अनधिक अवधि के लिए कारावास का या जुर्माने से, जो किसी भी राशि तक का हो सकेगा या दोनों का
D. सात वर्ष से अनधिक अवधि के लिए कारावास का या एक लाख रुपये के अनधिक जुर्माने का या दोनों का

उत्तरः (C)

141. दंड प्रक्रिया संहिता की कौन-सी धारा सैन्य बलों के सदस्यों को गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करने का प्रावधान करती है?

A. धारा 41
B. धारा 45
C. धारा 46
D. धारा 50

उत्तरः (B)

142. बिना वारंट के गिरफ्तार करने के बाद, मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना पुलिस अधिकारी द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को अभिरक्षा में रखने की अवधि कितनी हो सकती है?

A. 12 घण्टे

B. 24 घण्टे

C. अपराध की संस्वीकृति तक

D. चोरी की गई वस्तु बता देने तक

उत्तरः (B) व्याख्याः इस निरूद्ध काल (Petition Period) की गणना में गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट के न्यायालय तक, गिरफ्तार व्यक्ति को ले जाने में की गई यात्रा के समय की गणना नहीं की जाएगी (धारा 57)।

143. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41(ग) के अन्तर्गत राज्य सरकार पुलिस नियंत्रण कक्ष स्थापित करेगी?

A. केवल जिला स्तर पर
B. केवल राज्य स्तर पर
C. केवल कमिश्नरी स्तर पर
D. राज्य तथा जिला स्तर पर

उत्तरः (B) व्याख्याः दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41(ग) में पुलिस 'नियंत्रण कक्ष' का प्रावधान है, जो राज्य सरकार (i) प्रत्येक जिले में तथा (ii) राज्य स्तर पर स्थापित करेगी इन पुलिस नियंत्रण कक्षों में गिरफ्तार व्यक्तियों के अपराध की प्रकृति गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारियों के नाम आदि के ब्यौरे संगृहित रहेंगे।

144. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 77 के अंतर्गत वारंट निष्पादित किया जा सकता है-

A. उस न्यायालय को अधिकार क्षेत्र में जिसने वारंट जारी किया

B. सत्र न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में

C. राज्य के किसी भी स्थान पर

D. भारत में किसी भी स्थान पर

उत्तरः (D)

145. निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाद ''प्रथम सूचना रिपोर्ट'' पर एक दिग्दर्शक वाद है?

A. ललित कुमारी बनाम उ. प्र. राज्य

B. मोती राम बनाम म. प्र. राज्य

C. अब्दुल करीम बनाम कर्नाटक राज्य

D. नीलम कटारा बनाम भारत संघ

उत्तरः (A)

146. दण्ड प्रक्रिया की संहिता की धारा 144 के अन्तर्गत आशंकित खतरे या न्यूसेंस रोकने के लिए कौन आदेश दे सकता है-

A. जिला मजिस्ट्रेट

B. उपखण्ड मजिस्ट्रेट

C. राज्य सरकार द्वारा सशक्त किया गया मजिस्ट्रेट

D. उपर्युक्त सभी

उत्तरः (D) उपर्युक्त सभी

147. न्यूसेंस या आशंकित खतरे के निवारण के लिए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अधीन पारित आदेश प्रवृत्त रहता है-

A. एक सप्ताह के लिए
B. एक मास के लिए
C. दो मास के लिए
D. छः मास के लिए

उत्तरः (C)

148. दण्ड प्रतिक्रिया संहिता की धारा 439 के अन्तर्गत जमानत निरस्त करने का क्षेत्रधिकार निहित है-

A. सर न्यायलय में
B. उच्च न्यायलय में
C. मजिस्ट्रेट के न्यायालय में
D. केवल A एवं B में

उत्तरः (D)

149. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 निम्नलिखित में से किस विषय में प्रावधानित करती है।

A. संस्वीकृति एवं कथन का दर्ज किया जाना

B. पुलिस द्वारा गवाहों की परीक्षा

C. विशेषज्ञ परीक्षा

D. अन्वेषण प्रक्रिया

उत्तरः (A)

150. जो कोई किसी अपराध का दुष्प्रेरण करता है, यदि दुष्प्रेरित कार्य दुष्प्रेरण के परिणामस्वरूप किया जाता है, तो उसे दण्डित किया जाएगा-

A. 2 वर्ष से अधिक नहीं

B. आजीवन कारावास से

C. मृत्युदण्ड से

D. उस दण्ड से जो अपराध के लिए उपबंधित है

उत्तरः (D)

151. सजा जिसके लिए कोई दुष्प्रेरक उत्तरदायी होता है-

A. हमेशा दुष्प्रेरित अपराध की सजा के सामान होती है

B. हमेशा दुष्प्रेरित अपराध की सजा से भिन्न होती है

C. हमेशा दुष्प्रेरित अपराध की सजा से कम होती है

D. परिस्थितियाँ जैसे कि वास्तव में अपराध कारित होना, के अनुरूप समान से कम सजा में बदलती रहती है

उत्तरः (A)

152. दण्डादेशों का निलम्बन या परिहार करने की शक्ति अपराध दण्ड प्रक्रिया संहिता में किसे दी गई है।

A. राष्ट्रपति को
B. सरकार को
C. सरकार को
D. मुख्यमंत्री को

उत्तरः (C)

153. क, ख को ग की हत्या करने को उकसाता है और ख ऐसा काम करने से इंकार कर देता है। क दोषी है।

A. किसी भी अपराध का नहीं

B. हत्या करने के लिए ख को दुष्प्रेरित करने का

C. आपराधिक षड्यंत्र का

D. हमले का अपराध का

उत्तरः (B)

154. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की निम्नलिखित में से कौन-सी धारा उच्च न्यायालय की पुनरीक्षण की शक्ति से संबंधित है?
A. धारा 395 B. धारा 401
C. धारा 399 D. धारा 396

उत्तरः (B)

155. अ, ब को झूठी गवाही देने के लिए उकसाता है, 'ब' झूठी गवाही नहीं देता है। इस मामले में-
A. अ किसी अपराध का दोषी नहीं है
B. अ उकसाने के द्वारा दुष्प्रेरण का दोषी है
C. अ षड्यंत्र करने के द्वारा दुष्प्रेरण का दोषी है
D. उपरोक्त सभी उत्तर सही है

उत्तरः (B)

156. दण्ड प्रक्रिया संहिता की निम्न किस धारा के अंतर्गत पुलिस अभियुक्त को बिना वारण्ट के गिरफ्तार कर सकती है।
A. धारा 37 B. धारा 40
C. धारा 42 D. धारा 41

उत्तरः (D)

157. कोई सहायक सहा-न्यायाधीश निम्नलिखित में से कौन-सा दण्डादेश पारित कर सकता है।
A. कोई भी दण्डादेश
B. मृत्युदण्ड को छोड़कर कोई भी
C. मृत्यु या आजीवन कारावास या दस वर्ष से अनधिक अवधि के लिए कारावास के अतिरिक्त अन्य कोई भी दण्डादेश
D. जुर्माना या भर्त्सना

उत्तरः (C)

158. जब सत्र न्यायाधीश अथवा उच्च न्यायालय अपनी अधिकारिता के किसी अपर न्यायालय के समक्ष की किसी कार्यवाही के अभिलेख को परिक्षण करने हेतु मांगता है तो इसे कहते है-
A. निदेश
B. पुनिर्विलोकन
C. पुनरीक्षण
D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C)

159. दण्ड प्रक्रिया सांहिता की किस धारा के अंतर्गत सहायक लोक अभियोजक की नियुक्ति की जाती है।
A. धारा 20 B. धारा 24
C. धारा 13 D. धारा 25

उत्तरः (D)

160. किस वाद में उच्चतम न्यालय ने यह निर्णय दिया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 सभी पर लागू होती है। चाहे वह किसी धर्म का अनुयायी है।
A. मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहवानो बेगम
B. मोहम्मद उमर खान बनाम गुलशन बेगम
C. सुबाना उर्फ सैरा बानू बनाम ए. एम अब्दुल
D. सिराज मोहम्मद खान बनाम हफीजुन्निशा याशीन खान

उत्तरः (A)

161. विधि विरूद्ध जमाव को तितर-बितर करने का समादेश कौन दे सकता है।
A. कार्यपालक मजिस्ट्रेट B. न्यायिक मजिस्ट्रेट
C. थानेदार D. A अथवा C

उत्तरः (C)

162. दंड संहिता की धारा 154 के अधीन प्रथम सूचना रिपोर्ट दी जा सकती है।
A. केवल अजमानतीय एवं संज्ञेय अपराध किए जाने के संबंध में
B. किसी भी अपराध के संबंध में
C. केवल संज्ञेय अपराध के संबंध में
D. केवल लिखित में

उत्तरः (C)

163. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 154 के अधीन प्रथम सूचना रिपोर्ट संबंधित है।
A. असंज्ञेय अपराध से
B. केवल संज्ञेय अपराध से
C. असंज्ञेय अथवा संज्ञेय अपराध से
D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (B)

164. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 2(सी)/2(ग) में निम्न में से क्या परिभाषित किया गया।
A. जमानती अपराध B. गेर-जमानती अपराध
C. संज्ञेय अपराध D. असंज्ञेय अपराध

उत्तरः (C)

165. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 2(n)/2(ज) में निम्न में से क्या परिभाषित किया गया है।
A. अन्वेषण B. दोष
C. जाँच D. इनमें से कोई नहीं

उत्तरः (A)

166. दंड प्रक्रिया संहिता की किस धारा में विवाह के विरूद्ध अपराधों के लिए अभियोजन को प्रावधानित किया गया है
A. धारा 196 B. धारा 197
C. धारा 198 D. इनमें से सभी

उत्तरः (C)

167. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत, बलात्कार की पीड़िता द्वारा बलात्कार की सूचना देने पर कौन लेखबद्ध करेगा?
A. थाने का प्रभारी अधिकारी
B. उप-पुलिस अधीक्षक
C. उपनिरीक्षक से नीचे का अधिकारी नहीं
D. महिला पुलिस अधिकारी या कोई महिला अधिकारी

उत्तरः (D)

168. अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया सकता है-

A. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष

B. उच्च न्यायालय के समक्ष

C. सत्र न्यायलय के समक्ष

D. B और C दोनों के समक्ष

उत्तरः (D)

169. दंड प्रक्रिया की किस धारा में यह प्रावधानित किया गया है। कि पुलिस अधिकारी से अन्वेषण के दौरान किया गया कोई कथन यदि लेखबद्ध किया जाता है, तो वह कथन करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित नहीं किया जाएगा?

A. धारा 161 B. धारा 162

C. धारा 163 D. धारा 164

उत्तरः (B) व्याख्याः दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 162(1) में यह प्रावधानित किया गया है, कि पुलिस अधिकारी से अन्वेषण के दौरान किया गया कोई कथन यदि लिखा जाता है, तो वह कथन करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित नहीं किया जाएगा।

170. निम्न में से सत्य कथन चुनिए-

A. संज्ञेय अपराध से ऐसा अपराध अभिप्रेत है जिसमें पुलिस अधिकारी बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकता है

B. उच्च न्यायालय से अभिप्रेत है, किसी राज्य के संबंध में उस राज्य का उच्च न्यायालय

C. उक्त दोनों

D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तरः (C) व्याख्याः दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 2(ग) के अनुसार, संज्ञेय अपराध से ऐसा अपराध अभिप्रेत है, जिसमें पुलिस अधिकारी बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकता है।

171. अपराधी द्वारा कारित अपराध संज्ञेय है अथवा असंज्ञेय, जमानती है अथवा गैर-जमानती, इसका निर्धारण निम्नलिखित में उल्लेखित प्रावधान होता है-

A. भारतीय दंड संहिता B. साक्ष्य अधिनियम

C. पुलिस रेग्युलेशन D. दंड प्रक्रिया संहिता

उत्तरः (D) व्याख्याः अपराधी द्वारा कारित अपराध 'संज्ञेय' है अथवा 'असंज्ञेय' जमानती है अथवा गैर-जमानती इसका निर्धारण दंड प्रक्रिया संहिता में उल्लेखित प्रावधान से होता है।

172. भारतीय दण्ड संहिता की किस धारा में 'विधि विरूद्ध जमाव' को परिभाषित किया गया है।

A. धारा 141 B. धारा 142

C. धारा 140 D. धारा 143

उत्तरः (A)

173. सही उत्तर को इंगित कीजिए, भारतीय दंड संहिता, 1860 के अन्तर्गत प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार-

A. किसी निर्बन्धन के अध्यधीन नहीं है

B. धारा 99 के अन्तर्गत दिये गये निर्बन्धनों के अध्यधीन है

C. धारा 82 के अन्तर्गत दिये गये निर्बंधनों में के अध्यधीन है

D. धारा 106 के अन्तर्गत दिये गये निर्बंधनों के अध्यधीन है

उत्तरः (B)

174. भारतीय दण्ड संहिता की कौन-सी धाराएँ थल सेना, नौसेना, वायु सेना से संबंधित अपराधों के संबंधो में प्रावधान करती है।

A. धाराएँ 171A से 171I B. धाराएँ 124 से 129

C. धाराएँ 131 से 140 D. धाराएँ 165 से 171

उत्तरः (C)

175. दण्ड संहिता की धारा 77 के अन्तर्गत वारण्ट निष्पादित किया जा सकता है-

A. संस्वीकृति एवं कथन का दर्ज किया जाना

B. पुलिस द्वारा गवाहों की परीक्षा

C. विशेषज्ञ परीक्षा

D. अन्वेषण प्रक्रिया

उत्तरः (A)

176. दोषसिद्ध व्यक्ति द्वारा कोई अपील नहीं की जा सकती जहाँ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट केवल निम्न से अनिधिक जुर्माने का दण्ड अधिरोपित करता है।

A. 1,000 रुपये B. 200 रुपये

C. 100 रुपये D. 300 रुपये

उत्तरः (D)

177. पुलिस बल का गठन किया जाता है-

A. धारा 2 के अन्तर्गत B. धारा 7 के अन्तर्गत

C. धारा 6 के अन्तर्गत D. धारा 8 के अन्तर्गत

उत्तरः (A)

178. संज्ञेय अपराध की परिभाषा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 2सी धारा प्रस्तुत की जाती है। निम्नलिखित में से कौन-सा एक ऐसा है जो परिभाषा में इसके अनुसार लागू नहीं होता है।

A. पुलिस में जिसके बारे में प्रथम सूचना प्रतिवेदन प्रस्तुत की जाती है

B. मजिस्ट्रेट ही जिसके बारे में संज्ञान कर सकता है

C. ऐसा अपराध जो 2 वर्ष से कम की सजा वाला अपराध हो

D. ऐसा अपराध जो 2 वर्ष से अधिक की सजा वाला अपराध हो

उत्तरः (C)

179. आजीवन कारावास के दण्डादेश को सरकार कितने वर्षो के कारावास में लघुकृत कर सकेगी?

A. 20 वर्ष B. 18 वर्ष

C. 14 वर्ष D. 12 वर्ष

उत्तरः (C)

180. सत्र-न्यायालय के न्यायाधीश का स्थानांतरण किया जाता है।

A. राज्य सरकार द्वारा

B. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा

C. उच्च न्यायालय द्वारा

D. उच्च न्यायालय से परामर्श करके राज्य सरकार द्वारा

उत्तरः (C)